बुधवार
15 मई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

राजकीय सम्मान के साथ दीघा घाट पर पंचतत्व में विलिन हुए सुशील कुमार मोदी

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

लोकसभा चुनाव: गंगा सप्तमी पर पीएम नरेंद्र मोदी ने किया गंगा पूजन, गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ समेत चार बने प्रस्तावक

कालभैरव से आशीर्वाद ले मोदी ने वाराणसी से तीसरी बार भरा पर्चा

- नामांकन कार्यक्रम में करीब एक दर्जन मुख्यमंत्री, कई केंद्रीय मंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी हुए शामिल
- पूजन-अर्चन व नामांकन के दौरान उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ भी रहे मौजूद

केटी न्यूज/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव-2024 के लिए मंगलवार को वाराणसी से तीसरी बार नामांकन किया। पुष्य नक्षत्र में उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में पर्चा दाखिला किया। गंगा सप्तमी पर मां गंगा को नमन करने के उपरांत प्रधानमंत्री काशी कोतवाल काल भैरव के दर पर पहुंचे, वहां उनसे अनुमति-आशीर्वाद लेकर नामांकन किया। पीएम ने सोमवार को काशी विश्वनाथ व मंगलवार को काल भैरव बाबा से भाजपा की प्रचंड जीत का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। काल-भैरव मंदिर में पूजन व कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी साथ रहे। मंगलवार को गंगा सप्तमी के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह सबसे पहले दशाश्वमेध घाट पर गंगा पूजन किया। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य के वेंकट रमन घनपाठी ने गंगा पूजन कराया। गंगा पूजन कराने वालों में तीन पुजारी तमिलनाडु व एक-एक पुजारी आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र के रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री स्वामी विवेकानंद क्रूज पर दशाश्वमेध घाट से गंगा विहार करते हुए आदिकेशव घाट तक गए, फिर नमो घाट उतरे।

काशी कोतवाल से अनुमति लेकर पहुंचे कलेक्ट्रेट

नमो घाट से प्रधानमंत्री सीधे काशी के कोतवाल काल भैरव बाबा के दर्शन-पूजन व आरती करने पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा से अनुमति व आशीर्वाद लिया, फिर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां तीसरी बार काशी से तीसरी बार नामांकन किया। मंदिर गेट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम को अंगवस्त्र भेंट किया और आमजन ने पुष्पवर्षा की। पूरा मंदिर व आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव की गूंज से गुंजायमान हो उठा। काल भैरव मंदिर में पूजन के दौरान पीएम के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

शास्त्री ने निकाला था रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का मुहूर्त

पीएम के नामांकन में चार प्रस्तावक शामिल रहे। इसमें गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा व दलित समाज के संजय सोनकर रहे। गणेश्वर शास्त्री ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला था, जबकि बैजनाथ पटेल जनसंघ के समय के कार्यकर्ता हैं।

कई राज्यों के सीएम व केंद्रीय मंत्री पहुंचे काशी

पीएम के नामांकन कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, हरदीप पुरी, पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, प्रफुल्ल पटेल, लोजपा प्रमुख चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा, निषाद पार्टी के संजय निषाद, सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर, पशुपति पारस आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी के पास न तो कोई घर है न गाड़ी, 3.02 करोड़ रुपये है कुल संपत्ति

एजेंसी/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 और साल 2019 में वाराणसी से लोकसभा चुनाव जीता था और अबकी बार यहां से तीसरी बार चुनाव लड़ने जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण के तहत वाराणसी में एक जून को मतदान होगा। पीएम मोदी जब नामांकन करने पहुंचे तब उन्होंने जिलाधिकारी एस. राजलिंगम को दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम किया।

उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में कुल संपत्ति 3.02 करोड़ रुपये घोषित की है, इसके अलावा प्रधानमंत्री के पास लगभग 53,000 रुपये नकद हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया है कि उनकी इनकम वित्त वर्ष 2018-19 में 11 लाख रुपये से दोगुनी होकर 2022-23 में 23.5 लाख रुपये हो गई है। पीएम मोदी के हलफनामे में दी गई जानकारी के मुताबिक, उनकी अधिकतर चल संपत्ति 2.85 करोड़ रुपये फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में एसबीआई बैंक में जमा हैं। साल 2019 में दिए हलफनामे के मुताबिक साल 2024 में उनकी संपत्ति में इजाफा हुआ है। पीएम मोदी ने 2014 में 1.66 करोड़ रुपये और 2019 के लोकसभा चुनाव में 2.51 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी। हालांकि, 2024 में उनकी कुल संपत्ति 3.02 करोड़ रुपये बताई गई है। पीएम मोदी ने हलफनामे में बताया है कि उनकी इनकम का सोर्स सरकारी वेतन और उनकी बचत पर अर्जित ब्याज है। उन्होंने बताया कि उनके पास न तो कोई घर है और न ही उनके पास कोई गाड़ी है। हालांकि, पिछले पांच साल में पीएम मोदी की चल संपत्ति में इजाफा हुआ है, साथ ही उनके खिलाफ कोई केस भी नहीं है। प्रधानमंत्री ने पिछले पांच सालों की इनकम से संबंधित जानकारी को भी साझा किया है। पीएम ने हलफनामे में बताया है कि उनकी 2018-19 में आय 11,14,230 थी। 2019-20 में 17,20,760, 2020-21 में 17,07, 930, 2021-22 में 15,41,870 थी। वहीं, 2022-23 में 23,56,080 रुपये इनकम रही।

राहुल गांधी ने किया वादा... सरकार बनते ही अग्निवीर योजना को कूड़ेदान में डाल देंगे

एजेंसी/झांसी

उत्तर प्रदेश के झांसी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने संयुक्त रूप से चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार बनते ही अग्निवीर योजना को कूड़ेदान में डाल देंगे। हम शहीदों के साथ भेदभाव नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि 'मुफ्त अनाज योजना' कांग्रेस की सरकार लेकर आई थी, हमारी सरकार बनने पर हम इसके तहत और अधिक अच्छी क्वालिटी का राशन देंगे।

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि 4 जून को हम हिंदुस्तान के गरीब किसानों का कर्ज माफ करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 22 अरबपतियों का 16 लाख करोड़ कर्ज माफ किया। हमने 72000 किसानों का कर्ज माफ किया था। उन्होंने कहा कि इस बार इंडिया गठबंधन ने मन बना लिया है कि जितना इन्होंने पूंजी पत्तियों का पैसा माफ किया है उतना ही पैसा हम गरीबों को खटाखट देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि स्मार्ट सिटी के नाम पर छाते लटका दिए गए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा सरकार कॉरिडोर के नाम पर किसानों को बेवकूफ बना रही है। जब आपकी जमीन छीनने का मौका आता है तो आपको लालच देकर बरगलाकर हड़प लेते हैं।

वहीं अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसने की आय दोगुनी करने की बात करती थी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ और 10 साल में एक लाख किसानों ने आत्महत्या की। भारतीय जनता पार्टी ने कुछ भी किया तो जनता को ठगने का काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल अमीरों की सरकार है और भाजपा में सिर्फ बीजेपी वालों का विकास हुआ है और भाजपा काला कानून लेकर आई।

पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन केस में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

एजेंसी/नई दिल्ली

पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को व्यक्तिगत पेशी से छूट दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को हलफनामा दाखिल करने के लिए समय भी दिया है। इस हलफनामे में पतंजलि को यह बताना है कि उसने भ्रामक विज्ञापनों और उन दवाओं को वापस लेने के लिए क्या कदम उठाए हैं, जिनके लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।

जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने बीती 7 मई को आईएमए की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर लोगों को प्रभावित करने वाले किसी प्रोडक्ट या सर्विस का विज्ञापन भ्रामक पाया जाता है तो इसके लिए सेलिब्रिटीज और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को भी समान रूप से जिम्मेदार ठहराया जाए। आईएमए ने अपनी याचिका में कहा है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ नकारात्मक प्रचार किया। याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा पतंजलि भ्रामक दावे करके देश को धोखा दे रही है कि उसकी दवाएं कुछ बीमारियों को ठीक कर देंगी, जबकि इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है। कोर्ट के आदेश बावजूद पतंजलि की तरफ से प्रिंट मीडिया में कथित भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित कराए गए। इस पर 3 जनवरी 2024 को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करने को लेकर बाबा रामदेव व आचार्य बालकृष्ण को नोटिस जारी किया।

अमेठी की बनी राइफल एके 203 जब जवानों के हाथ में होती है तो थर्राता है पाकिस्तान: योगी

केटी न्यूज/अमेठी

आज अमेठी में दुनिया की सबसे अच्छी असॉल्ट राइफल क्लाशनिकोव एके 203 का निर्माण हो रहा है, जिसे रशिया के साथ मिलकर भारत तैयार कर रहा है। इसकी सौगात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेठीवासियों को दी है। अमेठी की राइफल एके 203 जब देश के जवानों के हाथों में होती है तो पाकिस्तान थरार्ता है। आज यह अमेठी का गौरव है जबकि कांग्रेस और सपा के लोग यहां के नौजवानों के हाथों में तमंचे थमाती थी। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जगदीशपुर के अमेठी लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पक्ष में वोट की अपील की।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी को चमका कर रख दिया है। वहीं अमेठी ने भी अपना प्रधानमंत्री चुना था, लेकिन उन्होंने इसे एक जिला मुख्यालय तक नहीं दिया। इतना ही नहीं कनेक्टिविटी के लिए फोर लेन तक नहीं दी। इसी अमेठी को लोकसभा प्रत्याशी स्मृति ईरानी के आग्रह पर एक्सप्रेस-वे से जोड़ा गया ताकि यहां के नौजवानों को रोजगार मिल सके। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अमेठी में मेडिकल कॉलेज, जिला मुख्यालय, पुलिस लाइन, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट का निर्माण भारतीय जनता पार्टी कर रही है जबकि पहले लोग सिर्फ वोट के लिए यहां आते थे। इतना ही नहीं डबल इंजन की सरकार पेशेवर गुंडों और अपराधियों का भी इलाज कर रही है। सीएम ने कहा कि यह अवध क्षेत्र है, जहां लोग भूखे तो रह सकते हैं, लेकिन प्रभु श्रीराम को नहीं भूल सकते हैं। श्रीराम तो आपके रोम-रोम में बसते हैं।

सीएम नीतीश कुमार बीमार, किसी कार्यक्रम में नहीं हो सके शामिल

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हो गए हैं। सीएम हाउस में डॉक्टरों की टीम लगातार उनका देखरेख कर रही है। स्वास्थ्य को देखते हुए मुख्यमंत्री के कार्यालय की ओर से एक चिट्ठी जारी की गई है। इसमें स्पष्ट लिखा गया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हो गए हैं। इसलिए आज उनके सारे कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। बताया जा रहा है मंगलवार को सीएम नीतीश पीएम नरेंद्र मोदी के नॉमिनेशन में वाराणसी जाने वाले थे। लेकिन, अस्वस्थ होने के कारण वह इसमें नहीं शामिल हो सके। इतना ही नहीं आज शाम में सीएम नीतीश कुमार भाजपा के दिग्गज नेता व पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के अंतिम संस्कार में भी शामिल होने वाले थे लेकिन वहां भी नहीं जा पाए।

दिल्ली के इनकम टैक्स ऑफिस में लगी आग दम घुटने से एक व्यक्ति की चली गई जान

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के आईटीओ में स्थित इनकम टैक्स के ऑफिस में मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया अचानक बिल्डिंग में आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की 21 गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। जिस वक्त आयकर विभाग के दफ्तर में आग लगी उस वक्त वहां पर काफी लोग मौजूद थे और आग की वजह से वो अंदर फंस गए थे। दमकल विभाग ने धीरे-धीरे करके बिल्डिंग में फंसे लोगों को बाहर निकालना शुरू कर दिया। बता दें कि सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। बाहर निकाले गए लोगों में से एक शख्स बेहोश हो गया था जिसे बाद में मृत घोषित कर दिया गया। आग की वजह से पूरे दफ्तर में धुआं ही धुआं फैल गया था। जिसके कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत का भी सामना करना पड़ा। दमकल विभाग की बचाव टीम भी मास्क लगाकर आयकर विभाग के ऑफिस में घुसी और लोगों को बचाकर बाहर लाई। कुछ लोगों को स्ट्रेचर पर बिल्डिंग से बाहर निकाला गया। बता दें कि ये सबी लोग थर्ड फ्लोर पर फंस गए थे।

भाजपा नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के निधन से शोक की लहर

छात्र आंदोलन के जरिए सुशील मोदी ने राजनीति में रखा था कदम

भावभीनी श्रद्धांजलि

केटी न्यूज/पटना

सुशील मोदी ने अपनी राजनीति की शुरूआत छात्र आंदोलन से की थी। 1973 में वह पटना यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन के जेनरल सेक्रेटरी चुने गये थे। तब से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार आगे बढ़ते गए। 1974 के जेपी आंदोलन में भाग लिया और जेल भी गए। आपातकाल के दौरान भी उनको जेल की हवा खानी पड़ी। सुशील मोदी राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से जुड़े हुए थे। रामजन्म भूमि आन्दोलन के दौरान भी उनको जेल जाना पड़ा था। उर्दू को बिहार के दूसरी आधिकारिक भाषा बनाने का भी उन्होंने पुरजोर विरोध किया था।

सुशील मोदी भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता थे। वह लोकसभा, राज्यसभा, बिहार विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य रहे। 1990-2004 तक वह लगातार तीन बार विधायक रहे। इस दौरान, मार्च 1996-मार्च 2004 तक वह बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी बने। 2004 में वह भागलपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने गये। नवंबर 2005 से जून 2013 और जुलाई 2017 से नवंबर 2020 तक सुशील मोदी बिहार के उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री रहे।

2006-2020 तक लगातार सुशील मोदी ने बिहार विधान परिषद के सदस्य के तौर पर अपनी सेवाएं दीं। वहीं, जून 2013 से जुलाई 2017 के बीच वह बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष रहे। दिसंबर 2020 में सुशील मोदी राज्यसभा सदस्य के तौर पर निर्वाचित हुए थे।

1986 में आरएसएस छोड़कर ईसाई लड़की से की थी शादी

पटना विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान ही सुशील मोदी वर्ष 1985 में पहली बार जेसी जॉर्ज से मिले थे। दरअसल एबीवीपी से जुड़े होने के कारण वो कई यात्राएं करते थे। वहीं जेसी जॉर्ज हिस्ट्री में पीएचडी कर रही थी। दोनों ही सेकेंड क्लास में यात्रा कर रहे थे और दोनों की बातचीत शुरू हो गई। दोनों को एक दूसरे के साथ बातचीत पसंद आई। दोनों की बातचीत आगे प्यार में तब्दील हो गई। दोनों अलग अलग धर्मों से थे, मगर साथ जीने मरने की कसमें खा चुके थे। मगर शादी करना दोनों के लिए मुश्किल था क्योंकि दोनों अलग धर्मों से आते थे। दोनों की भाषा और रीति रिवाज भी अलग थे। दोनों के लिए इन समस्याओं को हटाकर एक होना मुश्किल हो रहा था। दोनों का प्यार लगातार परवान चढ़ रहा था और दोनों शादी करने के लिए पूरी तरह से तैयार थे। वहीं दूसरी तरफ सुशील मोदी लगातार आरएसएस से भी जुड़े हुए थे। शादी करने के लिए उन्हें राजनीति को छोड़ना था और उन्होंने वैसा ही किया। प्यार और राजनीति के बीच उन्होंने प्यार को चुना और 1986 में आरएसएस छोड़कर जेसी जॉर्ज से शादी की। इस शादी में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी शामिल थे।

कैंसर से जूझ रहे पूर्व उपमुख्यमंत्री ने दिल्ली स्थित एम्स में सोमवार को ली थी अंतिम सांस

राजकीय सम्मान के साथ दीघा घाट पर पंचतत्व में विलिन हुए सुशील कुमार मोदी

केटी न्यूज/पटना

पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी के पार्थिव शरीर को मंगलवार को आरएसएस कार्यालय से विधान परिषद परिसर लाया गया। यहां पर अंतिम दर्शन के लिए भाजपा सहित अन्य दलों के कार्यकर्ताओं की भीड़ पड़ी। इसके बाद पार्थिव शरीर को भाजपा कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए लाया गया है। दीघा घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। सुशील कुमार मोदी के पुत्र ने उन्हें मुखाग्नी दी। इस दौरान सैकड़ों ने नेता मौजूद थे।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। इस दुख के समय में मैं सभी शोकाकुल परिजनों और समर्थकों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

कई नेता पहुंचे अंतिम दर्शन के लिए: बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मंत्री मंगल पांडेय, गिरिराज सिंह समेत कई वरीय नेता सुशील मोदी के आवास पर पहुंचे।

आरएसएस के आजीवन सदस्य थे: सुशील मोदी आरएसएस के आजीवन सदस्य थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन आरएसएस व भाजपा को समर्पित किया था। छात्र राजनीति में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य थे। वहीं भाजपा के पूर्व सांसद आरके सिन्हा और ऋतुराज सिन्हा ने सुशील मोदी के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। पूर्व सांसद आरके सिन्हा ने अपने शोक संदेश में बताया कि सुशील मेरे छोटे भाई समान थे।

राहुल गांधी बोले- अत्यंत दुखद: कांग्रेस के वरीय नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि

पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी के निधन पर कहा पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि सुशील मोदी सिर्फ बिहार के नहीं बल्कि देश के नेता थे। बिहार की करोड़ो जनता और कार्यकर्ता के साथ उनका बहुत लगाव था। वे हमारे लिए एक अभिभावक व मार्गदर्शक थे। समय में मैं सभी शोकाकुल परिजनों और समर्थकों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। सभी नेताओं ने उनके दर्शन के लिए पार्टी कार्यालय पहुंचे थे।

यूपी और एमपी ने सीएम ने जताया शोक: निधन पर शोक जताते हुए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री, भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य सुशील कुमार मोदी जी का निधन अत्यंत दुःखद है। मेरी ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उन्होंने देश और समाज की जीवनपर्यंत सेवा की। उनका संघर्ष कार्यकताओं के लिए हमेशा प्रेरणा का कार्य करेगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री श्रीमान सुशील मोदी जी के निधन की खबर अत्यंत दुखद है।

गिरिराज सिंह बोले.... आने वाले दिनों में डॉ. अंबेडकर की तरह पूजे जाएंगे पीएम मोदी

केटी न्यूज/पटना

बिहार के बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी के प्रत्याशी सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर कांग्रेस सहित राहुल गांधी के पूरे परिवार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वह लोग उखल पर चढ़कर नरेंद्र मोदी की बराबरी करने की कोशिश न करें। नरेंद्र मोदी देशवासियों के लिए आइकॉन बने हुए हैं और आने वाले दिनों में नरेंद्र मोदी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तरह लोगों के बीच पूजे जाएंगे। भाजपा नेता गिरिराज ने कहा कि जो नेहरू परिवार आज नरेंद्र मोदी पर लांछन लगा रहा है, मैं उससे कहना चाहता हूं कि आजादी के बाद नेहरू परिवार की वजह से ही हजारों एकड़ जमीन चीन के कब्जे में चली गई। तो वहीं अपने आधे कश्मीर को भी हमने खो दिया और आज वही नेहरू परिवार के लोग नरेंद्र मोदी पर आरोप लगा रहे हैं। भारत की जनता सब कुछ देख और समझ रही है। उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता सह बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा सोशल मोदी जमीन से जुड़े हुए नेता थे। वह लोगों के सुख-दुख में बढ़ चढ़कर भाग लेते थे। विद्यार्थी जीवन से ही सुशील मोदी का राजनीति से जुड़ाव रहा और वह एक कुशल राजनीति के योद्धा थे। उनके निधन के बाद भाजपा ने अपना एक समर्पित कार्यकर्ता खो दिया है और सुशील मोदी की भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके (सुशील मोदी) अंतिम संस्कार में वह खुद भी शामिल होंगे। इसके साथ ही गिरिराज सिंह ने चौथे चरण में हुए पांच लोकसभा सीटों में से बेगूसराय लोकसभा सीट सहित पांचों सीट पर एनडीए की जीत का होने का दावा किया। भाजपा नेता ने कहा कि बेगूसराय से भी वह 200 प्रतिशत से जीत रहे हैं जो लोग मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं, उन्हें चार जून को पता चल जाएगा। जहां तक चुनावी परिणाम में अंतर की बात है तो वह अंतर भी इतना होने जा रहा है कि देखने वालों की आंखें चौंधिया जाएंगी।

खगड़िया में भीषण सड़क हादसा में दो की मौत

खगड़िया। खगड़िया में दो वाहनों की टक्कर में दो युवक की मौत हो गई है। जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों बेहतर इलाज के लिए जिले से बाहर रेफर किया गया है। घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे की बताई गई है। मृत युवक की पहचान सहरसा जिला अंतर्गत सोनबरसा थाना क्षेत्र के सोहा गांव निवासी सुधांशु कुमार और उसके दोस्त कुक्कू कुमार के रूप में हुई है। जबकि ट्रक का चालक और उपचालक घायल हो गए हैं। घटना बेलदौर थाना क्षेत्र स्थित बेला नौवाद एनएच 107 पर हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिकअप चालक तेज गति से वाहन चला रहा था। तेज रफ्तार होने के कारण उसने अपने वाहन से नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रही ट्रक में जा टकराया। पिकअप चालक वाहन से निकलकर फरार हो गया।

बेतिया में सिकरहना नदी में नहाते समय सात किशोरियां डूबीं, गोताखोरों ने पांच को बचा लिया, दो की चली गई जान

केटी न्यूज/बेतिया

बेतिया में सिकरहना नदी में नहाने के दौरान सात सहेलियां पानी में डूब गईं। इसके बाद स्थानीय गोताखोरों की मदद से पांच लड़कियों को बचा लिया गया। जबकि दो किशोरियों की डूबने से मौत हो गई। घटना जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के बारवा सेमरा घाट के सिकरहना नदी की है। मृत बच्चियों की पहचान बारवा सेमरा घाट वार्ड नंबर 6 निवासी बिस्मिल्लाह मियां की बेटी कुसुमतारा खातून (15) और रोगी मियां की बेटी जिंतारा खातून (14) के रूप में की गई है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, सात सहेलियां एक साथ बकरी चराने के लिए सिकरहना नदी के किनारे गई हुई थीं। वहीं, बकरी चराने के दौरान सातों सहेली नहाने लगीं। नहाने के दौरान धीरे-धीरे सभी लड़कियां गहरे पानी में चली गईं। चीखने-चिल्लाने पर अगल-बगल के लोग आए और बचाव कार्य शुरू किया। उसके बाद स्थानीय गोताखोरों की मदद से पांच लड़कियों को बचा लिया गया। हालांकि दो लड़कियां गहरे पानी में चली गईं, जिनकी डूबने से मौत हो गई। वहीं, घटना की सूचना पर पहुंची एसटीआरएफ की टीम दोनों लड़कियों के शव को ढूंढने के लिए लगातार प्रयासरत है, अभी तक शव नहीं मिल पाया है। बताया जा रहा है कि दो लड़कियां आपस में चचेरी बहनें हैं।प्रभारी अंचल निरीक्षक रघुनाथ चौधरी ने बताया कि एसडीआरएफ के प्रभारी एसआई धुरेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल देव शिव कुमार, पंकज कुमार, सुनील कुमार, सौरभ कुमार निलेश कुमार द्वारा लगातार लड़कियों को ढूंढने के लिए रेस्क्यू किया जा रहा है। लेकिन अभी तक शवों को बरामद नहीं किया गया है।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII

ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)

REGISTRATION & ADMISSION STARTED

ELIGIBILITY CRITERIA
- DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
- ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.

SCHOLARSHIP SCHEME
- CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
- CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.

CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY

TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)
1st SHAKSHI KUMARI 94.80%
2nd ANKIT KUMAR 92.60%
3rd SANJANA KUMARI 92.00%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
English Core - 97 | Mathematics - 95 | Accountancy - 95
Hindi Elective - 95 | Biology - 96 | Business Studies - 93
Physics - 95 | Chemistry - 95 | Economics - 94

TOPPERS IN AISSE (Std. X)
1st ARADHYA GUPTA 96.80%
2nd RUKHSAR NAAZ 95.00%
3rd SANANDAN DUBEY 94.80%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
English - 94 | Hindi - 95 | Science - 96
Sanskrit - 100 | Mathematics - 100 | Social Science - 100

INFORMATION
REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.

8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
LIMITED SEATS Hurry Up

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018
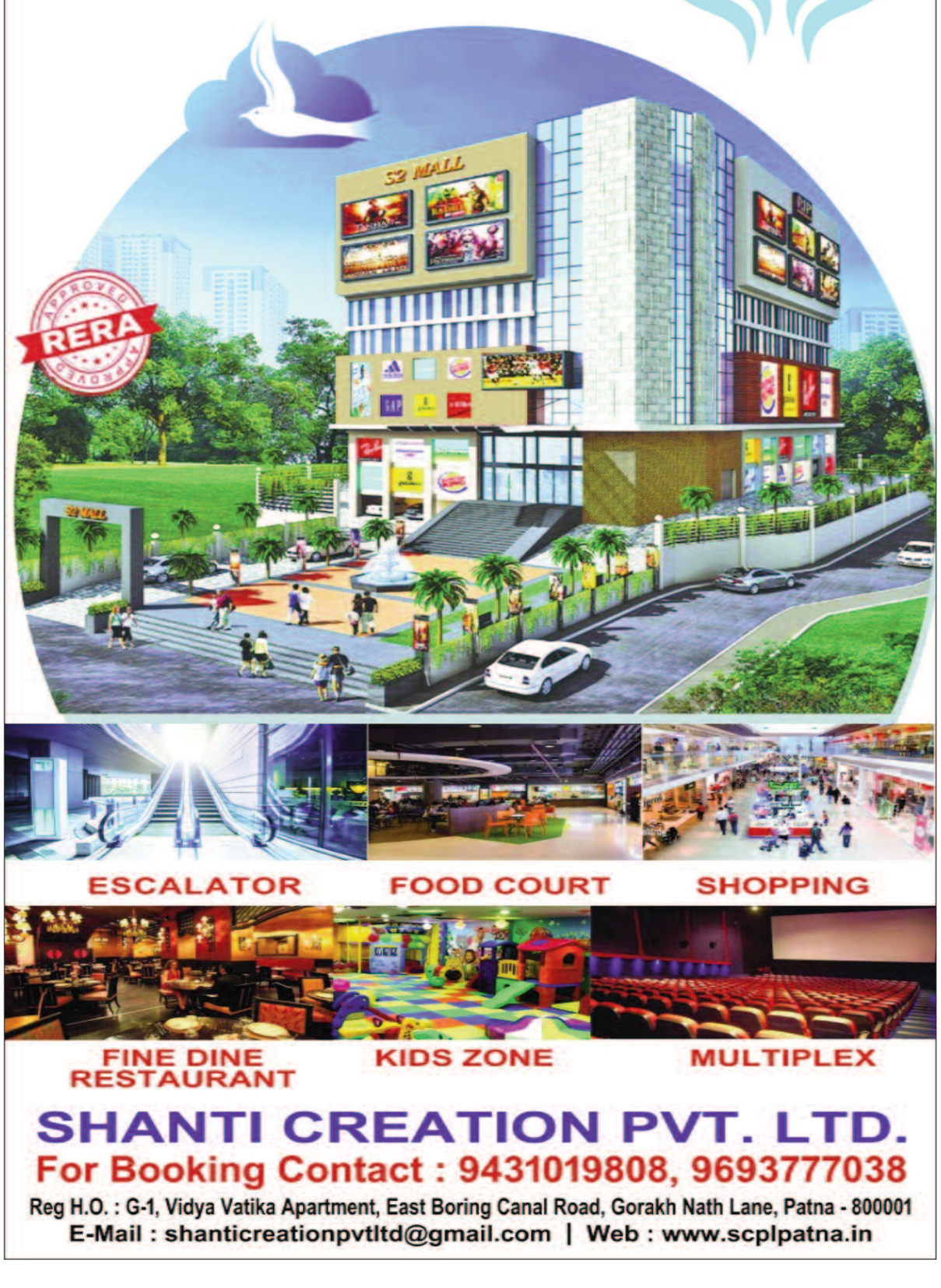

ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING
FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX
SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

बैलगाड़ी से नामांकन करने पहुंचे बसपा के अनिल, कहा बक्सर में मिलेगी जीत

♦ 2025 में बसपा बिहार में अपना सरकार बनाएगी : रामजी गौतम

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर लोकसभा संसदीय सीट पर नामांकन के अंतिम दिन मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अनिल कुमार अपना नामांकन करने के लिए बैलगाड़ी पर सवार हो पहुंचे, जहां उनके साथ अब तक के नामांकन में भारी हुजूम था। उन्होंने डीएम अंशुल अग्रवाल के समक्ष अपना नामांकन पर्चा भरा। इससे पहले वह चौकियां गांव गए जहा भगवान बुद्ध और बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उसके बाद किला मैदान भारी समर्थकों के भीड़ के रोड शो में बैलगाड़ी पर सवार होकर नामांकन के लिए निकले। इस क्रम में उन्होंने सर्वप्रथम ज्योति चौक पहुंचकर ज्योति प्रकाश की मूर्ति को दूध से स्नान कराया। इस दौरान उनके समर्थकों ने जेसीबी से फूल बरसाए। उसके बाद समर्थकों के साथ बसपा प्रत्याशी अंबेडकर चौक पहुंच कर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर नामांकन के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। नामांकन के उपरान्त किला मैदान में उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बक्सर इस बार बहुजनों का होगा। इसलिए हाथी छाप पर आप सभी एकदएक वोट देकर अपनी जीत सुनिश्चित करें। वही नामांकन सभा मे पहुंचे बसपा के राज्यसभा सांसद सह केंद्रीय प्रभारी रामजी गौतम ने कहा की आपको अगर बाबा साहेब से प्यार है तो आपको याद रखना होगा, किसी के बहकावे में नही आना है। विपक्षी पार्टियों के पास बहुत सारे बहरूपिए है। वे तरह तरह के प्रलोभन आपको देंगे। उन्होंने मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा की 5 किलो राशन सरकार की उपलब्धि नही नाकामी है। मोदी सरकार की उपलब्धि तब होती जब सरकार देश के नौजवानों को रोजगार देती, युवाओं को नौकरी देती। इस देश के अंदर कोई भी पार्टी बहुजन समाज को अपना हक और अधिकार नहीं देना चाहती है। इस निकम्मी सरकार को इस बार पटकनी देनी है। उन्होंने राजद पर भी हमला बोला और कहा की लालटेन बुझने वाली है। आने वाली एक तारीख को कोई गलती नहीं करना है। बिहार में राजद, भाजपा और कांग्रेस वालों की दुकान पर ताला लगा देना है। उन्होंने कहा की 2025 में बहुजन समाज पार्टी बिहार में अपना सरकार बनाएगी। इस लिए इस बार बक्सर से बहुजन समाज पार्टी के अनिल चौधरी को भारी मतों से विजय बनाकर दिल्ली भेजने का काम करें।

नामांकन सभा को कई नेताओं ने किया संबोधितः केंद्रीय प्रदेश प्रभारी एडवोकेट सुरेश राव, पूर्व विधायक अंबिका यादव, सकलदेव दास, अमर आजाद पासवान, संजय मंडल, पिंटू यादव, संतोष यादव, लालजी राम, उदयप्रताप सिंह, अभिमन्यु कुशवाहा, साजिद हुसैन, जिलाध्यक्ष सुभाष गौतम, जिलाध्यक्ष कैमूर छोटेलाल, रोहतास जिलाध्यक्ष पवन कुमार, बसपा नेता धर्मपाल पासवान, चक्रवर्ती चौधरी, सुषमा कुमारी, धर्मेंद्र चौधरी, कमलेश राम, सरोज साधु ने भी संबोधित किया।

महिला मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर दिया गया अधिक जोर

स्वेच्छा से करें मतदान, बनाएं लोकतंत्र को मजबूत : डीएम

♦ बसही में संध्या चौपाल लगा जिला प्रशासन ने मतदाताओं को जागरूक

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर संसदीय क्षेत्र में मतदान प्रतिशतता बढ़ाने को लेकर जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल व पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से राजपुर प्रखंड के अकबरपुर पंचायत अंतर्गत बसही गांव के शिव मंदिर प्रांगण में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत संध्या चौपाल का आयोजन किया। जहा कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम एवं एसपी ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान डीएम व एसपी ने लोगों को भयमुक्त हो तथा स्वेच्छा से मतदान के लिए प्रेरित किया और मतदान के महत्व को समझाया। डीएम व एसपी ने कहा कि मताधिकार संविधान प्रदत अधिकार है। यह हमारे नागरिकता का प्रमाण है, हमे हर हाल में चुनाव के दिन मतदान करना चाहिए। बता दें कि बसही गांव बक्सर जिले के सीमावर्ती सुदूर क्षेत्र में स्थित है। जहां, पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत कम था। यही कारण है कि जिला प्रशासन द्वारा संध्या चौपाल के लिए इस गांव का चयन किया गया था। संध्या चौपाल के शुरूआत में जीविका दीदियों ने दीपों से रोशनी कर निष्पक्ष मतदान का आह्वान किया। साथ ही स्थानीय कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान के महत्व को दशार्ते हुए ग्रामीणों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। वही, विभिन्न स्लोगनों चुनाव का पर्व, देश का गर्व, पहले मतदान, फिर जलपान, आपका वोट, आपकी आवाज, वोट हमारा है अनमोल, कभी ना लेंगे इसका मोल तथा मतदान आप का कर्तव्य और अधिकार है आदि-आदि स्लोगनों से लोगों को जागरूक किया गया।

डीएम ने मतदान केन्द्रों पर मिलने वाली सुविधाओं की दी जानकारीः संध्या चौपाल को संबोधित करते हुए डीएम ने उपस्थित सभी गणमान्य लोगों से लोकतंत्र के महापर्व में बढ़ चढ़कर मतदान करने का अपील की। वही, उन्होंने मतदान के दिन मतदान केंद्र पर मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय, वेटिंग रूम, मेडिकल सुविधा, व्हीलचेयर, रैंप इत्यादि के बारे में जानकारी दी और कहा कि ये सुविधाएं मतदाताओं के लिए मुहैया कराई गई है, ताकी किसी को इस भीषण गर्मी के मौसम में मतदान केन्द्रों पर परेशानी का सामना न करना पड़े।

वृद्ध व असक्षम लोगों को मिलेगा पोस्टल बैलेट की सुविधाः डीएम ने बताया कि वैसे मतदाता जो 85 वर्ष से अधिक के हैं, अथवा दिव्यांग है या किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित है, जिस कारण मतदान केंद्र पर जाने में असक्षम है तो ऐसे मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस गांव में महिलाओं का मतदान प्रतिशत काफी कम है। इस बार आगामी एक जून को मतदान के दिन अपने घरों से बाहर निकलकर निकटतम मतदान केंद्रों पर जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें, इस बार औसत बढ़ जाए। उन्होंने खासकर महिला मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया और कहा कि आपके मत से ही मजबूत सरकार का गठन होगा।

बूथों पर सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजामः एसपी मनीष कुमार ने अवगत कराया कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। इस अवसर पर सभी ग्रामीणों से निर्भीक एवं भय मुक्त होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को शपथ भी दिलाई तथा जागरूकता के लिए कैडल मार्च निकाला गया। इस मौके पर उप विकास आयुक्त डा महेंद्र पाल, भूमि सुधार उप समाहर्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, जिला स्तरीय पदाधिकारी, जीविका दीदिया, पंचायत प्रतिनिधि तथा गांव के गणमान्य उपस्थित रहे।

कचरे में लगायी आग, उठ रहा जहरीला धुआं, चुप्पी साधे हाकिम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद ने शहर की सफाई और कूड़े के निस्तारण की जिम्मेवारी एनजीओ को सौंपी है। इसके लिए नप हर माह करीब 45 लाख की राशि भुगतान करती है लेकिन एनजीओ के कर्मियों ने जहां-तहां कूड़े का डंपिंग कर लोगों के आवागमन की परेशानी बढ़ा दी है। इतना ही नही कूड़े के ढेर को आग के हवाले करने से उसमें से उठ रहे जहरीले धुएं के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ गयी। खेतों के पराली के धुएं से ज्यादा खतरनाक कूड़े से निकलते धुआं बनता जा रहा है। बावजूद नगर परिषद प्रशासन इस मामले में चुप्पी साधे है। नप क्षेत्र में पॉलीथिन पर प्रतिबंध है लेकिन यह सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गया है। हर जगहों पर धड़ल्ले से पॉलीथिन की बिक्री और उसका उपयोग जारी है। सब्जी मंडी से लेकर किराना दुकान हो या कपड़ो की दुकान सभी जगहों पर पॉलीथिन का खुलेआम उपयोग हो रहा है। लोगों के घरों से निकला कचरा में अधिक पॉलीथिन पायी जाती है, जो नगर परिषद के जरिये डंपिंग केंद्र तक पहुंचता है। हैरानी की बात है कि कचरे के निस्तारण के बजाय उसमे आग लगा दिया जाता है, जो हवा में घुलकर जहरीला बना रहा है। इस पर रोक लगाने और पॉलीथिन की बिक्री को रोकना तो दूर हाकिम चुप्पी साधे बैठे हैं। पर्यावरण प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए सरकार द्वारा लाखो रुपया खर्च किया जा रहा है तो दूसरी ओर नप ने डुमरांव रजवाहा नहर के किनारे बाइपास रोड में कचरे का डंपिंग जोन बना दिया है। शहर के गली-मोहल्ले से उठाये जाने वाले कूड़े-कचरे को एजेंसी के सफाई कर्मी ट्रैक्टर और टाली के जरिये दोनो जगहों पर फेंक कर चले जाते है। कुछ दिन बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग लगने से सप्ताह भर कचरे के ढेर से जहरीला धुआं निकलता रहता है जो स्वच्छ हवा को प्रदूषित करता है। जानकारों की माने तो खुले में पॉलीथिन जलाना काफी खतरनाक होता है जो सीधे तौर पर मानव शरीर को प्रभावित करता है। प्रदूषण की गंभीरता को नप प्रशासन नही समझेगा तो शहरवासी सीधे प्रभावित होंगे। नप द्वारा खुले में फेंके गये डंपिंग जोन से थोड़ी दूरी पर घना आबादी क्षेत्र है। जिससे सभी लोग परेशान हो रहे है।

सीबीएसई दसवी की परीक्षा में बिहार सेंट्रल स्कूल के छात्रों ने लहराया परचम, सभी छात्र हुये पास

केटी न्यूज/बक्सर

सीबीएसई दसवी की परीक्षा में बिहार सेंट्रल स्कूल बक्सर के परीक्षा में शामिल होने वाले सभी छात्र प्रथम श्रेणी से उतीर्ण हुए है। अधिकांश छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक मार्क्स लाया है। विद्यालय प्राचार्य डॉक्टर आर राघवन, डिप्टी डायरेक्टर उर्मिला सिंह, स्कूल सचिव सरोज सिंह ने बच्चों को मिठाइयां खिलायी। सरोज सिंह ने बच्चों को उनकी सफलता पर बधाइयां दी एवं उनके सुखद भविष्य की कामना की। मौके पर आरुही सिंह ने कहा कि बिहार सेंट्रल स्कूल में बच्चों के बीच अनुशासन व उचित मापदंड के लिए चर्चित है। इसके पीछे स्कूल की व्यवस्थित पठन-पाठन का माहौल व शिक्षकों का उचित मार्गदर्शन है, सभी मिलकर एक स्वस्थ वातावरण निर्माण करते हैं। उत्तीर्ण बच्चों में आयुष सिंह 97.2 प्रतिशत, अंजलि केसरी 95 प्रतिशत, ज्योति कुमारी 95 प्रतिशत, आरोही सिंह 96.6 प्रतिशत, कोयना 96.7 प्रतिशत, जाया सैनी 96 प्रतिशत अंशु प्रिया 94.5 प्रतिशत, खुशी सिंह 95.6 प्रतिशत, मोहिनी 96.5 प्रतिशत, मोनी गुप्ता 95 प्रतिशत, प्रियांशी 96.1 प्रतिशत, गौरव 94.5 प्रतिशत, प्रिंस 93 प्रतिशत, रिया 92 प्रतिशत, अभय 92.1 ऋषभ 91.2 अनिल 92 रोशन 91 आकांक्षा 92 राज लक्ष्मी 91.2 कृती 90.2, कृष्ण 90, अजय 90.2, कुसुम 90.6, कंचन 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है।

सुशील मोदी का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति : मिथिलेश तिवारी

केटी न्यूज/बक्सर

भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, पूर्व उपमुख्यमंत्री व पूर्व राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उक्त बातें बक्सर संसदीय क्षेत्र से एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने कही। वे पार्टी द्वारा बक्सर के वैष्णवी क्लार्क होटल में आयोजित शोकसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार में भाजपा को मजबूत बनाने तथा उसे सत्ता तक पहुंचाने वाले स्व. सुशील कुमार मोदी थे। उनके योगदानों को भुलाया नहीं जा सकता है। वही होटल वैष्णवी क्लार्क के मालिक सह भाजपा नेता प्रदीप राय ने कहा कि सुशील मोदी एक कुशल संगठनकर्ता, नेतृत्वकर्ता व बिहार को जंगलराज से मुक्ति दिलाने वाले थे। केन्द्रीय संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सुशील मोदी के निधन से पार्टी और संगठन बड़ा आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि उनके निधन से जो खालीपन आया है उसकी भारपाई निकट भविष्य में नहीं की जा सकती है। शोकसभा को राजेन्द्र सिंह, विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह, अनिल स्वामी , अखिलेश सिंह आदि ने संबोधित किया। शोकसभा में दो मिनट का मौन रख मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

नाथ बाबा मंदिर में आयोजित यज्ञ में पांचवे दिन भी हुए कई धार्मिक अनुष्ठान, भक्तिमय बन गया है माहौल

श्री रूद्र महायज्ञ, परिक्रमा व कथामृत का पान करने वालों की उमड़ रही भीड़

केटी न्यूज/बक्या

श्रीआदिनाथ अखाड़ा चरित्रवन बक्सर के तत्वावधान में आयोजित श्रीरूद्र महायज्ञ के पांचवे दिन मंगलवार को सुबह से ही कई धार्मिक अनुष्ठान हुए तथा यज्ञकुंड में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहूतियां दी गई। सुबह में श्रीनाथ महादेव का रुद्राभिषेक किया गया। वही सुबह से ही यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं का तांता लग गया था। दोपहर में भगवान श्रीनाथ बाबा की मूर्ति के समक्ष 251 कलशों से महा अभिषेक किया गया। यह अभिषेक गुरुदेव के परम शिष्य महामंडलेश्वर योगी शीलनाथ जी के नेतृत्व में दर्जनों साधु संतों ने किया। वही दिन में वैदिक विधान व मंत्रोच्चार से महायज्ञ के पांचवे दिन के विधानों को पूरा किया गया। महायज्ञ के आयोजन से आस पास के इलाके का माहौल भक्तिमय बन गया है। पूरे दिन महायज्ञ मंडप की परिक्रमा तथा दर्शन व पूजन करने वालों की भीड़ उमड़ रही हैं वही शाम सात बजे से वृंदावन से आए संत द्वारा संगीतमय शिव महापुराण की कथा सुनाई जाती है। पांचवे दिन की कथा के दौरान उन्होंने बताया कि भगवान शिव की उपासना कर मनोवांछित प्राप्त किया जा सकता है। महादेव सदैव लोकोपकारी एवं हितकारी है, त्रिदेव में इन्हें संहार का देवता भी माना गया है।

कल से स्कूलों में नये समय सारिणी से होगी पढ़ाई

बक्सर। वर्तमान में राज्य के सभी प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक व संस्कृत विद्यालयों में 15 अप्रैल से 15 मई तक गृष्मावकाश घोषित है। उक्त अवधि के पश्चात गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े इस आलोक में दिनांक 16 मई 2024 से सभी विद्यालयों को प्रातः कालीन चालित करने का शिक्षा विभाग ने निर्णय लिया है। इस संबंध में शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव ने उक्त आलोक में आदेश जारी किया है कि सभी विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुबह 6 बजे से 12 बजे मध्याह्न तक चलेगा। इस दौरान मध्याह्न भोजन अवकाश का समय 10 बजे से 10.30 तक रहेगा।

इतना ही नहीं आदेश में यह भी कहा गया है कि 12 बजे मध्याह्न के बाद शिक्षण कार्य समाप्त हो जाता है तो बच्चों की तो छुट्टी हो जाएगी, लेकिन शिक्षक स्कूल में रहकर बच्चों को मिशन दक्ष के तर्ज पर विशेष कक्षाओं का संचालन करेंगे। इतना नहीं आदेश में यह भी कहा गया है कि उपरोक्त के अलावे अन्य कार्यों जैसे गृह कार्य, कॉपियों की जांच, सप्ताहिक मूल्यांकन कॉपियों की जांच के साथ ही पाठ टीका का संधारण करेंगे। इस दौरान सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक इसके अतिरिक्त छात्रों का नामांकन एवं प्रशासनिक कार्य भी करेंगे।

नया भोजपुर एपीएचसी के स्टाफों ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/डुमरांव

लोकसभा चुनाव को लेकर सभी सरकारी विभाग के अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर लोगों जागरूक कर रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को नयाभोजपुर में एपीएचसी पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान डाक्टर, जीएनएम, आशा कार्यकताओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।सभी स्वास्थ्य कर्मी नयाभोजपुर गांव में जाकर घर-घर दस्तक देते हुए मतदाता जागरूकता अभियान चलाते हुए आमजन को 1 जून 2024 को मतदान के दिन अपना मत देने के लिए बूथों पर जाने की अपील की। इस दौरान जहां स्वास्थ्य कर्मी पुरूष मतदाताओं से वोट डालने की अपील कर रहे थे, वहीं आशा कार्यकर्ता घरों में प्रवेश कर महिलाओं को मतदान करने के महत्व को समझाते हुए मत देने के लिए उत्प्रेरित कर रही थी। उनके समझाने का तरीका ऐसा था कि महिलाएं काफी प्रभावित हो रही थी। उन्हें बताया जा रहा था कि उनके मत देने से सरकार बनती हैए एक.एक वोट का महत्व होता है। आप किसी के दबाव में नहीं आकर अपने मनपसंद उम्मीदवार को वोट दे सकती है।

एक नजर

ट्रैक्टर पलटने से चालक की दबकर मौत

राजपुर। राजपुर थाना क्षेत्र के हेठुआ बिजौली मार्ग पर ट्रैक्टर पलटने से चालक की दबकर मौत हो गई। घटना सोमवार की शाम की है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। बताया जाता है उक्त ट्रैक्टर चालक राजपुर क्षेत्र के मांगेापुर गांव निवासी अवधेश राम का पुत्र महेश राम है। मिली जानकारी के अनुसार महेश राम हेठुआ गांव के किसी किसान का ट्रैक्टर चला रहा था। जिससे मिट्टी ढुलाई का कार्य चल रहा था। इस दौरान वह खेत से मिट्टी लेकर किसी के दरवाजे पर जा रहा था। हेठुआ पोखरा के नजदीक पहुंचा उसी समय अचानक पीछे से आ रही एक गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए चालक ने इसे साइड दी, पतली सड़क होने से ट्राली असंतुलित हो गया। इंजन सहित पांच फीट नीचे गढ्ढे में फिसल गई। जहा चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई। इस कि सूचना ग्रामीणों को मिलते ही घटनास्थल पर भीड़ लग गई। मौजूदा भीड़ ने आनन-फानन में जेसीबी के सहारे ट्रैक्टर को हटाकर चालक को बाहर निकाला गया। इस ट्रैक्टर पर सवार एक अन्य युवक पूरी तरह से सुरक्षित था । इस घटना की सूचना परिजनों व पुलिस को दी गई। घटना की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। वही, पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के हवाले कर दिया।

बाइक सवार युवकों को पिकअप ने मारी टक्कर

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के एनएच 922 पर नवाडेरा गांव के समीप एक तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से एक बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। वही उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। आनन फानन में राहगीरों द्वारा उन्हें इलाज के लिए पुराना भोजपुर के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद जख्मी युवकों के परिजन उन्हें लेकर बेहतर इलाज के लिए अन्यत्र कही चले गए है। घटना मंगलवार की सुबह करीब दस बजे की बताई जा रही है। जख्मी युवकों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। वैसे बताया जा रहा है कि दोनों कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरक गांव के रहने वाले है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों जिला मुख्यालय की तरफ से अपने गांव लौट रहे थे, इसी दौरान एनएच 922 पर नवाडेरा मोड़ के पास विपरित दिशा से आ रही एक पिकअप ने उनकी बाइक में टक्कर मार दिया। इस टक्कर से बाइक पर सवार दोनों युवक उछल कर दूर जा गिरे। बताया जा रहा है कि इस दुर्घटना में एक युवक का हाथ जबकि दूसरे का पैर टूट गया है। सूत्रों का कहना है कि पिकअप पर दूध लदा था। हालांकि, इस संबंध में पीड़ितो द्वारा शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

नामांकन के अंतिम दिन बसपा प्रत्याशी सहित 11 प्रत्याशियों ने किया पर्चा दाखिल

बक्सर। बक्सर लोकसभा सीट के लिए नामांकन के अंतिम दिन मंगलवार को बसपा प्रत्याशी अनिल चौधरी सहित कुल 11 अभ्यर्थियों द्वारा नामांकन का पर्चा भरा गया। इस तरह बक्सर संसदीय सीट से कुल 26 अभ्यर्थी अबतक नामांकन कर चुके है। अंतिम दिन नामांकन को लेकर समाहरणालय स्थल पर गहमा-गहमी बनी रही। निर्धारित समय अवधि में प्रत्याशियों के आना-जाना लगा रहा। विगत 7 मई से इस लोकसभा सीट के नामांकन चल रहा था। जबकि, इसका अंतिम तिथि 14 मई मंगलवार तक था। जबकि 15 से नामांकन पर्चों की समीक्षा की जाएगी और 17 को नामांकन वापसी का समय निर्धारित है। जन सूचना से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी से अनिल कुमार, व रिजवान खान, रजिन्द्र गोंड, सुनील कुमार दुबे, अजय कुमार सिंह, हेमलता, भगवान सिंह यादव, ताफीर हुसैन, सूरज कुमार राम, आनन्द कुमार मिश्रा, अनिल कुमार सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया गया।

भाजपा कार्यकताओं ने शोक सभा आयोजित कर पूर्व डिप्टी सीएम को दी श्रद्धांजलि

केसठ। प्रखंड के पुराना बाजार में भाजपा के कार्यकताओं ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी के असामयिक निधन पर मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र प्रताप पांडेय ने व संचालन कमलेश प्रताप सिंह ने किया। कार्यकताओं ने स्वर्गीय मोदी के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धा सुमन अर्पित किया। वक्ताओं ने कहा कि वे कार्यकताओं के चहेते नेता थे। वे पार्टी के विकास एवं विस्तार समेत विभिन्न समस्याओं को दूर करने को लेकर हमेशा संघर्ष करते रहते थे। उन्होंने कहा कि उनके असामयिक निधन से पार्टी को अपूर्णनीय क्षति हुई है। जिसकी भरपाई करना मुश्किल है। अंत में भाजपा कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मौके पर चंद्रकांत तिवारी, कमलेश दुबे, सुमन तिवारी, सत्येंद्र पासवान, रजनीश दुबे, नंद जी यादव, रामेश्वर मिश्र, शिवजी सिंह, जमुना बारी, मंतोष तुरहा समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

गर्लफ्रेंड के घर में मृत मिला काम करने दफ्तर निकला युवा एसी मैकेनिक

केटी न्यूज/आरा

टाउन थाना क्षेत्र के रौजा मोहल्ले में सोमवार की रात काम करने निकले एक एसी मैकेनिक अपने गर्लफ्रेंड के घर मृत पाया गया। उसके गले पर यूं आकार का काले रंग का निशान मिला है। मृत मैकेनिक टाउन थाना क्षेत्र के काजी टोला मोहल्ला निवासी नौशाद का 22 वर्षीय पुत्र मो. शादाब था। वह ऑन कॉल एसी रिपेयर का काम करता था। रौजा मोहल्ले में उसका ऑफिस भी था। परिजनों की ओर से गर्लफ्रेंड और उसकी मां पर रस्सी से गला घोंट कर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। हालांकि पुलिस शुरूआती जांच में खुदकुशी की आशंका जता रही है।

मैकेनिक के भाई इरशाद के अनुसार कि शादाब एसी रिपेयरिंग का काम करता था। हिसाब-किताब करने के लिए उसने रौजा मोहल्ले में ऑफिस खोल रखा था। ऑफिस के बगल में एक घर में एक लड़की है। बगलगीर होने के कारण उसके भाई की उस लड़की से दोस्ती हो गयी और उसके घर आना-जाना भी था। दोनों के बीच अच्छे ताल्लुकात थे। तकरीबन डेढ़ साल से दोनों के बीच संबंध चल रहा था। रोज की तरह सोमवार की सुबह उसका भाई घर से काम करने के लिए निकला था। देर रात तक वह घर नहीं लौटा, तो उसे खोजने के लिए वे लोग रौजा मोहल्ला स्थित उसके ऑफिस गए। तब ऑफिस बंद पड़ा था। तभी आसपास के कुछ लोगों द्वारा बताया गया कि बगल के घर से मार-पीट जैसी आवाज आ रही थी। उस घरवालों द्वारा एक प्राइवेट डाक्टर को बुला कर किसी का इलाज भी कराया जा रहा है। वह घर उसके भाई की दोस्त का था। ऐसे में संदेह के आधार पर वे लोग उस घर में गए, तो देखा कि उसका भाई कमरे में पलंग पर मृत पड़ा है।

मो. इरशाद की ओर से भाई की प्रेमिका और उसकी मां पर गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष देवराज राय और अपर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। अफसरों द्वारा अपने स्तर से छानबीन की गयी। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस द्वारा मैकेनिक की गर्लफ्रेंड को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इधर, थानाध्यक्ष की मानें तो शुरूआती जांच में मामला खुदकुशी का लग रहा है। बकौल थानाध्यक्ष मैकेनिक गर्लफ्रेंड से मिलने उसके घर गया था। उस समय वह अपने किसी दोस्त से मिलने गयी थी। उस बात को लेकर दोनों में बहस हुई। उसके आहत मैकेनिक ने फांसी लगा ली। तब उसकी गर्लफ्रेंड द्वारा उसे बचाने की काफी कोशिश भी की गयी, लेकिन उसकी मौत हो गयी। थानाध्यक्ष का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगा। परिजनों के आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि मैकेनिक अपने पांच भाई और चार बहनों में सातवें स्थान पर था।

एक नजर

गया-पटना रेलखंड पर ट्रेन एवं कार में टक्कर, आधा घंटा तक ट्रेन परिचालन रहा बाधित

जहानाबाद। जहानाबाद गया पटना रेल खंड पर कडौना हॉल्ट के समीप मानव रहित क्रॉसिंग पर कार एवं ट्रेन में टक्कर के कारण आधे घंटे तक ट्रेन परिचालन बाधित रहा।

बताया जाता है की गया से ट्रेन नंबर 03270 पटना जा रही थी जैसे ही हाल्ट के समीप पहुंचे की एक कार रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही थी, जैसे ही कार रेलवे ट्रैक पर पहुंची कार अचानक बंद हो गई और उधर से ट्रेन पहुंच गई, जिसमें जोरदार टक्कर हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि इस कार पर चार व्यक्ति सवार थे। ग्रामीणों के सहयोग से सभी व्यक्ति को कार से बाहर निकाल लिया गया। ग्रामीणों के अनुसार सभी व्यक्ति घायल बताए जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है घायल व्यक्ति को इलाज के लिए निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है। इस घटना की सूचना रेलवे विभाग के अधिकारी को दिया गया मौके पर पहुंचकर रेलवे ट्रैक से कार को हटाया गया रेल परिचालन को शुरू किया गया। गया पटना लगातार दुर्घटना हो रही है लेकिन इसके बाद रेलवे पदाधिकारी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस बाबत रेलवे अधिकारी से पूछने पर कुछ भी बताने से इनकार कर रहे हैं। रेलवे विभाग द्वारा लगातार मानव रहित क्रॉसिंग को बंद किया जा रहा है। लेकिन इसके बाद भी लगातार पटना गया रेलखंड पर दुर्घटना हो रही है।

सुशील मोदी का निधन बिहार की राजनीति में एक अध्याय का अंत: डॉ. मनीष रंजन

बिक्रमगंज। बिहार की राजनीति में करीब पांच दशक से अलग-अलग भूमिका में रोल निभाने वाले सुशील कुमार मोदी के मौत पर भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री डॉ. मनीष रंजन ने शोक जताया। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे सुशील कुमार मोदी ने इलाज क्रम में सोमवार को दुनिया को अलविदा कह दिया। जिनका कैंसर रोग से दिल्ली के एम्स अस्पताल में मौत हो गई। इनके मौत पर गहरा शोक जताते हुए डॉ. मनीष रंजन ने बताया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री व पूर्व ई. सांसद सुशील कुमार मोदी के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह बिहार भाजपा के लिए अपूरणीय क्षति है। जिन्होंने अपने जीवनकाल में बीजेपी पार्टी को ऊंचे शिखर पर ले जाने में अपना अतुलनीय योगदान दिया। जिनकी भाजपा पार्टी में कमी हमेशा खलेगी।

चारों चरण के मतदान में विपक्ष का सूपड़ा साफ हो गया है, देश में एनडीए की लहर: डॉ प्रेम कुमार

सासाराम। सासाराम लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत समरडीहा कर्मडेहरी एवं कारगहर विधानसभा के प्रखंड शिवसागर के ग्राम मोजड़ी और बेरूकही में बिहार भाजपा के वरीय नेता सह बिहार सरकार के मंत्री डॉक्टर प्रेम कुमार ने कहा कि चारों चरणों के मतदान में विपक्ष का सूपड़ा साफ हो गया है। एनडीए के पक्ष में पूरे देश में लहर चल रही है। आप सबों का भी मतदान अंतिम चरण में 1 जून को होना है। अतः आप सासाराम लोकसभा के एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी शिवेश राम को कमल एवं काराकाट लोक सभा से एनडीए समर्थित राष्ट्रीय लोक मोर्चा उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा को गैस सिलेंडर छाप पर मतदान करें। इससे पहले डॉक्टर कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की लाभकारी 175 योजनाएं एवं देश के विकास और राज्य सरकार के द्वारा किए गए कार्यों पर जनता मतदान कर रही है। विपक्ष के पास गिनाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। उपरोक्त सभा को अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री सह पूर्व प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा भाजपा रणविजय रोशन,दक्षिण बिहार के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार चंद्रवंशी,रोहतास जिला के महासभा के जिला अध्यक्ष प्रकाश चंद्रवंशी,सुबोध चंद्रवंशी, बबलू चंद्रवंशी प्रेमचंद बंसी मेघनाथ चंद्रवंशी अर्जुन चंद्रवंशी अनिल चंद्रवंशी मनोज चंद्रवंशी गुप्तेश्वर चंद्रवंशी सहित हजारों चंद्रवंशी उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

काराकाट के तीनों प्रखंडों में खुलेगा एनडीए का ऑफिस

बिक्रमगंज। काराकाट विधानसभा के एनडीए कार्यकताओं की बैठक राष्ट्रीय लोक मोर्चा कार्यालय बिक्रमगंज में हुई। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रभारी अखिलेश्वर प्रसाद और संचालन भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री विजय सिंह ने की। बैठक में सर्वसम्मति से काराकाट विधानसभा के तीनों प्रखंडों में एनडीए का चुनाव कार्यालय खोलने का निर्णय लिया गया। जिसका उद्घाटन 19 मई को 11 बजे दिन में संझौली, 2 बजे दिन में बिक्रमगंज तथा 4 बजे दिन में काराकाट गोड़ारी में होगा । इस अवसर पर जनतांत्रिक गठबंधन के सभी कार्यकर्ता सादर आमंत्रित रहेंगे । भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ और बिहार के तीसरे उपमुख्यमंत्री बिहार के वित्त मंत्री रहे साथ ही साथ जेपी आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सुशील कुमार मोदी के निधन पर गठबंधन के तरफ से गहरी दुख संवेदना व्यक्त किया गया । उनकी आत्मा को शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखा गया ।

पूर्व उपमुख्यमंत्री के असामयिक निधन पर जताया शोक

बिक्रमगंज। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के असामयिक निधन से बिहार प्रदेश को अपूरणीय क्षति हुई है । अपने शोक संदेश में काराकाट विधानसभा के पूर्व विधायक राजेश्वर राज , डॉ नागेंद्र झा महिला महाविद्यालय बिक्रमगंज के संस्थापक सचिव सह भाजपा बिहार प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ बलिराम मिश्रा,डॉ नागेंद्र झा महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अमरेंद्र मिश्रा,भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष मदन प्रसाद वैश्य , लोजपा नेता दिनारा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अजीत राय एवं प्रदेश सचिव जगनारायण साह ,भाजपा लोक सभा संयोजक नवीन चंद शाह,सामाजिक कार्यकर्ता पिंटू सिंह उर्फ बी के सिंह,पूर्व भाजपा अध्यक्ष काराकाट गंगा सागर तिवारी ,समाज सेवी प्रो .सुरेश तिवारी ,सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी ने बिहार के विकास व भ्रष्टाचार मुक्त बिहार बनाने की लड़ाई लड़ते रहे हैं । सभी वक्ताओं ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला । साथ ही उनके मृत आत्मा की शांति के लिए नेताओं ने दो मिनट का मौन रख ईश्वर से प्रार्थना की।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव के समीप की सोमवार रात की वारदात

आरा सदर प्रखंड प्रमुख के बेटे को बदमाशों ने मारी छह गोली, फोरलेन पर मिला शव

- हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं, छानबीन में जुटी पुलिस
- पुलिस को घटनास्थल से चार खोखे, तो शव से मिले दो बुलेट
- एसपी के आश्वासन पर शांत हुआ आक्रोशित लोगों का गुस्सा

केटी न्यूज/आरा

आरा-बक्सर फोरलेन पर शहर से सटे मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव के समीप सोमवार की रात आरा सदर प्रखंड प्रमुख जयकुमारी देवी के बेटे को गोलियों से भून डाला गया। बाइक सवार ब्लॉक प्रमुख के बेटे को काफी नजदीक से छह गोलियां मारी गई हैं। चार गोली सिर और दो गोली सीने में मारी गयी है। उसमें घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटनास्थल से चार खोखे, ब्लॉक प्रमुख के बेटे की बाइक और एक मोबाइल बरामद किया गया। मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव निवासी रमई राम का 25 वर्षीय पुत्र अखिलेश कुमार था। उसकी मां जय कुमारी देवी महुली पंचायत की बीडीसी मेंबर और आरा सदर प्रखंड की प्रमुख हैं।

अखिलेश सोमवार की सुबह पंचायत के काम से आरा स्थित प्रखंड कार्यालय गया था। हालांकि हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। अपराधियों की पहचान भी नहीं हो सकी है। पुलिस रंजिश सहित हर एंगल से तफ्तीश कर रही है। इधर, देर रात प्रखंड प्रमुख के बेटे की हत्या की खबर से पूरे इलाके में सनसनी मच गई है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राजीव रंजन सिन्हा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और छानबीन की। उसके बाद पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बाद में एएसपी परिचय कुमार की ओर से भी तफ्तीश की गई। वहीं हत्या के बाद पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठे। प्रतिनिधियों की ओर से अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया गया। एसपी के आश्वासन पर मामला शांत हुआ। बहरहाल पुलिस मामले की छानबीन, अपराधियों की पहचान और धरपकड़ के जुटी है। उसके लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। इधर, एसपी नीरज कुमार सिंह की ओर से हत्याकांड का खुलासा करने और अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर एएसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है।

ब्लॉक जाने की बात कह सुबह में निकला था अखिलेश

इधर, प्रखंड प्रमुख जयकुमारी देवी के पति रमई राम ने बताया कि उनका पुत्र अखिलेश अपनी मां के साथ रहता था। वह अपनी मां के काम मदद करता था और उनको कार्यालय भी लेकर जाता था। सोमवार की सुबह भी वह ब्लॉक कार्यालय जाने के लिए घर से बाइक लेकर निकला था। शाम तीन बजे तक उसे ब्लॉक में देखा गया था। उसके बाद वह कहां गया, इसकी जानकारी किसी को नहीं थी। देर रात गांव का चौकीदार उनके घर पहुंचा और कहा कि आपके बेटे को गोली लग गई है। सूचना मिलने पर वे लोग घटनास्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि वह मृत अवस्था में पड़ा है। उसकी गोली मार कर हत्या कर दी गई है। रमई राम द्वारा गांव, पंचायत और प्रखंड कार्यालय में किसी से दुश्मनी या विवाद से इनकार किया है। फिलहाल उनके द्वारा किसी पर आरोप या संदेह भी नहीं जताया गया है। हालांकि पुलिस पुरानी रंजिश सहित कई अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है। इधर, हत्या की खबर मिलने पर लोजपा नेता राजेश्वर पासवान सहित अन्य नेता भी पहुंचे और घटना की कड़ी भर्त्सना की। प्रखंड प्रमुख जयकुमारी देवी और अन्य परिजनों से मिलकर सांत्वना भी दिया गया।

अपराधियों के लिए सेफ जोन बनता जा रहा आरा-बक्सर फोरलेन

आरा-बक्सर फोरलेन खासकर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रतनपुर से सारंगपुर के बीच का इलाका अपराध कर्मियों के लिए सेफ जोन बनता जा रहा है। सुनसान इलाका होने के कारण अपराधी हत्या जैसी घटना को अंजाम देने के बाद आराम से निकल जा रहे हैं। शाम ढलते ही अपराधी फोरलेन पर सक्रिय हो जा रहे हैं। पिछले डेढ़ माह में सारंगपुर के आसपास दो लोगों को भून दिया गया है। बता दें कि पिछले 31 मार्च की शाम सारंगपुर चिमनी भट्ठा के समीप एक फाइनेंस कर्मी की हत्या कर दी गई थी। उसके करीब डेढ़ माह बाद सारंगपुर और रतनपुर के बीच प्रखंड प्रमुख के बेटे की हत्या कर दी गई।

पुलिस की छानबीन में सामने आयी हत्या की बात

मुफस्सिल थाने की पुलिस को रात करीब 12 बजे आरा-बक्सर फोरलेन पर रतनपुर पुल के समीप सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली। उस आधार पर पुलिस टीम तत्काल रतनपुर पुल के पास पहुंची,तो वहां एक युवक का शव मिली। थानाध्यक्ष के निर्देश पर पुलिस कर्मियों द्वारा छानबीन शुरू की गयी, तो बगल से चार खोखे बरामद किए गए। उसके बाद पुलिस द्वारा शव की पड़ताल की गयी, तो गोली लगने की बात सामने आयी। उसी दौरान मृतक की पहचान सैदपुर गांव निवासी और प्रखंड प्रमुख के बेटे अखिलेश के रूप में की गयी। थानाध्यक्ष राजीव रंजन सिन्हा के अनुसार सड़क हादसे में मौत की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। छानबीन के दौरान घटनास्थल से चार खोखा बरामद किया गया। उस पर संदेह हुआ और शव की पड़ताल की गयी, हत्या की बात सामने आयी। हालांकि यह पता नहीं चल पाया है कि हत्या किसने और क्यों की?

एसपी के आश्वासन के बाद कराया गया शव का अंतिम संस्कार: प्रखंड प्रमुख के बेटे अखिलेश कुमार के हत्या से पंचायत प्रतिनिधि भड़क उठे। प्रतिनिधियों द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। प्रतिनिधियों की ओर से एसपी को बुलाने की मांग की जा रही थी। तब एसपी नीरज कुमार सिंह प्रखंड प्रमुख के घर पहुंचे और ठोस कार्रवाई का आश्वासन दिया। उसके बाद ही शव का अंतिम संस्कार कराया गया। भाकपा-माले नेता क्यामुद्दीन ने बताया कि प्रतिनिधियों ने हत्या कड़ी निंदा की। अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करने और स्पीडी ट्रायल के तहत सजा दिलाने की मांग की गयी। मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग भी की गयी।

हत्या, लूट व अन्य कांडों में वांछित तीन धराए

केटी न्यूज/आरा

अपराधियों की धरपकड़ में बड़हरा थाने की पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सदर एसडीपीओ टू के नेतृत्व में पुलिस ने सोमवार की शाम दोहरे हत्याकांड और लूट के कांडों में वांछित तीन कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो देसी कट्टा, एक रिवाल्वर, नौ गोली और दो किलो गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में बड़हरा थाना क्षेत्र के चातर गांव निवासी श्रीराम बिंद उर्फ सियाराम बिंद उर्फ रामचंद्र बिंद उर्फ चोली, उसी थाना क्षेत्र के धुसरियां गांव निवासी रितेश यादव और श्रीपालपुर गांव निवासी संटू कुमार शामिल हैं। तीनों को बड़हरा थाना क्षेत्र के नेकनाम टोला दियारे क्षेत्र से आपराधिक वारदात की साजिश करते गिरफ्तार किया गया है। तीनों का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। इन पर पूर्व से भी कई कांड भी दर्ज हैं। श्रीराम बिंद पुलिस पर फायरिंग करने में जेल भी गया है। सदर एसडीपीओ टू रंजीत कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि सोमवार की शाम सूचना मिली कि कमालुचक बालू घाट दोहरे हत्याकांड और लूटपाट की अन्य घटनाओं में वांछित कुछ अपराध कर्मी हथियार के साथ नेकनाम टोला दियारे में जुटे हैं। अपराधी कर्मी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। उस आधार पर अपराध कर्मियों की गिरफ्तार और हथियार बरामदगी को लेकर उनके नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए नेकनाम टोला दियारे में पहुंची, तो पुलिस को देख अपराधी भागने लगे। हालांकि टीम द्वारा खदेड़ कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो देसी कट्टा, एक रिवाल्वर, नौ गोली व दो किलो गांजा बरामद किया गया।? पूछताछ में तीनों ने हाल के दिनों में लूट और हत्या के प्रयास की कई घटनाओं में शामिल होने की बात स्वीकार की है। ऐसे में तीनों से पूछताछ कर कमालुचक दोहरे हत्या कांड सहित अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी ली जा रही। साथ ही उनके अन्य साथियों के बारे में भी पूछताछ की गयी। हथियार और गांजे की बरामदगी को लेकर तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। टीम में बड़हरा थानाध्यक्ष संजय कुमार, प्रपुअनि साजन कुमार, गोविंदा कुमार, एएसआई मिथिलेश कुमार व डीआईयू के अफसर एवं जवान शामिल थे।

11 लाख 78 हजार की लागत से बनाया गया गोडारी वार्ड 11 सामुदायिक भवन का हाल-बेहाल

जर्जर हुए सामुदायिक भवन पर ग्रामीणों ने किया कब्जा

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट नगर पंचायत गोडारी वार्ड 11 सामुदायिक विकास भवन देखरेख के अभाव में जर्जर हो गया है। 11 लाख 78 हजार 468 रुपए की लागत से बनाया गया सामुदायिक भवन अब खंडहर में तब्दील हो रहा है। इस सामुदायिक भवन का जन सुविधा के लिए प्रयोग किया जाना था। लेकिन देखरेख नहीं होने से इस्तेमाल लायक भी नहीं बचा है। आमजन व समाज के लोगों की सुविधा के लिए लाखों रुपए की लागत से सामुदायिक भवनों का निर्माण कराया गया था। ताकि इन भवनों का इस्तेमाल लोग सार्वजनिक व धार्मिक कार्यों के लिए कर सकें। वहीं इस सामुदायिक भवन पर आस-पास के ग्रामीणों ने अवैध कब्जा भी जमा लिया है। जहां लोग कब्जा जमाकर उसमें मिटी की बर्तन, जलावन, भूसा समेत अन्य सामग्री रखे है। लेकिन पंचायत प्रतिनिधि चुप्पी साधे बैठे हैं। हालांकि इसे अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए कई बार कहा जा चुका है। बावजूद भवन को अतिक्रमणकारियों द्वारा खाली नही किया गया है। हालत यह है कि भवन में बैठना तो दूर, खड़ा होना भी मुश्किल है। गोडारी पंचायत के पूर्व मुखिया गोपेश प्रसाद का कहना है कि इसका रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जाता है। जिस कारण लोगों ने भवन पर कब्जा जमा लिया है। उन्होंने बताया कि इसी भवन के एक कमरे में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित होता है।

गौरतलब हो कि पंडित श्याम नारायण मिश्र सामुदायिक विकास भवन 17 वर्ष पूर्व लाखों की लागत से लोगों के जन सुविधा को लेकर निर्माण किया गया था। जिसके बाद कुछ दिनों तक लोगों को इसका लाभ भी मिला। लेकिन विभागीय उदासीनता और नगर पंचायत प्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण इसकी हालात जर्जर होती गई। हालांकि बहुत बार इसके जीर्णोद्धार की बात भी उठी। जिसके बाद भी विभाग की ओर से जीर्णोद्धार के लिए कार्य नही किया गया। वही रखरखाव के अभाव में भवन कि जर्जर हालत में कोई सुधार नहीं हो पाया। इस बाबत काराकाट, गोडारी नगर पंचायत के प्रभारी ईओ रमन कुमार का मोबाइल नंबर 9868797517 तथा नगर पंचायत के स्वक्षता अधिकारी पंकज कुमार का 8210920001 पर जानकारी के लिए कॉल किया गया, लेकिन दोनों अधिकारियों ने कॉल नहीं उठाया। पूर्व मुखिया ने बताया कि संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को अतिक्रमण खाली कराने के लिए कई बार बोला गया। इसके बाद भी भवन पर कब्जा नहीं हट पाया है।

सिर पर कफन बांध और हथकड़ी लगाकर प्रत्याशी पहुंचे नामांकन करने

केटी न्यूज/बलिया

चुनावी मौसम में अक्सर प्रत्याशियों के अनोखे अंदाज देखने को मिल जाते हैं, ऐसा ही कुछ बलिया जिले के नामांकन स्थल में भी देखने को मिला। यहां पर 72 लोकसभा बलिया का प्रत्याशी कफन पहनकर हाथों में कटोरा और हथकड़ी में दिखाई दिया। कुछ समय के लिए तो हर किसी की आंखें थमी की थमी रह गईं।

72 लोकसभा बलिया के प्रत्याशी राधेश्याम यादव वर्षों से शिक्षा को लेकर अपने अजीबोगरीब कार्यों से चर्चा में बने रहते हैं। हमेशा से उनकी मांग रहती है कि सांसद,विधायक और अधिकारियों के बच्चों को जैसी शिक्षा मिल रही है, वैसी ही शिक्षा हर गरीब के बच्चों को भी मिलनी चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि वह एक समान शिक्षा के लिए पूरे प्रदेश में काम करना चाहते हैं। इसलिए वह आज जिलाधिकारी कार्यालय पर नामांकन करने के लिए कफन पहनकर आए हैं।

खुद को मानता है मृतक

उन्होंने बताया कि वह इसलिए कफन पहन कर आए हैं। क्योंकि, सांसद और विधायक के बच्चों जैसी शिक्षा अपने बच्चों को नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए, वह अपने आप को मरा हुआ समझता हैं। मीडिया के सवाल पर प्रत्याशी राधेश्याम यादव ने कहा कि आप खुद बताइए अगर आपके चार बच्चे हैं तो आप पत्रकारिता के बल पर उनके लिए क्या कर सकते हैं। यह शिक्षा के लिए जंग मेरी हर समय जारी रहेगी, जब तक शिक्षा एक समान नहीं हो जाती।

शिक्षा एक समान हो

उनका केवल एक ही मुद्दा है कि देश में शिक्षा एक समान होनी चाहिए। जिस तरह सांसद, विधायक अपने बच्चों को पढ़ाते हैं ठीक उसी तरह की शिक्षा वोट देने वालों के बच्चों को भी मिलनी चाहिए। कफन, हाथों में कटोरा और हथकड़ी पहनकर आने का मकसद बताते हुए कहा कि आजाद भारत का गुलाम हिंदुस्तान है इस देश में सांसद, विधायक, कलेक्टर और एसपी की अलग एक कैटेगरी है। गुलाम इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि पहले अंग्रेज शोषण करते थे अब नेता शोषण करते हैं।

खबरें फटाफट

पाक्सो एक्ट के आरोपी को मिली 6 वर्ष के कारावास की सजा

बलिया। पॉक्सो एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने मंगलवार की दोपहर आरोपी को 6 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। आरोपी का नाम आफताब अंसारी निवासी बिहरा हरपुर थाना नगरा का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2022 में नगरा थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन करने के उपरांत विशेष न्यायाधीश की अदालत ने आरोपी को 6 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथी 10 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।

पत्नी से बोला हत्यारा एक को मारकर आया हूं, तुझे भी जमीन में खोदकर गाड़ दूंगा

जौनपुर। थाना सरपतहां क्षेत्र के गांव हरबसपुर में सोमवार की रात उस समय हड़कंप मच गया।जब एक सिरफिरे युवक ने घर से बाहर कुछ दूरी पर सो रहे एक बृद्ध की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी।घटना की जानकारी आरोपी के बेटे ने खुद मृतक के परिजनों को दिया।बृद्ध की मौत की खबर सुनते ही मृतक के परिवार में चींख पुकार मच गया।हत्या का कारण जमीनी विवाद बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक थाना सरायख्वाजा क्षेत्र के गांव हरबसपुर में सोमवार की रात लाल जी यादव(65) अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित पाही पर सो रहे थे।रात लगभग 12 बजे पड़ोस के ही शराब ले नशे के धुत धर्मेंद्र निषाद ने जमीनी रंजिश के चलते कुल्हाड़ी व धारदार हथियार से गर्दन व सिर पर हमलाकर मौत के घाट उतार दिया।इसके बाद धर्मेंद्र निषाद अपने घर पहुंचा और पत्नी के ऊपर चिल्लाते हुए बोला एक को मारकर आया हूं तुझे भी जमीन में गाड़ दूंगा।उसकी बात सुनकर आरोपी युवक का बेटा बृद्ध की मौत की सूचना इसके परिजनों को दिया। थाना प्रभारी राजेश मिश्रा ने बताया कि युवक शराब ले नशे के धुत था।नशे में उसने ऐसा कदम उठाया है।आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।इस मामले में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आगे की कार्यवाही प्रचलित है।

वाराणसी के भैंसासुर घाट पर हुई घटना, एक को बचाने में तीनों डूबे

गंगा नदी में नहाने गए 3 युवकों की डूबने से मौत, मचा कोहराम

- पं दीनदयाल नगर के वार्ड नम्बर दो शाहकुटी हनुमानपुर हरिजन बस्ती के रहनेवाले थे तीनों

केटी न्यूज/चंदौली

गंगा में नहाने गये पंडित दीनदयाल नगर के वार्ड नम्बर दो शाहकुटी हनुमानपुर हरिजन बस्ती निवासी तीन युवकों की वाराणसी के भैंसासुर घाट पर डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों सहित पूरे मोहल्ले में मातम पसरा गया है। मृतकों के दरवाजे पहुंच कर सांत्वना देने वालों का तांता लगा हुआ है।

सोमवार की रात हनुमानपुर हरिजन बस्ती निवासी पांच दोस्त चिट्टू पुत्र शम्भू 26 वर्ष, रितेश कुमार पुत्र राजेन्द्र, साहिल 22 वर्ष पुत्र छोटे, सनी 17 वर्ष पुत्र राजू और लकी 16 वर्ष पुत्र राजू साथ गंगा में नहाने के लिये भैंसासुर घाट वाराणसी गये थे। काफी देर तक ये लोग बातचीत करते रहे लगभग आठ बजे के करीब ये सभी नहाने के लिये गंगा में गये। नहाते नहाते उपरोक्त में से एक युवक साहिल गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसने बचाने के लिये पानी से हाथ बाहर निकालकर इशारा किया तो उसे बचाने गए सनी और लकी दोनों गहरे पानी में डूबते चले गए। शोर होने पर आसपास के लोगों ने बहुत कोशिश की लेकिन नहीं बचा सके। सूचना पर पहुंचे आसपास के नाविकों ने भी काफी प्रयास किया लेकिन विफल हो गया। शव को निकालने का भी प्रयास किया गया लेकिन रात्रि में शव नहीं मिल सका। मंगलवार प्रातः गोताखोरों ने काफी प्रयास के बाद शव को बाहर निकाला।अपने तीनों मित्रों के डूबने की घटना को देख कर उसके साथ गया चिट्टू सभी का मोबाइल लेकर डर के मारे वहाँ से भाग गया और इसकी सूचना तक परिजनों को नहीं दी। वहीं रितेश वहीं रह गया और उसने लोगों से मदद की गुहार भी लगाई तथा पूरी रात घटनास्थल पर मौजूद रहा। मंगलवार प्रातः जब वह अपने घर हानुमानपुर पहुंचा तो मृतक के परिजनों ने आक्रोश में उसकी पिटाई भी कर दी जिसके बाद वह अपने घर में जाकर छुप गया। एक साथ तीन मौत की इस घटना के बाद मृतक के परिजनों सहित मुहल्ले व आसपास के क्षेत्रों में कोहराम मचा हुआ है। महिलाएं दहाड़ें मार कर रो रही हैं। रोते बिलखते परिजन को सांत्वना देने वालों का तांता लगा हुआ है। नगरपालिका परिषद चेयरमैन सोनू किन्नर ने भी मृतक के परिजनों के घर पहुंचकर सांत्वना दी।

बिरहा गायिका ने फंदे पर झूल कर की इहलीला समाप्त

चंदौली। अलीनगर थानाक्षेत्र अंतर्गत लोको कॉलोनी में निष्प्रयोज्य हो चुके क्वार्टर नम्बर 411 एल में विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से रह रही एक बिरहा गायिका 30 वर्षीया नीतू यादव पत्नी संजय यादव ने मंगलवार को कमरे के छत में लगे छड़ से रस्सी के सहारे फंदे पर झूल कर इहलीला समाप्त कर ली। इसकी जानकारी होते ही आसपास कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामे के उपरांत पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। जानकारी के अनुसार धानापुर निवासी बिरहा गायक की पत्नी 30 वर्षीया नीतू यादव लोको कॉलोनी स्थित निष्प्रयोज्य हो चुके एक रेलवे क्वार्टर नम्बर 411 एलमें आईओडब्ल्यू की सहमति से अकेले रहकर बिरहा गाने का कार्य करती थी। सूत्र बताते हैं कि पति पत्नी के बीच अनबन चल रहा था। मंगलवार अपराह्न दो बजे के करीब क्वार्टर के कमरे में छत से लगे छड़ में रस्सी के फंदे से झूलकर नीतू ने अपनी जान दे दी। इसकी जानकारी होने पर आसपास के लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मय पुलिस बल पहुंचे अलीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक शेषधर पांडेय ने शव को उतरवाकर कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। वहीं पंचनामे के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

सामान के लेन-देन में हुए विवाद में युवक की पीट-पीट कर हत्या

केटी न्यूज / गाजीपुर

गाजीपुर में सामान के लेनदेन में एक युवक की पीट कर हत्या कर दी गई। मारपीट के बाद परिजन अस्पताल लेकर भागे जहां डॉक्टर ने युवक को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के मोती बाजार के पास परमेठ गांव का है। मृतक की पहचान राजकिशोर बिंद (30) के रूप में हुई है। परिजन ने बताया कि विवाद गांव के युवक से सामान लेनदेन को लेकर हुआ। घटना में मृतक के पिता अंतू बिंद भी घायल हुए हैं। फिलहाल पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि दो पक्षों में शराब पीकर मारपीट की सूचना मिली थी। तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। पत चला कि दोनों पक्ष एक ही गांव के रहने वाले हैं। मृतक दुकान चलाता था और सामान के लेनदेन को लेकर पहले भी इन लोगों में झड़प हो चुकी थी। सभी आरोपी एक ही परिवार के हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। मारपीट में पिता पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गये थे, जिसमें से बेटे राजकिशोर बिन्द की इलाज के दौरान मौत हो गई। तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

एक नजर

बलात्कार के आरोपी चढ़स पुलिस के हत्थे

बलिया। शहर कोतवाली पुलिस ने मंगलवार की दोपहर बलात्कार के आरोपी को महुआ मोड़ से गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम आशीष कुमार सिंह निवासी मनियर पूरब टोला थाना मनियर का रहने वाला है। बीते दिनों शहर कोतवाली में आरोपी आशीष कुमार सिंह के खिलाफ बलात्कार के आरोप में मुकदमा कायम किया गया था। जिसके बाद से आरोपी आशीष कुमार सिंह फरार चल रहा था, मंगलवार की दोपहर मुखबिर की सूचना पर शहर कोतवाली पुलिस ने महुआ मोड़ से आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके बाद पुलिस ने संबंधित धाराओं में न्यायालय भेज दिया।

रंगदारी मांगने का आरोपी गिरफ्तार

बलिया। फेफना थाने की पुलिस ने मंगलवार की दोपहर डुमरी पुलिया के पास से चाकू दिखाकर रंगदारी मांगने के आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से चाकू भी बरामद किया गया। आरोपी का नाम श्रवण कुमार तिवारी निवासी मटीही है। आपकी जानकारी के लिए बता दे कि मटीही निवासी विश्राम प्रसाद सोनी ने फेफना थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि श्रवण कुमार तिवारी चाकू के दम पर उनसे 10 हजार रुपए रंगदारी मांगा था। मुकदमा दर्ज करने के बाद फेफना थाने की पुलिस ने मंगलवार की दोपहर मुखबिर की सूचना पर डुमरी पुलिया के पास से आरोपी श्रवण कुमार तिवारी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद संबंधित धाराओं में न्यायालय भेज दिया।

विद्यालय में विजेताओं का हुआ सम्मान

मऊ। थर्ड डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2024 के विजेताओं को प्राथमिक विद्यालय कइयाँ पर खंड शिक्षा अधिकारी रतनपुरा अरविंद

कुमार द्वारा सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी रतनपुरा ने बच्चों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि सशक्त बेटियां ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती हैं। योगासन से स्वावलंबन, स्वाभिमान और आत्मविश्वास का भाव छात्रों में पनपता है। बच्चों को परिश्रम से आगामी प्रतियोगिताओं में भी अच्छा परिणाम प्राप्त करने की शुभकामना देता हूँ। खंड शिक्षा अधिकारी के साथ सपोर्टिव सुपरविजन टीम राकेश कनौजिया, संजीव सिंह, उत्तमचंद, ललित कुमार तिवारी, विवेक कुमार सिंह ने बच्चियों को सम्मानित किया व शैक्षिक गुणवत्ता का निरीक्षण कर विद्यालय परिवार को आवश्यक सुझाव दिया। विद्यालय की छात्रा सोनम, अनुष्का, लक्ष्मी व पुर्व छात्रा काजल ने कुछ कुल पांच स्वर्ण व एक कांस्य पदक प्राप्त कर जनपद में पदकों के मामले में अव्वल रहीं। बच्चियों ने रिद्मिक पेयर, आर्टिस्टिक पेयर, ट्रेडिशनल योगा के सब जूनियर वर्ग में कुल 6 पदक प्राप्त किया। विद्यालय के योगा कोचअंजनी कुमार सिंह और जयप्रकाश सिंह को जिला योगासन सपोर्ट के अध्यक्ष मृत्युंजय द्विवेदी, सचिव राजन वैदिक, अतिथिगण डॉ एस सी तिवारी, डॉ सर्वेश पाण्डेय, शैलेंद्र मिश्रा ,संगीता द्विवेदी, बृजमोहन पाण्डेय द्वारा सम्मानित किया गया। प्राथमिक विद्यालय कइयाँ के अध्यापकों व बच्चों द्वारा आगत अतिथियों का स्वागत किया गया । प्रमुख रूप से राजेश कुमार, अंजली वर्मा, नंदिनी, मीना, सरिता, संगीता आदि उपस्थित रहीं।

सामान्य प्रेक्षक ने कंट्रोल रूम एवं एमसीएमसी के कार्यों का किया निरीक्षण

मऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत जनपद के लोकसभा क्षेत्र घोसी हेतु नियुक्त सामान्य प्रेक्षक अनिल कुमार सिंह द्वारा आज कलेक्ट्रेट परिसर के भूतल सभागार में स्थित कंट्रोल रूम एवं एमसीएमसी के कार्यों का निरीक्षण किया गया। कंट्रोल रूम के निरीक्षण के दौरान सामान्य प्रेक्षक ने अब तक प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए सी विजिल एप पर प्राप्त शिकायतों सहित अन्य माध्यमों से भी प्राप्त समस्त शिकायतों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कंट्रोल रूम से संबंधित समस्त अभिलेखों का भी गहन परीक्षण किया। एमसीएमसी के कार्यों के निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक महोदय ने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन, हेट स्पीच एवं पेड न्यूज संबंधित कार्यों की जानकारी ली साथ ही अब तक के कार्यों के अभिलेखों की जांच भी की। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों, राजनीतिक विज्ञापनों एवं पेड न्यूज पर सटीक नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी तरह का प्रकरण संज्ञान में आने पर तत्काल कार्यवाही करने को कहा। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्यप्रिय सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार उपाध्याय सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सलेमपुर और बलिया के लिए 15 प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन-पत्र

बलिया। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु लोकतंत्र के महापर्व में 71-सलेमपुर और 72-बलिया संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन पत्र लेने और दाखिल करने का कार्य शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हुआ। आज आठवें दिन बलिया लोकसभा क्षेत्र से 09 और सलेमपुर से 06 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बलिया लोकसभा क्षेत्र के लिए आजाद समाज पार्टी से सूर्यबली प्रसाद, नेशनलिस्ट जनशक्ति पार्टी से प्रीतमदेव राजभर, स्वतंत्र दल से मणिंद्र,प्रकाश कुमार, सुमेश्वर, रंजना, चंद्रभान, शेषनाथ एवं नवीन कुमार राय निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में रिटर्निंग ऑफिसर रवींद्र

कुमार और सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए जनता क्रांति पार्टी से जय बहादुर चौहान, बहुजन मुक्ति पार्टी से श्रीकृष्ण, सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी से सूर्य प्रकाश, समझदार पार्टी से अवधेश सिंह, जनता समता पार्टी से कालिका तिवारी एवं सुनील कुमार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में रिटर्निंग ऑफिसर ओजस्वी राज के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।नाम निर्देशनों की जांच 15 मई तक पूर्ण की जाएगी। प्रत्याशी अपने नाम की वापसी 17 मई को कर सकते हैं।

जनसंवाद में सपा प्रत्याशी ने भाजपा प्रत्याशी पर बोला जमकर हमला

17 साल सांसद रहकर कौन सा विकास कर दिए हैं: सनातन पांडेय

केटी न्यूज/बलिया

72 लोकसभा क्षेत्र से इण्डिया गठबंधन के उम्मीदवार सनातन पाण्डेय आज बलिया विधानसभा क्षेत्र के टकरसन, शंकरपुर,घाघरौली, बभानौली, बासडीह रोड सहित दर्जनों गांवों के जनसंपर्क एवं जनसंबाद किया। इस दौरान सनातन पाण्डेय ने जनसंवाद में कहा कि हम पहलीबार भृगु बाबा की जय बोलने वाले लोग नही हैं। हम तो जब से बोलना सीखे हैं तभी से भृगु बाबा की जय बोलते हैं क्योंकि हम बलिया की मिट्टी में पले बढ़े हैं। बलिया की मिट्टी की खुशबू मेरे जेहन में हैं। दिल्ली के पंचसीतरा संस्कृति के लोग ही 55 वर्ष की उम्र में भृगुबाबा का नाम पहली बार लेंगे। सनातन पांडेय ने कहा कि अपने 17 वर्षो के कार्यकाल का हिसाब जनता को न देकर इधर उधर की बात सत्ता पक्ष के उम्मीदवार द्वारा करना हास्यास्पद हैं। उन्हें यह बताना चाहिए कि इन 17 वर्षो में एक सांसद के रूप में मिला विकास का पैसा कहां खर्च किया। कौन सा विकास कार्य किया।

अगर इन सवालों का जवाब नही देते तो नैतिकता के अधार पर उन्हें वोट भी नही मांगना चाहिए। मेरा चुनाव लोकसभा क्षेत्र की सम्मानित जनता लड़ रहीं हैं हम जनता के इस विश्वास को अपने हृदय में स्थान दूंगा। पूर्व मंत्री नारद राय ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि बलिया विधानसभा क्षेत्र से इस बार सनातन पाण्डेय जी भारी अंतर से चुनाव जीतेंगे। इस विधान सभा क्षेत्र के इण्डिया गठबन्धन के सभी साथी अपने आप को सनातन पाण्डेय समझ कर अखिलेश यादव को उपहार स्वरूप बलिया लोकसभा क्षेत्र जिताकर देंगे। इस दौरान पूर्वांचल छात्रसंघ संघर्ष समिति के अध्यक्ष नागेंद्र बहादुर सिंह झुन्नू समर्थन का घोषणा किया और कहा कि छात्रसंघ में ताला लगाने वाले लोगो को बलिया कभी बर्दास्त नही करेगा यहां का हर युवा और छात्र सनातन हैं समाजवादी हैं। पूर्व विधायक श्रीमती मंजू सिंह, संजय उपाध्याय,सचिता नन्द तिवारी,सुशील कुमार पाण्डेय कान्हजी लक्ष्मण गुप्त, रामजी गुप्ता, रजनीश यादव, राजन कनौजिया, जमाल आलम, मिंटू खा, रामकवल बिंद,अशुतोष ओझा, झुनझुन सिंह, टुनटुन सिंह, शशिकांत चतुर्वेदी,श्रीप्रकाश मुन्ना जी,शैलेष यादव,भीम चौधरी, अजय यादव, विकेश सिंह सोनू, रामजी यादव, टुनटुन सिंह,छीतेश्वर यादव राजू यादव प्रधान आदि लोग उपस्थित रहें।

चंदौली: अंतिम दिन तक 27 लोगों ने भरा पर्चा

चंदौली। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट में संसदीय सीट पर सातवें व अंतिम चरण के लिए चल रही नामांकन प्रक्रिया मंगलवार को शांति पूर्ण तरीके से संपन्न हो गई। नामांकन के अंतिम दिन छह उम्मीदवारों ने जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं नामांकन को लेकर कलेक्ट्रेट के आस पास कड़े सुरक्षा की व्यवस्था की गई।

लोकसभा चुनाव में जहां 43 ने नामांकन पत्र लिया था, लेकिन अंतिम दिन तक मात्र 27 उम्मीदवारों ने नामांकन किया है। वहीं 16 लोगों ने नामांकन पत्र लेने के बाद भी नामांकन नहीं किया। ऐसे लोगों को अब पांच वर्ष तक इंतजार करना पड़ेगा। वहीं बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी।इसके बाद ही पता चलेगा कि कितने लोग लोकतंत्र के महापर्व में शामिल हो पाते हैं और कितने के नामांकन वैध होते हैं। मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट के नामांकन कक्ष में निर्वाचन अधिकारी के समक्ष मंगलवार को छह प्रत्याशियों ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की।

पांच दिनों में भाजपा उम्मीदवार डा महेंद्रनाथ पांडेय, आइएनडीआइए गठबंधन की ओर से सपा प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह, बसपा के सत्येंद्र मौर्य सहित 21 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन किया है। नामांकन के अंतिम दिन अब तक कुल 27 लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। यहीं नहीं मंगलवार को भी बसपा प्रत्याशी सत्येंद्र कुमार मौर्य ने जिलाध्यक्ष घनश्याम प्रधान व तिलकधारी बिंद के साथ पहुंचकर दो सेट में नामांकन किया। वहीं नामांकन को सकुशल संपन्न कराने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर सहित दो सौ मीटर की दूरी तक पुलिस की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

कलेक्ट्रेट में सुबह 11 बजे से आरंभ हुई नामांकन प्रक्रिया देर शाम तक चली। नामांकन के अंतिम दिन निर्दल से धर्मेंद्र कुमार सिंह, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, मदन, रजनीश कुमार, सिद्धार्थ प्राण बाहु व बहुजन मुक्ति पार्टी के संतोष कुमार ने जिला निर्वाचन अधिकारी को अपना नामांकन पत्र सौंपा।

लोकसभा चंदौली संसदीय क्षेत्र 76 के लिए नामांकन पत्र लिया था,लेकिन अंतिम दिन तक मात्र 27 लोगों ने नामांकन दाखिल किया है और शेष बचे लोगों को अब पांच वर्ष तक इंतजार करना पड़ेगा।

काशी में पीएम मोदी के स्वागत व अभिनंदन को आतुर दिखा जनमानसः योगी

- बिना रुके, बिना झुके और बिना थके दस वर्ष तक लगातार पीएम मोदी ने किया है कार्यः सीएम

केटी न्यूज/वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी का हर जनमानस अपने सांसद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत-अभिनंदन के लिए आतुर दिखा। देश के कोटि-कोटि और लोकतंत्र के प्रति आग्रही, मानवता के कल्याण के प्रति सजग दुनिया के हर नागरिक की निगाह रोड शो व नामांकन कार्यक्रम पर रही। प्रधानमंत्री के नामांकन और सोमवार को उनके आगमन पर काशीवासियों का उमंग, स्नेह देखकर देश-दुनिया अभिभूत है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी ने दस वर्ष तक बिना रुके, बिना डिगे, बिना थके कार्य किया है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में उन्होंने मंगलवार को रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में वाराणसी संसदीय सीट के लिए आयोजित भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। सीएम ने कार्यकताओं का आह्वान किया कि काशी को नए रिकॉर्ड बनाने की तरफ अग्रसर होना है, क्योंकि काशीवासियों से जनप्रतिनिधि व संगठन के लोगों से मार्गदर्शक के रूप में पीएम का जुड़ाव प्रेरणादायी है।

नया भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में विकसित होने की दिशा में बढ़ चुका है सीएम ने कहा कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में मोदी जी ने भारत को दुनिया में सम्मान दिलाने, सुरक्षा को पुख्ता करने, आतंकवाद-नक्सलवाद का स्थायी समाधान निकालने, विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करने, गरीब कल्याणकारी योजनाओं की नई श्रृंखला को बढ़ाने और आजाद भारत में आस्था को पहली बार सम्मान व प्रतिष्ठा दिलाने में अतुलनीय योगदान दिया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत, श्रेष्ठ भारत के रूप में आत्मनिर्भर व विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। काशी में उनके नामांकन पर दुनिया कौतूहल व आश्चर्य से निगाह लगाई थी। प्रधानमंत्री ने काशी से तीसरी बार नामांकन किया है। दस वर्ष में देश के अंदर सांस्कृतिक नवजागरण का जो अभियान चला है, काशी से आपका नामांकन इसे नई ऊंचाई तक ले जाने की प्रेरणा है। काशी से प्रधानमंत्री का नामांकन न केवल उप्र, बल्कि देशवासियों और उसकी आस्था का सम्मान है। कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, केंद्रीय मंत्री व चंदौली से भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, मछलीशहर के सांसद व प्रत्याशी बीपी सरोज, क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल, लोकसभा प्रभारी सतीश द्विवेदी, काशी के जिलाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने दिया 'सेवा ही संगठन' का मंत्र

सीएम ने कहा कि काशी नई पहचान बना रही है। दस वर्ष में हुए परिवर्तन का मूर्त रूप नई काशी में दिखने को मिलता है। काशी ने दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित किया है। काशी किसी भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समिट को सकुशल संपन्न करती है। काशी आकर हर व्यक्ति अभिभूत होता है। नया काशी सब कुछ दे रहा है। सरकार के साथ साथ संगठन के मार्गदर्शक के रूप में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना के दौरान 'सेवा ही संगठन' मंत्र दिया था। कोरोना महामारी के दौरान जनता-जनार्दन की सेवा करते हुए भाजपा संगठन और कार्यकर्ता सड़कों पर दिखाई दे रहा था।

एक नजर

दिव्यांगों ने रैली निकाल मतदान करने हेतु किया जागरुक

जौनपुर। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में चल रहे स्वीप

गतिविधियों के अन्तर्गत मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर से दिव्यांग मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। जिसके माध्यम से लोगों को मतदान करने के लिए जागरुक किया गया। रैली में पैर से दिव्यांग ट्राईसाईकिल पर व मूक बधिर व अन्य प्रकार के दिव्यांग मतदाता जागरूकता तख्ती, बैनर लिए नारे लगाते चल रहे थे और मतदान तिथि 25 मई को अपने मत का प्रयोग करने हेतु मतदाताओं को प्रोत्साहित कर रहे थे। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ईशिता किशोर ने उपस्थित लोगों को मतदान की शपथ दिलाई और रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत भाग्य विधाता हूं, अब तो मैं मतदाता हूं।, हमको यह समझाना है, सबको वोट दिलाना है। सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो। मम्मी पापा भूल न जाना 25 मई को वोट करना।

सोनभद्र में लोग बोले-पानी नहीं तो वोट नहीं वोट बहिष्कार का ग्रामीणों ने लिया निर्णय

सोनभद्र । सोनभद्र के विकास खंड नगवा के ग्राम पंचायत आमडीह के राजस्व गांव कुरवल के ग्रामीणों ने हर घर नल योजना के तहत पानी न

मिलने को लेकर लोकसभा चुनाव के बहिष्कार को लेकर पंचायत भवन पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करते हुए शीतबसन्त, नवीन तिवारी ने बताया कि करीब एक हजार आबादी वाले गांव में आज लोग एक-एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं हर घर नल योजना से जब से सप्लाई चालू हुई है अभी तक दो चार घर छोड़ दें तो कहीं पानी नहीं मिल रहा है। वहीं सियाराम, जोगीन्दर ने बताया कि गांव में हैंडपंप में पानी का लेयर न होने से और टैंकर से सप्लाई बंद होने से करीब पांच सौ मीटर दूर से खेत के बोर से पानी लाकर उबाल कर पीना पड़ता है। अगर यही सब समस्या दूर नहीं हो पा रही है तो हम लोग किसी को वोट क्यों दे। उमाशंकर, राजकरन ने बताया कि 2009 लोकसभा चुनाव में भी बिजली सड़क आदि को लेकर हम लोगों ने वोट बहिस्कार कर दिया था तो कुछ समस्या दूर हुई थी। लेकिन वो भी लालीपॉप जैसा था इस बार मुख्य समस्या पानी का है, इसको लेकर सम्बंधित अधिकारियों से कई बार कहा गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जिससे ग्रामीण वोट बहिस्कार को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

टैंकर की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवकों की दर्दनाक मौत

सोनभद्र । वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर हाथीनाला थाना क्षेत्र के हथवानी गांव के पास मंगलवार को भीषण हादसे में तीन युवकों की जान चली गई। तीनों एक बाइक पर सवार थे और शादी समारोह से घर लौट रहे थे। वहीं, हादसे के बाद भाग रहे टैंकर को चोपन में पुलिस ने पकड़कर कब्जे में ले लिया। विपरीत दिशा से आ रहे टैंकर ने उन्हें चपेट में ले लिया। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

खबरें फटाफट

सोनभद्र में बावली में डूबने से मासूम की मौत

सोनभद्र। सोनभद्र में बकाही गांव में घर के बाहर खेल रही 5 वर्षीय बच्चे की बावली मे डूबने से मौत हो गई। सूचना पर घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बता दें कि राबर्ट्सगंज कोतवाली के हिन्दुआरी चौकी क्षेत्र के बकाही गांव की आर्य अपने घर के बाहर खेल रहा था। तभी घर के बाहर बावली में चला गया। किसी ने बच्चे को जाते नहीं देखा। बच्चा उसमें डूब गया। ग्राम प्रधान अमरेश कुमार ने बताया कि देर शाम को जब परिवार के लोग काम कर वापस आये तो बच्चे की खोजबीन शुरू की। हर घर पता कराया गया। परन्तु कहीं पता नहीं चला। देर रात किसी ने बताया कि आर्य का शव मोहल्ले के पास बनी बावली में उतराया हुआ है। गांव घर के सहयोग से उसे बाहर निकाल कर स्थानीय अस्पताल ककराही ले गए जहां चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

फायर ब्रिगेड की गाड़ी और स्कूटी में टक्कर, पिता की मौत, दो बेटियां घायल

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में फायर ब्रिगेड की गाड़ी और स्कूटी में टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार पिता की मौत हो गई। वहीं उनकी दो बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को अस्पताल मे भर्ती कराया। स्कूटी पर तीन लोग सवार थे। शहर से भदोही घर जाते वक्त बड़नपुर के पास हादसा हुआ। प्रतापगढ़ के देहात कोतवाली क्षेत्र के फायर ब्रिगेड की गाड़ी शहर की तरफ आ रही थी। स्कूटी सवार तीन लोग शहर से घर की तरफ जा रहे थे। आमने सामने फायर ब्रिगेड गाड़ी और स्कूटी में टक्कर हो गई। पिता की मौके पर मौत हो गई। दो बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में कार्यकर्ता सम्मेलन को किया संबोधित, कार्यकताओं में भरा जोश

पीएम मोदी ने कार्यकताओं को कहा, थैंक्यू

- सोमवार को हुए रोड शो को बताया ऐतिहासिक, प्यार और आशीर्वाद देने के लिए काशी की जनता का जताया आभार
- पीएम मोदी ने बड़ी जीत के प्रति जताया भरोसा, कार्यकताओं को एक-एक बूथ पर जीत का दिला मंत्र

केटी न्यूज/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी में कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा कार्यकताओं को संबोधित किया। इस दौरान सबसे पहले पीएम मोदी ने सभी कार्यकताओं को थैंक्यू कहा और एक जून तक अपना उत्साह और उमंग बनाए रखने के साथ-साथ प्रत्येक पोलिंग बूथ पर विजय का मंत्र दिया। पीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि लोगों का विश्वास जीतना आसान नहीं होता है। पंचायत चुनाव में भी जीतना हो तो नाकों चने चबाने पड़ते हैं। 24 घंटे लोगों के प्रति समर्पित रहना पड़ता है तब जनता प्यार करती है और अपना आशीर्वाद देती है। ऐसे में इस बार भी जनता का ये प्यार, ये उत्साह, ये आशीर्वाद रोड शो के साथ-साथ ईवीएम में भी दिखाई देना चाहिए। पीएम ने कहा कि मोदी तो जीत जाएगा, क्योंकि आप जिताने वाले हो, लेकिन इस बार मुझे हर एक पोलिंग बूथ जीतना है, जिसकी जिम्मेदारी आपकी है।

गाजे-बाजे के साथ बूथ तक लाएं मतदाता को

पीएम मोदी ने एक-एक पोलिंग बूथ जीतने का मंत्र देते हुआ कहा कि साथियों मोदी तो जीत जाएगा, क्योंकि आप जिताने वाले हो, लेकिन मुझे हर एक पोलिंग बूथ जीतना है। कोई कहे कुछ भी, लेकिन इसके लिए कड़ी मेहनत लगती है। ये जुलूस, नारे, रोड शो इससे चुनाव में बूथ पर असर नहीं पड़ता। हार-जीत से फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन अगर मतदान प्रतिशत में पीछे रह जाएं तो काशी का प्रतिनिधि होने के नाते क्या मुंह दिखाउंगा। इसलिए पोलिंग बूथ जीतना ही संकल्प होना चाहिए। पोलिंग बूथ जीतने का तरीका क्या होना चाहिए? मतदान को लोकतंत्र के उत्सव में बदल दीजिए। अभी आपके पास 14 दिन हैं, इस दौरान पोलिंग बूथ पर उत्सव मनाएं। पूरे पोलिंग बूथ में जितनी सोसायटी हैं, मोहल्ले हैं उन्हें आमंत्रित करें और वहां रंगोली व अन्य कार्यक्रम आयोजित करें। यही नहीं, जिस दिन मतदान करने जाएं तो देखें कि कौन मतदान करने आया और कौन नहीं। जो नहीं आया, उसे किसी भी तरह मतदान करने के लिए पोलिंग बूथ पर लाना आपकी जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मान लीजिए कि आपके बूथ में दस कार्यकर्ता हैं। एक कार्यकर्ता कम से कम 30 वोटर को इकट्ठा करे और उन्हें गाजे बाजे के साथ जुलूस निकालकर पोलिंग बूथ तक लाएं।

हर बूथ पर पिछली बार की तुलना में 370 अधिक वोट पड़ने चाहिएं

पीएम मोदी ने कहा कि दूसरा आग्रह है कि हमारे बूथ पर पिछली बार जितने वोट मिले थे उसका हिसाब लगा लीजिए। इस बार वो रिकॉर्ड तोड़ना है। जिस तरह धारा 370 हटाने के लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने बलिदान दिया था, इस सपने को हमने पूरा किया है। मेरे जीवन की सबसे बड़ी घटना जम्मू-कश्मीर और श्रीनगर में बड़ी संख्या में मतदान होते देखना है। ये भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेत हैं। ये हमारे दस साल की मेहनत का फल है। मेरा विषय यह नहीं है कि मेरी पार्टी का कोई व्यक्ति जीतेगा या नहीं, लेकिन लोकतंत्र मजबूत हुआ है इसकी संतुष्टि है। लोगों को श्रीनगर में हुआ यह भव्य परिवर्तन दिखाना चाहिए। अगर श्रीनगर कर सकता है तो क्या काशी नहीं कर सकता है। इसीलिए 370 कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। इसके लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी शहीद हुए। मेरी इच्छा है कि हर पोलिंग बूथ में जितने वोट पड़े हैं, उसमें नए 370 वोट पड़ने चाहिए। ये मेरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यकताओं की वजह से काशी में मिल रहा प्यार

पीएम मोदी ने कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए कहा कि यदि आप सभी कार्यकर्ता इजाजत दें तो आपसे कुछ कहना चाहता हूं। आपसे इतना ही कहना है, थैंक्यू। पीएम ने कहा कि 2014 में भी यहां रोड शो किया था और 2019 में भी रोड शो किया था, देश भर में इन दिनों सप्ताह में तीन-चार रोड शो कर रहा हूं, लेकिन कल रोड शो के सारे रिकॉर्ड आपने तोड़ दिए। इसके लिए आपके माध्यम से जनता जनार्दन को सर झुकाकर धन्यवाद करना चाहूंगा। आज जो आप कर रहे हैं जीवन के कई वर्ष तक इस काम को मैंने भी किया है। संकल्प पूरा होने की खुशी एक कार्यकर्ता से ज्यादा किसी और को नहीं होती। उन्होंने कहा कि काशी में जो कुछ भी विगत दस वर्ष में हुआ है वो सब आपकी वजह से हुआ है। इसलिए पक्का भरोसा है कि इस बार भी आप संभाल लेंगे। आप चुनाव जीतने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

अस्सी घाट पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने गंगा में डुबकी लगाकर की सप्तमी पूजा

- गंगा मईया का आशीर्वाद काशी के बेटे अजय राय के साथ है: अजय राय

केटी न्यूज/वाराणसी

वाराणसी में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा की पूजा कर सप्तमी मनाई। दूसरी ओर, वाराणसी से मोदी के खिलाफ चुनावी बिगुल फूंकने वाले इंड़ी गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय ने गंगा स्नान कर सप्तमी की पूजा की। पूजा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि गंगा मईया का आशीर्वाद काशी के बेटे अजय राय के साथ है। इस बार चुनाव में बदलाव होगा। उन्होंने गंगा की रेत पर बने टेंट सिटी और क्रूज को लेकर भी पीएम मोदी को घेरा।कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने वाराणसी के अस्सी घाट पर गंगा स्नान कर गंगा सप्तमी मनाई। अस्सी घाट के पुरोहित बलराम मिश्र ने विधिवत पूजा-पाठ कराया। इस पूजा में इंड़ी गठबंधन के 50 से ज्यादा नेता शामिल थे। गंगा स्नान और पूजा के बाद अजय राय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी मां गंगा को अपने इवेंट का हिस्सा मानते हैं। लोगों को भ्रमित करते हैं। हम काशीवासियों के लिए मां गंगा आस्था ,संस्कृति की केंद्र है। आज गंगा में नालों का बहाव हर रोज है। गंगा की अविरलता को खंडित किया जा रहा है।ह्व अजय राय ने कहा कि गंगा के असली पुत्र मांझी समाज हैं। उन मांझी भाइयों की रोजी-रोटी पर वार करते हुए बड़े बड़े-बड़े क्रूज चलाए जा रहे हैं। टेंट सिटी बनाकर गंगा मां के प्रति आस्था से खिलवाड़ हुआ। उस पार नहर बनाकर करोड़ों रुपए डकार लिए गए। कुछ चुनिंदा घाटों को छोड़कर बाकी घाट जस के तस हैं। अजय राय ने कहा कि गंगा सफाई के नाम पर काशीवासियों को ठगने वालों को काशी की जनता जरूर जवाब देगी। इस बाद बदलाव तय है। मां गंगा का आशीर्वाद काशी के बेटे अजय राय के साथ है। इस काम के लिए आज गंगा स्नान के बाद संगठन के नेताओं को संकल्प भी दिलाया। अजय राय के साथ कांग्रेस की ओर से महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे , पंकज सोनकर, संजीव सिंह ,सत्यप्रकाश सोनकर आदि मौजूद रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय: ईआरपी के सुचारू रूप से संचालन के लिए कुलपति ने की बैठक

विभागाध्यक्ष समय से सूचनाओं को कराएं अपलोड : प्रो. वंदना सिंह

केटी न्यूज/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में मंगलवार को ईआरपी के सुचारू रूप से संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की अध्यक्षता में समन्वयकों की बैठक आयोजित की गई. कुलपति प्रो वंदना सिंह ने समन्वयकों द्वारा किये जा रहे कार्य प्रगति की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि विभागाध्यक्ष समय से अपने विभाग की सूचनाओं को अपलोड कराये. इससे जहां कार्य में पारदर्शिता आएगी वहीं बहुत सारे काम तेजी से होंगे जिसका लाभ सभी को मिलेगा.

उन्होंने कहा कि ई फाइल के लिए एक टीम बनाकर कार्य करें इससे कार्य में तेजी आएगी और फाइलों की ट्रैकिंग भी आसानी से होगी. विश्वविद्यालय के अलग-अलग क्षेत्र के कोड निर्धारित करने के लिए निर्देश दिए. उपकुलसचिव अमृतलाल ने बताया कि शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के अवकाश ऑनलाइन आवेदन करने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी हो गई है इसे शीघ्र ही प्रारंभ किया जाएगा. विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों की जानकारी के लिए भी लिंक तैयार हो गया है और विभागाध्यक्ष के माध्यम से पुरातन छात्रों की पूरी जानकारी ईआरपी पर होगी.

बैठक में समन्वयक प्रोफेसर रवि प्रकाश, प्रोफेसर अजय द्विवेदी, प्रोफेसर संदीप कुमार,प्रो राज कुमार, प्रो संतोष कुमार, डॉ मनोज मिश्रा, डॉ संजीव गंगवार, डॉ मनीष गुप्ता, डॉ अमरेंद्र कुमार सिंह, डॉ धीरेंद्र चौधरी, उपकुलसचिव अमृतलाल बबीता सिंह समेत अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 15 मई 2024
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है। - राल्फ वाल्डो एमर्सन

भारत और ईरान के बीच हुए बंदरगाह समझौता के, अंतर्राष्ट्रीय समीकरण

भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह को लेकर एक समझौता हुआ है। इस समझौते के अनुसार ईरान ने 10 साल के लिए बंदरगाह संचालन का अधिकार भारत को दे दिया है। इस बंदरगाह का संचालन अब बिना किसी रोक-टोक के भारत कर पाएगा। ईरान के अंदर भारत रोड और रेलवे के लिए भी काम कर रहा है। इस समझौते के बाद भारत का माल परिवहन के क्षेत्र में, अफगानिस्तान, ओमान, खाड़ी के देशों तथा रूस के बीच में सीधा संपर्क हो जाएगा। भारत को अब पाकिस्तान के करांची और ग्वादर बंदरगाह पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ईरान के दक्षिण पूर्वी तट पर स्थित चाबहार बंदरगाह को भारत 2018 से विकसित करने के बाद से इसका संचालन कर रहा है। ईरान सरकार और भारत सरकार के बीच में जो समझौता हुआ है, उसके मुताबिक अगले 10 वर्ष तक भारत सरकार की कंपनी इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड इस बंदरगाह के समस्त कार्यों और संचालन के लिए अधिकृत हो गई है। इस बंदरगाह के समझौते के बाद भारत सरकार 37 करोड़ डॉलर का निवेश ईरान में करेगी। ईरान के ऊपर अमेरिकी प्रतिबंध लगने के बाद, ईरान अलग-थलग पड़ गया है। भारत सरकार के साथ यह समझौता कई वर्षों से लंबित था। इस समझौते का असर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होना तय माना जा रहा है। जिसके कारण ईरान और भारत सरकार को फूंक-फूंक कर कदम रखने होंगे। इस समझौते का असर ईरान और पाकिस्तान के संबंधों पर भी पड़ेगा। इस समझौते के बाद भारत सरकार के साथ चीन की दूरियां बढ़ सकती हैं। भारत और रूस का व्यापार तेजी के साथ बढ़ सकता है। इस समझौते का असर भारत और अमेरिका के बीच में पड़ना तय माना जा रहा है। अमेरिका नहीं चाहता था, कि भारत सरकार, ईरान के साथ इस तरह का कोई समझौता करे। इसका असर भारत और इजरायल के संबंधों पर भी पड़ना तय माना जा रहा है। भारत सरकार ने ईरान के साथ जो समझौता बंदरगाह के लिए किया है, वह भारत के लिए बहुत जरूरी था। इस समझौते के बाद खाड़ी के देशों और रूस के साथ भारत का कारोबार बढ़ेगा। कच्चे तेल और गैस के आयात में भी भारत को बड़ी सहायता मिलेगी। अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के कारण यह समझौता लंबे समय से टलता चला आ रहा था। इस समझौते के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर और दक्षिण के बीच एक नया परिवहन गलियारा शुरू हो जाएगा। इस नए गलियारे के बनने के बाद चीन और पाकिस्तान को आर्थिक नुकसान होगा। वहीं भारत और ईरान के कारोबार में वृद्धि होगी। इस समझौते के बाद चीन के साथ भारत की दूरियां बढ़ना तय माना जा रहा है। चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट की इसे काट माना जा रहा है। इस समझौते के बाद ईरान और भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और परिवहन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका में आ जाएंगे। ईरान में सड़क निर्माण और रेल निर्माण के क्षेत्र में भारत की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। भारत 2018 से इस बंदरगाह के कार्गो का ऑपरेशन संभाल रहा है। 2018 में जो समझौता हुआ था, उसके अनुसार हर साल समझौते का नवीनीकरण करना पड़ता था। अब जो समझौता हुआ है, उसमें भारत के पास ज्यादा अधिकार होंगे। समझौते के अनुसार अब 10 साल के लिए भारत के पास चाबहार बंदरगाह का संचालन होगा, 10 साल बाद नवीनीकरण भी होगा। रूस के साथ अभी जो आयात निर्यात भारत का हो रहा था, उसके लिए करांची बंदरगाह पर भारत और रूस को निर्भर रहना पड़ता था। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इसका असर मुक्त व्यापार और परिवहन के क्षेत्र में पड़ रहा था। भारत के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही एक चिंता का विषय भी है। दरअसल भारत के इजरायल और चीन के संबंधों पर इस समझौते का असर होगा। वहीं अमेरिका की नाराजगी भी कहीं ना कहीं भारत के प्रति हो सकती है। इसके लिए भारत सरकार को सतर्कता बरतनी पड़ेगी।

चिंतन-मनन

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे। अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु ?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था। उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

कामदार से राहुल बनकर भी देखिये कभी

-राकेश अचल

करोड़ों के सरकारी विमान में उड़ान भरते हुए, हजारों किलो गुलाब और गेंदे के फूलों की महक को आत्मसात करते हुए चुनाव प्रचार करना, नामांकन भरना आसान है लेकिन आम आदमी की तरह किसी सेलून में जाकर हजामत बनवाना कठिन काम है। कम से कम नामदार लोग तो ऐसा नहीं कर सकते, लेकिन अंधभक्तों की नजर में पप्पू राहुल गांधी ने ऐसा कर दिखाया और देश को बिना एक शब्द कहे ये बता दिया कि असली कामदार और असली नामदार कौन है? संकीर्णता और आत्मग्लानि से उबरना बहुत कठिन काम है। देश का नेतृत्व करने वाले तमाम नेता अपनी हीनता और दीनता को छिपाने के लिए क्या कुछ नहीं करते। अब तो नौबत ये आ गयी है कि मध्यप्रदेश में केंद्र सरकार के एक मंत्री जो स्वयंभू महाराज भी हैं कार की छत पर चढ़कर भांगड़ा करते हैं तो उनके कप्तान देश में नया चूड़ी उद्योग खोलने के संकेत दे रहे हैं। कोई सरकार किसी देश को चूड़ियाँ पहनाने की बात कर अपनी मजबूती का नहीं बल्कि अपने दम्भ और वैचारिक दीवालियेपन का मुजाहिरा कर सकती है। चूड़ी भारतीय संस्कृति में महिलाओं का एक महत्वपूर्ण आभूषण है। कांच की चूड़ियां आम हाँ लेकिन खास लोग और खासकर नकली कामदार सोने-चंडी की चूड़ियां भी अपने परिवार की महिलाओं को पहनाते हैं। फिरोजाबाद की चूड़ियां देश और एशिया में मशहूर है। चूड़ियों का कोई मजहब नहीं होता। चूड़ियां हिन्दू भी पहनते हैं और मुसलमान भी। अगड़े भी पहनते हैं और पिछड़े भी। दलित भी पहनते हैं और महाहदलित भी। चूड़ी बनाने वाले ज्यादातर लोग मुसलमान होते हैं और पहनने वाली महिलाएं हिन्दू। आजतक किस हिन्दू महिला ने चीड़ियाँ पहनने से इसलिए इंकार नहीं किया कि उन्हें बनाने और पनाने वाले हाथ मुसलमान या किसी और मजहब वाले के है। कोई मनिहार या मनिहारिन किसी कलाई से उसका मजहब नहीं पूछती । ये काम तो केवल और सियासत वाले करते हैं। तमिल में चूड़ी को वलायल और तेलुगु में गाजू भी कहा जाता है। अंग्रेजी में इसे बेंगल कहते है जो हिन्दी के ही शब्द बंगरी से बना है चूडिया एक और जहां सुहाग यानि सौभाग्य का प्रतीक हैं वहीं चूड़ियाँ भेंट करना सामने वाले की कमजोरी ,अकर्मण्यता,दीनता को उजागर करने का तरीका भी है । विपक्ष में रहने वाले लोग अक्सर सत्ता प्रतिष्ठान और नौकरशाही को चूडिया पहनाने की कोशिश करता है। मजे की बात ये है कि पूरे दस साल केंद्र की सत्ता में रहने के बाद भी भाजपा और भाजपा के नेताओं का चूड़ी भेंट करने का तौर-तरीका बदला नहीं है । वे अब विपक्ष को तो चूड़ियाँ पहना नहीं सकते लेकिन पड़ौसी देश को चूड़ी पहनाने की बात जरूर करने लगे हैं। उन्हें लगता है कि देश का विपक्ष इन दिनों पड़ौसियों की शह पर सत्ता प्रतिष्ठान की राह में रोड अटका रहा है। बात राहुल गांधी से शुरू हुई थी और वहीं समाप्त भी होना चाहिए,इसलिए मै आपको दोबारा राहुल गांधी की उस तस्वीर की और ले चलता होऊं जो हाल ही में चुनाव प्रचार से समय निकालकर एक हजामत बनाने वाले की दूकान से ली गयी है। बकौल भाजपा राहुल शाहजादा है। चांदी की चम्मच मुंह में रखकर पैदा हुए है। नामदार हैं और सबसे बड़ी बात पप्पू हैं। हम ये सब बातें मान लेते हैं क्योंकि बड़ों की बातें मानने में ही आजकल भलाई है ,लेकिन हमारा सवाल भी है कि आप कामदार होते हुए राहुल की तरह जनता से सीधे क्यों नहीं जुड़ पा रहे ? क्यों आप सड़कों पर पैदल नहीं चल सकते ? क्यों आप किसी आम आदमी या कामदार की तरह अपनी हजामत किसी साधारण सेलून में बनवाने की हिम्मत नहीं कर रहे ? दरअसल चंडी की चम्मच मुंह से निकाल फेंकना जितना कठिन काम है उतना कठिन काम कामदार से नामदार होना भी है । जो आदमी फर्श से अर्श पर आता है वो कभी भूले से भी नीचे नहीं आना चाहता। उसे विलासता का जीवन जीने की आदत पड़ जाती है और उसके छीने जाने की कल्पना मात्र से ही उसका रोम-रोम कांपने लगता है। वैभव और विलासता के बीच बने रहने के लिए वो एक,दो नहीं अनेक अवसर माँगता है। उसके सामने कोई नैतिकता, कोई नजीर,कोई संविधान काम नहीं करता। उसके सर पर हमेशा एक ही भूत सवार रहता है कि कोई शाहजादा कहीं सिंहासन पर कब्जा करने तो नहीं आ रहा? हमारा सत्ता प्रतिष्ठान आजकल इसी भय और आशंका से ग्रस्त है । चार चरणों के मतदान के बाद सत्ता प्रतिष्ठान के चेहरे पर हवाइयां उड़ रहीं हैं। मै हमेशा कहता हूँ कि सत्ता तो आनी -जानी चीज है । इसका मोह नहीं पालना चाहिए अन्यथा यही सत्ता गले की फांसी बन जाती है। इसी सदी में आपने और हमने दुनिया में बड़े -बड़े सत्ताधीशों को धूल चाटते देखा है । किसी को फांसी पर लटकाया गया, तो किसी को गोलियों से भून दिया गया। यहां तक कि सत्ताधीशों के बुतों तक को नेस्तनाबूद कर दिया। इसीलिए कहते हैं कि सत्ता माया का दूसरा रूप है और माया महाठगिनी होती है । इस हकीकत को हमारे सूफी संत - महात्मा और साहित्यकार जान गए लेकिन राजनीतिज्ञ इस हकीकत से अभी तक नावाकिफ हैं। राहुल के भाग्य में प्रधानमंत्री बनना शायद न लिखा हो लेकिन उसके चाहने वालों की संख्या अंधभक्तों की संख्या से कहीं ज्यादा निकलेगी । देश में ही नहीं देश के बाहर भी राहुल एक नेशनल हीरो की तरह जाना - पहचाना जाता है। राहुल ने कांग्रेस का बंटाधार किया या उसे आत्मनिर्भर बनाया इसका फैसला आने वाले दिन करेंगे। लेकिन अभी ये प्रमाणित हो गया है कि वो न पप्पू है और न जोकर,न विदूषक है और न अधिनायक। वो जन नायक बनने की कोशिश कर रहा है। उसने देश को अपने कदमों से नापा है ,फोकट के हवाई जहाजों से उड़ाने भरते हुए देश को नहीं जाना। प्रतिपक्ष में रहकर राहुल ने वे सब प्रताड़नाएं सही हैं जो आपातकाल के दौरान तब के विपक्षी नेताओं तक ने नहीं सही होंगी।

बहरहाल आज देश के सामने दो ही चेहरे हैं। एक कल्कि अवतार माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दस मोदी जी का और दूसरा राहुल-राजीव गांधी का। कांग्रेस के पास राहुल के अलावा कोई नहीं है और भाजपा के पास मोदी जी के अलावा कोई नहीं है। देश के पास इन दोनों के अलावा कोई नहीं है। एक की सियासी विरासत को देश और दुनिया जानती है और दूसरे की कोई सियासी विरासत है ही नहीं और आगे भी शायद ही उनका कोई उत्तराधिकारी उन जैसा हो पाए। देश इस समय इन दो विरासतों के बीच चुनाव कर रहा है । चुनाव के चार चरण पूरे हो चुके है। तीन बाकी हैं। 4 जून को पता चलेगा कि देश ने नामदार को चुना या कामदार को। जनता जिसे चुनेगी वो सचमुच सौभाग्यशाली होगा।

पीओके के हाथ से निकल जाने के डर से सहमा पाकिस्तान

- ललित गर्ग

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार की तानाशाही, उदासीनता, उपेक्षा एवं दोगली नीतियों के कारण हालात बेकाबू, अराजक एवं हिंसक हो गये हैं। जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ-पांव फूल गये हैं। दरअसल, अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कब्जे के बाद से ही पीओके लगातार सरकार की उपेक्षा, उत्पीडन एवं उदासीनता झेल रहा है। उसकी समस्याओं और विकास पर ध्यान देने की बजाय पाकिस्तान का जोर वहां आर्तकियों के ट्रेनिंग कैंप खोलने पर ज्यादा रहा। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके का इस्तेमाल भारत में अशांति, आतंक एवं हिंसा फैलाने के लिये किया है, वह पीओके के माध्यम से कश्मीर को हडपने की हर संभव कोशिश करता रहा है, लेकिन वहां के निवासियों की जरूरतों पर कभी ध्यान नहीं किया। यूं तो अभी समूचे पाकिस्तान के हालात बद से बदतर हैं, गरीबी, महंगाई एवं आर्थिक दिवालियापन से घिरा है, दुनियाभर से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिये झोली लिये घूम रहा पाकिस्तान भारत में अशांति एवं आतंक फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी कमरतोड़ महंगाई एवं जनसुविधाओं से जूझ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 3 अरब डॉलर के कर्ज की मंजूरी देते समय कड़ी शर्तों लगाई थीं, जिसके कारण स्थिति और खराब हो गई है। बिजली दरों में बढ़ोतरी से दिक्कतें बढ़ गई हैं और पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। इन्हीं जर्जर एवं जटिल हालातों के बीच पीओके के हालात पाकिस्तान के लिये नया सिर दर्द बन गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के मुजफराबाद मार्च को दबाने की जितनी कोशिश कर रहे हैं, विरोध प्रदर्शन उतना ही उग्र हो रहा है। पीओके की अवामी एक्शन कमेटी के मार्च और धरने के आह्वान के बाद बेकाबू होते हालात 1955 के अवज्ञा आंदोलन की यादें ताजा कर रहे हैं, जब पीओके के लोगों और पाकिस्तानी फौज में सीधा टकराव हुआ था। अब फिर पीओके के लोगों के उबलते गुस्से ने पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर बल बढ़ा दिए हैं, समस्या को अनियंत्रित एवं अनिश्चित हालात में पहुंचा दिया है। पीओके के सबसे उत्तरी इलाके गिलगित बाल्टिस्तान के लोग पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। पीओके में आजादी के नारे लगने एवं उसे लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग के बाद शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना दोनों सकते में है। पाकिस्तान के अत्याचार के खिलाफ पीओकी की जनता जिस तरह खड़ी हो गई, उसने पाकिस्तानी नीति निमार्ताओं को तनाव में ला दिया है। हजारों की संख्या में कश्मीरी लोग पीओके में जगह-जगह सड़कों पर उतर आए तो पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा है। पीओके में विरोध को दबाने के लिए पाकिस्तानी दमन चक्र शुरू हो गया है। इसमें पाकिस्तान रेंजर्स और फ्रंटियर कोर को भी लगाया गया है। पीओके के सभी 10 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। भाजपा की मोदी सरकार के मुख्य एजेंडे में पीओके को पाकिस्तान से मुक्त कराकर भारत में शामिल करना पहले से निश्चित है। पीओके का ताजा संघर्ष एवं आन्दोलन भाजपा की राह को निश्चित ही आसान करेंगी। भारत के विभाजन के तुरंत बाद पाकिस्तान द्वारा जम्मू और कश्मीर की रियासत पर आक्रमण करने के बाद पीओके बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना और आदिवासी हमलावरों के हमले के तहत, महाराजा हरिसिंह ने भारत से सैन्य मदद मांगी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को पूरी रियासत पर कब्जा करने से रोक दिया। अब, लगभग सात-आठ दशक से अधिक समय के बाद, जबकि पाकिस्तान भारी वित्तीय, राजनीतिक और मानवीय संकट में फंस गया है, जबकि भारत अपने आर्थिक, राजनैतिक और वैज्ञानिक मापदंडों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अपनी सैन्य शक्ति को सशक्त कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में विकास की गंगा बह रही है, वहां के लोग शांति, शिक्षा, व्यापार एवं विकास की दृष्टि से नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं जबकि पीओके कम मानव विकास के साथ आर्थिक प्रगति से वंचित जनजीवन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। स्वयं को ठगा महसूस करते हुए पीओके की आम जनता अब शांति चाहती है, अमन चाहती है, विकास चाहती है, जोकि पाकिस्तान में रहते हुए असंभव है। दोगली नीतियों के चलते पीओके के प्राकृतिक संसाधनों का पाकिस्तान खुलकर दोहन करता रहा, जबकि वहां के लोग ईंधन, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा और जरूरी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझते रहे। पीओके के लोगों ने मई 2023 में बिजली की ऊंची दरों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था, जो एक साल बाद अब उग्र रूप ले चुका है। आंदोलन से काफी पहले पीओके के लोगों का भारत के प्रति झुकाव समय-समय पर मुखर होता रहा है। पाकिस्तान की राजनीति की दूषित हवाओं ने पीओके की चेतना एवं सोच को आन्दोलनकारी बना दिया है। सत्ता के गलियारों में स्वार्थों की धमाचौकड़ी देखकर वहां के लोग समझ गये कि उनका शोषण एवं उत्पीडन ही हो रहा है।

शुभ विवाह में हल्दी रश्म या फिजूल खर्ची

-विजय कुमार

भारतीय संस्कृति के अनुसार व्यक्ति के जीवन में सोलह संस्कारों का वर्णन किया गया है, इनमें एक पाणिग्रहण संस्कार है। वर्तमान में हमने पाणिग्रहण संस्कार को शुभ विवाह का नाम दे दिया है। आज शुभ विवाह के नाम पर इसमें अनेक कुप्रथाओं ने प्रवेश कर लिया है। हम प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को भूलकर पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण करते हुए शुभ विवाह में दिखावे के नाम पर फिजूल खर्ची कर रहे हैं। इसका दुष्परिणाम यह हुआ है कि अमीरों के चक्कर में बेचारा गरीब पीस रहा है। प्री बैडिंग सूट, विवाह में पंगत आयोजित कर दौना पत्तल में भोजन कराने की प्राचीन परंपरा को हम भूल गए हैं। पंगत के स्थान पर स्वरुचि भोज आयोजित होने लगा है। प्लेट में आयटम लेकर खड़े-खड़े भोजन करते हैं। वैभव प्रदर्शन के नाम पर स्वरुचि भोज में पचास से लेकर सौ आयटम बनाते हैं ।हजारों लाखों रुपए के भोजन की बबार्दी हो रही है। रात्री में महिला संगीत का आयोजन किया जाता है। महिला संगीत में महिलाओं द्वारा फिल्मी गानों पर डांस किया जाता है। महिला संगीत में मयार्दा तार तार हो रही है।आजकल ग्रामीण परिवेश में होने वाली शादियों में एक नई रश्म का जन्म हुआ है हल्दी रश्म, हल्दी रश्म के दौरान हजारों रुपए खर्च कर-के विशेष डेकोरेशन किया जाता है उस दिन दूल्हा या दुल्हन विशेष पीले वस्त्र धारण करते हैं लगभग 2020 से पूर्व इस हल्दी रश्म का प्रचलन ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं पर भी देखने को नहीं मिलता था। लेकिन पिछले दो-तीन साल में इसका प्रचलन बहुत तेजी से ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ा है ।पहले हल्दी रश्म के पीछे कोई दिखावा नहीं होता था, बल्कि तार्किकता होती थी। पहले ग्रामीण क्षेत्रों में आज की तरह साबुन व शैंपू नहीं थे और ना ही ब्यूटी पार्लर थे इसलिए हल्दी की उबटन घिस-घिस कर दूल्हे दुल्हन के चेहरे व शरीर से मृत चमड़ी और मैल को हटाने, चेहरे को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए हल्दी, चंदन, आटा, दूध से तैयार उबटन का प्रयोग करते थे। ताकि दूल्हा-दुल्हन सुंदर लगे। इस काम की जिम्मेदारी घर परिवार की महिलाओं की थी। लेकिन आजकल की हल्दी रस्म मोडिफाइड, दिखावटी और महंगी हो गई है। जिसमें हजारों रुपए खर्च कर डेकोरेशन किया जाता है। महंगे पीले वस्त्र पहने जाते हैं दूल्हा दुल्हन के घर जाता है और पूरे वातावरण कार्यक्रम को पीतांबरी बनाने के भरसक प्रयास किए जाते हैं। शुभ विवाह में सभी परिजन रिस्तेदारो पुरुष एवं महिलाएं भी पीले वस्त्र पहनते हैं ।यह पीला ड्रामा घर के मुखिया के माथे पर तनाव की लकीरें खींचता है। जिससे चिंता में पसीना टपकता है। हल्दी रश्म की तरह ही मेंहदी रश्म के आयोजन में वैभव प्रदर्शन के नाम पर भारी फिजूलखर्ची हो रही है ।पुराने समय में जहां कच्ची छतों के नीचे पक्के इरादों के साथ दूल्हा दुल्हन बिना किसी दिखावे के फेरे लेकर अपना जीवन आनंद के साथ शुरू करते थे। लेकिन आज पक्के इरादे कम और दिखावा और बनावटी पन ज्यादा होने लगा है आजकल देखने में आ रहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक रूप से अक्षम परिवार के लड़के भी इस शहरी बनावटी पन में शामिल होकर परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ा रहे हैं। क्योंकि उन्हें अपने छुटभैये नेताओं, वन साइड हेयर कटिंग वाले या लंबे बालों वाले सिगरेट का धुआं उड़ाते दोस्तों को अपना ठसका दिखाना होता है। इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि के लिए रील बनानी है।

आज का राशिफल

मेष आज रुपये-पैसे के मामले में शुभ योग बने हुए हैं और आज आपके लिए उच्च पद की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृषभ आज आपकी संपत्ति में वृद्धि होगी। भाग्य साथ देगा। परिवार में सुख शान्ति के योग हैं।

मिथुन नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति के योग बने हुए हैं। संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आज शुभ योग बन रहे हैं। आज आपको किसी जरूरी कार्य से यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

सिंह आज आपके मन में प्रसन्नता रहेगी। जरूरी कार्य को पूरा करने की वजह से व्यस्तता रहेगी।

कन्या आज लाभ का दिन है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी और आय में वृद्धि होगी।

तुला संभलकर कार्य करने की जरूरत है। दूसरे लोगों के वजह से किसी मामले में असहज हो जाएंगे।

वृश्चिक आज शुभ योग बन रहे हैं और आज आपकी किस्मत चमकने वाली है।

धनु आज आर्थिक मामलों में शुभ योग बन रहे हैं और आपके भाग्य में वृद्धि होने से मन में प्रसन्नता रहेगी।

मकर आज मान प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही है। ग्रहों के शुभ प्रभाव से आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति होगी।

कुंभ आज का दिन सफलता से भरा होगा और कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

मीन आज का दिन मिश्रित रूप से फालकारक रहेगा। संपत्ति के सुधार व रख रखाव में खर्च बढ़ेगा।

विशेष

कोर्ट की फटकार आखिर कब तक

आए दिन सुनने में आता है कि फलां मामले में अदालत ने फलां को फटकार लगा दी। ऐसे ही पुणे की विशेष सीबीआई कोर्ट ने 11 साल बाद तर्कवादी और सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र दाभोलकर की हत्या मामले में दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने सचिन प्रकाशराव अंदुरे और शरद भाऊसाहेब कालस्कर को हत्या का दोषी ठहराया है। हालांकि कोर्ट में हत्या का मकसद साबित नहीं हो सका है और सबूतों के अभाव में 03 अन्य आरोपियों जिनमें डॉ. वीरेंद्र सिंह शरदचंद्र तावड़े, वकील संजीव पुनालेकर और उनके सहयोगी विक्रम भावे हैं को बरी कर दिया गया।

वोट देने से यूं रोक दिया गया

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के राज्यसभा सांसद मनोज झा और पार्टी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने चौथे चरण के मतदान के दौरान चुनाव आयोग से शिकायत की है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त एचआर श्रीनिवास से मुलाकात के बाद झा कह रहे थे कि आरजेडी के प्रति गरीबों का जो झुकाव है, उससे एनडीए डरा हुआ है और प्रशासन के साथ मिलकर मतदान प्रभावित कर रहा है। यहां तक कि मुंगेर लोकसभा के 22 से अधिक बूथों पर लोगों को मतदान करने से रोका गया है। आरोप तो यहां तक लगाया गया कि पूरी प्रशासनिक मिलीभगत से मतदान करने से रोका गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1567: जेनीओ ने कोर्सिका द्वीप फ्रांस को बेच दिया. 1796: नेपोलियन बोनापार्ट अपनी फौज के साथ मिलान इटली 'पहुंचा. 1818: आस्ट्रिया का नया संविधान विद्रोह के कारण रद्द कर दिया गया. 1859 :फ्रांसीसी वैज्ञानिक पियरे क्यूरी का जन्म हुआ. 1873: ईस्ट इंडिया कंपनी को भंग करने का प्रस्ताव इंग्लैंड में पारित हुआ. 1924: राष्ट्रीयता के आधार पर आब्रजन कोटा निर्धारित करने का विधेयक अमरीकी कांग्रेस ने मंजूर किया. 1940: द्वितीय विश्व युद्ध में नीदरलैंड्स ने जर्मनी के आगे हथियार डाल दिए. 1957: ब्रिटेन ने पहली बार थोन्यूक्लीयर बम का विस्फोट किया. 1958: उपहार कर प्रभावी हुआ. 1962: लाओस की रक्षा के लिए अमरीका ने थाईलैंड में चार हजार सैनिक तैनात किए. 1977: मिस्त्र के राष्ट्रपति अनवर सादात ने मंत्रिमंडल से अपने विरोधियों को हटा दिया.

दैनिक पंचांग

15 मई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.21 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	07.19 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	09.32 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	11.49 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.00 बजे से
शुक्र	मेष में	तुला	16.11 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.26 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.42 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	22.47 बजे से
		कुंभ	00.34 बजे से
		मीन	02.06 बजे से
		मेष	03.37 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2024 वर्ष का 136 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी अहोरात्र।
नक्षत्र आश्लेषा 15.25 बजे को समाप्त।
योग वृद्धि 07.41 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 17.18 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 06.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 56'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871980
जूलियन दिन 2460445.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्काद
तारीख 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी, बगलामुखी जयंती, विश्व परिवार दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सैम पित्रोदा के बयान से कांग्रेस की किरकिरी

● ओडिशा के सत्यनारायण कैसे बने सैम पित्रोदा ● इंदिरा भारत लाईं, राजीव के दोस्त रहे; इन विवादित बयानों से कराई कांग्रेस की फजीहत

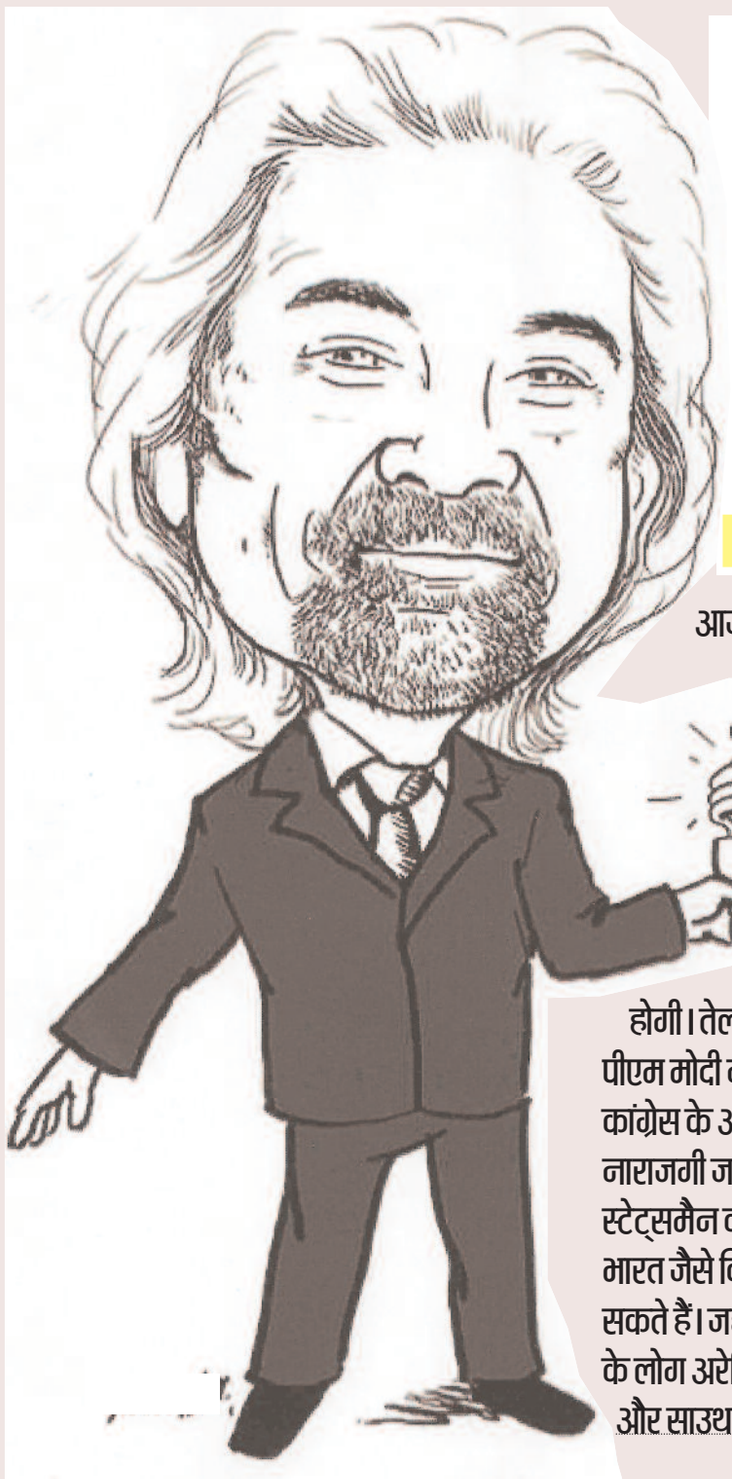

आज बहुत गुस्से में हूं। कोई गाली दे, मुझे गुस्सा नहीं आता। सहन कर लेता हूं, लेकिन आज शहजादे के फिलॉसफर ने इतनी बड़ी गाली दी है, जिसने मुझमें गुस्सा भर दिया है। कोई मुझे ये बताए कि क्या मेरे देश में चमड़ी के आधार पर योग्यता तय होगी। तेलंगाना के वारंगल की एक रैली में पीएम मोदी ने ये बातें कहीं। वो इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के एक बयान पर नाराजगी जता रहे थे। दरअसल, सैम ने द स्टेट्समैन को दिए एक इंटरव्यू में कहा था, हम भारत जैसे विविधता वाले देश को एक साथ रख सकते हैं। जहां ईस्ट के लोग चाइनीज जैसे, वेस्ट के लोग अरेबियन जैसे, नॉर्थ के लोग गोरों जैसे और साउथ के लोग अफ्रीकन जैसे दिखते हैं।

सैम पित्रोदा अपने विवादास्पद बयानों के चलते हमेशा से कांग्रेस की किरकिरी करा रहे हैं। इस बार फिर उन्होंने एक बयान विवादास्पद दे दिया। बयान यह कि जहां ईस्ट के लोग चाइनीज जैसे, वेस्ट के लोग अरेबियन जैसे, नॉर्थ के लोग गोरों जैसे और साउथ के लोग अफ्रीकन जैसे दिखते हैं। आज बहुत गुस्से में हूं। कोई गाली दे, मुझे गुस्सा नहीं आता। सहन कर लेता हूं, लेकिन आज शहजादे के फिलॉसफर ने इतनी बड़ी गाली दी है, जिसने मुझमें गुस्सा भर दिया है। कोई मुझे ये बताए कि क्या मेरे देश में चमड़ी के आधार पर योग्यता तय होगी।

तेलंगाना के वारंगल की एक रैली में पीएम मोदी ने ये बातें कहीं। वो इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के एक बयान पर नाराजगी जता रहे थे। दरअसल, सैम ने द स्टेट्समैन को दिए एक इंटरव्यू में कहा था, हम भारत जैसे विविधता वाले देश को एक साथ रख सकते हैं। जहां ईस्ट के लोग चाइनीज जैसे, वेस्ट के लोग अरेबियन जैसे, नॉर्थ के लोग गोरों जैसे और साउथ के लोग अफ्रीकन जैसे दिखते हैं। पिछले कई बयानों की तरह सैम पित्रोदा के इस बयान से भी कांग्रेस ने किनारा कर लिया। इसके बाद भी फजीहत बढ़ती देख सैम ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया है।

कौन हैं सैम पित्रोदा?

सैम पित्रोदा का जन्म 17 नवंबर 1942 को ओडिशा के बोलांगीर जिले के एक छोटे से गांव टिटलागढ़ में हुआ। उनका परिवार गुजराती था। उनका शुरुआती नाम सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा है। सैम के दादा बढ़ई और लोहार का काम किया करते थे।

सैम के पिता चाहते थे वो गुजराती और अंग्रेजी सीखें, इसलिए उन्होंने सैम और उनके बड़े भाई मानेक को पढ़ने के लिए गुजरात के विद्यानगर में शारदा मंदिर बोर्डिंग स्कूल भेज दिया। बाद में सैम ने वडोदरा में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय से फिजिक्स और इलेक्ट्रॉनिक्स में स्ऱ्ष की।

- **इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मास्टर्स करने के लिए अमेरिका गए-** 1964 में फिजिक्स में अपनी मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद वो इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल करने के लिए अमेरिका चले गए। वहां सैम को अमेरिकी कल्चर में ढलने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। एक इंटरव्यू में सैम बताते हैं कि वहां लोग बाथरूम में सामूहिक तौर पर नहाया करते थे, वो भी पूरी तरह निर्वस्त्र होकर और नहाते-नहाते आपस में बात भी किया करते थे। उन्हें काफी शर्म आती थी, इसलिए उन्होंने इससे बचने के लिए रात के बारह बजे नहाना शुरू कर दिया। 1972 में शिकागो की इलिनोइस यूनिवर्सिटी में सैम पित्रोदा अपनी पत्नी अनु छाया के साथ । यहां से उन्होंने अपनी मास्टर्स की पढ़ाई पूरी की थी। सैम ने अमेरिका के शिकागो में इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पढ़ाई की। उन्होंने 1965 में टेलिकॉम इंडस्ट्री में हाथ आजमाया। अपने पहले पेटेंट के तौर पर 1975 में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक डायरी बनाई।
- **सैलरी चेक की वजह से सत्यनारायण से सैम बन गए-** पढ़ाई खत्म करने के बाद सैम ने टेलीविजन ट्यूनर बनाने वाली एक कंपनी के साथ काम करना शुरू कर दिया। तब तक उनका नाम सत्यनारायण पित्रोदा हुआ करता था। जब सैम को अपनी पहली सैलरी मिली तो चेक में उनका नाम सैम लिखा हुआ था। जब उन्होंने इसकी शिकायत कंपनी का फाइनेंस देखने वाली महिला से की तो उसने कहा, तुम्हारा नाम बहुत लंबा है, इसलिए मैंने इसे बदलकर छोटा कर दिया है। सैम ने भी इस नाम को कुछ समय में अपना लिया। फोर्ब्स को दिए एक इंटरव्यू में सैम पित्रोदा बताते हैं कि वो 1965 में मास्टर्स की पढ़ाई करने के लिए अमेरिका आए। इस दौरान उन्होंने डिजिटल स्विचिंग टेक्नोलॉजी फील्ड में जमकर काम किया और 15 से अधिक बिजनेस भी बनाए। इसमें मोबाइल वॉलेट सॉल्यूशन फर्म C-SAM भी शामिल है, हालांकि बाद में इसे मास्टरकार्ड ने खरीद लिया। हाल ही में लॉन्च की गई अपनी आत्मकथा 'ड्रीमिंग बिग- माई जर्नी टु कनेक्ट इंडिया' में पित्रोदा ने अपने जीवन की यात्रा के बारे में जिक्र किया है। किताब में वो बताते हैं कि कैसे 37 साल की उम्र में एक भारतीय ने अमेरिका में करोड़ों डॉलर की संपत्ति बना ली।
- **इंदिरा गांधी के कहने पर अमेरिका से वापस लौटे पित्रोदा-** सैम पित्रोदा कांग्रेस पार्टी से इंदिरा गांधी के समय जुड़े। 1980 में सैम किसी काम से अमेरिका से दिल्ली आए थे। वो दिल्ली के ताज होटल में रुके हुए थे। यहां पहुंचते ही सैम ने अपनी पत्नी को टेलीफोन करने की कोशिश की, लेकिन उनकी बात नहीं हो पाई। इस दौरान उन्होंने खिड़की से नीचे देखा तो लोग खराब टेलीफोन व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे थे। उसी समय सैम ने संकल्प लिया कि वो भारत में टेलीफोन व्यवस्था को ठीक करेंगे।
- 1981 में सैम ने टेली कम्युनिकेशन सिस्टम को मॉडर्न बनाने के बारे में सोचा। 1984 में इंदिरा गांधी ने पित्रोदा से भारत वापस आने की गुजारिश की और वो वापस लौट आए। इसके बाद उन्होंने सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स नाम की संस्था भी शुरू की। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ सैम पित्रोदा। सैम राजीव गांधी को अपना सबसे खास दोस्त मानते थे। पित्रोदा ने इंदिरा गांधी के साथ कई प्रोजेक्ट पर काम किया। उन्होंने इंदिरा गांधी और उनके मंत्रिमंडल के सामने एक घंटे का प्रेजेंटेशन दिया। सैम ने यहां हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर डिजाइन को लेकर चर्चा की। इंदिरा ने उन्हें कहा कि शहरी दूरसंचार के विपरीत ग्रामीण दूरसंचार पर ध्यान देना होगा।
- **भारत के हर नागरिक के हाथ में टेलीफोन पहुंचाना है-** पित्रोदा को 1980 के दशक में भारत की दूरसंचार और प्रौद्योगिक क्रांति की नींव रखने का श्रेय दिया जाता है। सैम पित्रोदा खुद बताते हैं कि राजीव गांधी ने उन्हें एक चुनौती देते हुए कहा कि प्रत्येक भारतीय तक टेलीफोन को पहुंचाना है। सैम ने 23 वर्ष की औसत उम्र वाले युवाओं के साथ एक छोटी टीम बनाई और खुद का मॉडल बनाना शुरू किया। उस समय भारत में कोई इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्शन इंडस्ट्री नहीं थी, ऐसे में उनकी टीम ने कनेक्टर, सर्किट बोर्ड, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर खुद बनाए। कुछ ही महीनों के बाद भारत के हर गली-कूचे में एसडीटी या

पीसीओ बूथ दिखने लगे। धीरे-धीरे टेलीफोन भारतीय लोगों के बातचीत का केंद्र बनने लगा। सैम के मुताबिक हमने पहले ग्रामीण एक्सचेंज बनाया और फिर बड़ा डिजिटल एक्सचेंज बनाया। फिर देश में दूरसंचार क्रांति शुरू हो गई। लोगों ने टेलीफोन को अपनाया और यह उनकी जरूरत बनने लगा। बाद में उनकी टीम में 10 हजार से अधिक लोगों ने काम किया। उन्होंने अपने आत्मकथा में विस्तार से बताया है कि कैसे उन्होंने भारत वापस आकर टेलीफोन के माध्यम से पूरे देश को जोड़ने का काम किया।

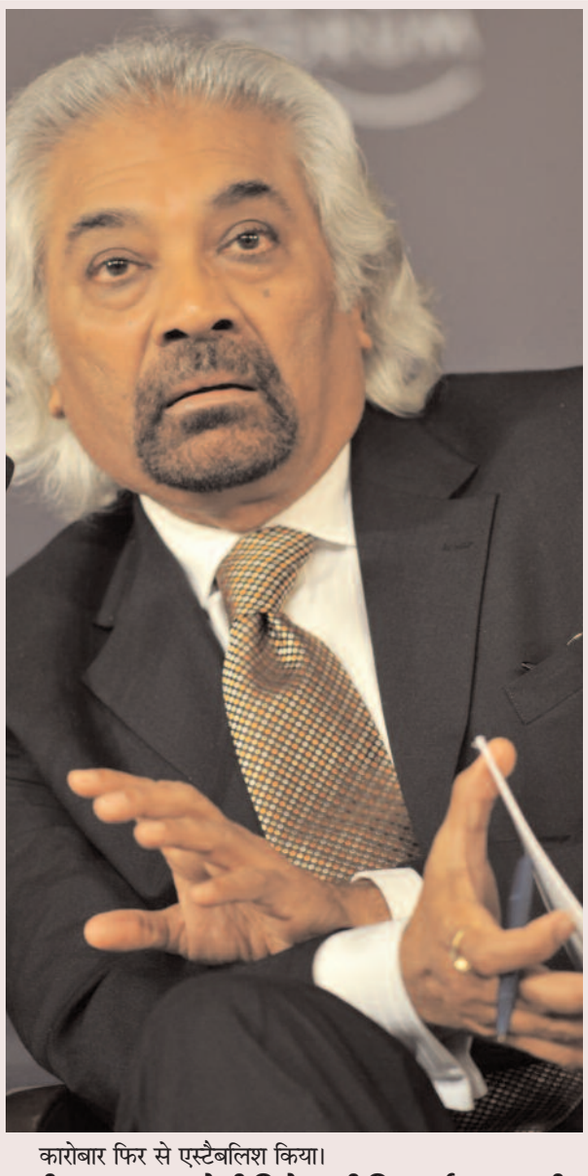

- **इंदिरा की हत्या के बाद राजीव गांधी के सलाहकार बने सैम पित्रोदा-** इंदिरा गांधी की हत्या के बाद पित्रोदा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के सलाहकार बने। उन्हें राजीव गांधी का करीबी कहा जाता था। इस दौरान उन्होंने टेलिकॉम, पानी, जल जैसे छह टेक्नोलॉजी प्रोजेक्ट का नेतृत्व किया था। राजीव गांधी के शासनकाल में पित्रोदा ने भारत में आईटी उद्योग के विकास में मदद के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार के साथ मिलकर काम किया था। हालांकि राजीव गांधी की हत्या के बाद पित्रोदा एक बार फिर से अमेरिका चले गए। शिकागो में अपना कारोबार फिर से फैलाना शुरू कर दिया। उन्होंने अमेरिका की नागरिकता भी ले ली। सैम एक इंटरव्यू में बताते हैं कि राजीव की हत्या के बाद मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि अब क्या किया जाए। मेरे पास कुछ नहीं था, मेरे सारे पैसे भी खत्म हो चुके थे। मैंने पिछले दस साल में कोई वेतन भी नहीं लिया था। मैंने सोचा कि अब वापस अमेरिका जाने का समय आ चुका है। वहां उन्होंने अपना कारोबार फिर से एस्टैबलिश किया।

यूपीए सरकार आते ही पित्रोदा की फिर हुई घर वापसी

2004 के चुनाव में देश में एक बार फिर से यूपीए गठबंधन के साथ कांग्रेस की सरकार आई। नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पित्रोदा को भारत आने का न्योता दिया। एजुकेशन इंस्टीट्यूट और इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पित्रोदा 2004 में दूसरी बार भारत लौटे। भारत आने पर उन्हें नेशनल नॉलेज कमीशन का अध्यक्ष बनाया गया। इस पद पर पित्रोदा 2005 से 2009 तक रहे। 2009 में यूपीए की सरकार फिर से केंद्र में आई और पित्रोदा एक बार फिर पीएम मनमोहन सिंह के सलाहकार बने।

- **तीन प्रधानमंत्रियों के साथ पित्रोदा ने काम किया-** 2010 में पित्रोदा ने नेशनल इनोवेशन काउंसिल की स्थापना की। साथ ही तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सलाहकार के रूप में कार्य किया। उसी वर्ष उन्हें नेशनल इनोवेशन काउंसिल का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया। उन्होंने भारत के तीन प्रधानमंत्रियों के लिए काम किया है, जिसमें इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह शामिल हैं। उन्होंने वर्षों तक पार्टी के घोषणापत्र और राजनीतिक रणनीतियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी वेबसाइट के अनुसार, पित्रोदा के पास लगभग 20 ऑनरेरी पीएचडी , लगभग 100 वर्ल्डवाइड पेटेंट हैं। साथ ही उन्होंने 5 किताबें और कई शोधपत्र प्रकाशित किए हैं। पित्रोदा टेलिकम्युनिकेशन इंजीनियर और बिजनसमैन भी हैं। अमेरिका और यूरोप में उनके कई बिजनेस हैं। 2013 में उन्हें राष्ट्रपति द्वारा राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का कुलाधिपति नियुक्त किया गया था। साथ ही 2017 में पित्रोदा लिथियम मेटल क्लीन टेक्नोलॉजी कंपनी अल्फा-एन कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष बने।

● सैम पित्रोदा के 7 विवादित बयान, जिनसे कांग्रेस की फजीहत हुई

- **दक्षिण के लोग अफ्रीकी जैसे और पूर्वोत्तर के चाइनीज-** सैम पित्रोदा का ये सबसे लेटेस्ट विवादित बयान है। सैम पित्रोदा ने अंग्रेजी अखबार द स्टेट्समैन को दिए एक इंटरव्यू में कहा, हम 75 साल बहुत खुशहाल माहौल में रहे हैं। लोग इधर-उधर के झगड़ों को छोड़कर एक साथ रहते थे। हम भारत जैसे विविधता वाले देश को एक साथ रख सकते हैं। जहां ईस्ट के लोग चाइनीज जैसे, वेस्ट के लोग अरेबिनय जैसे, नॉर्थ के लोग गोरे जैसे और साउथ के लोग अफ्रीकन जैसे दिखते हैं। पित्रोदा की नस्लवादी टिप्पणी के कुछ घंटे बाद ही पीएम मोदी ने वारंगल में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, आज बहुत गुस्से में हूं। कोई गाली दे, मुझे गुस्सा नहीं आता। सहन कर लेता हूं। लेकिन आज शहजादे के फिलॉसफर (सैम पित्रोदा) ने इतनी बड़ी गाली दी है, जिसने मुझमें गुस्सा भर दिया है। कोई मुझे ये बताए कि क्या मेरे देश में चमड़ी के आधार पर योग्यता तय होगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सैम पित्रोदा ने भारत की विविधताओं की जो उपमाएं दी हैं, वह गलत और अस्वीकार्य है। इसके बाद पित्रोदा ने कांग्रेस ओवरसीज पद से इस्तीफा दे दिया।
- **अमेरिका का विरासत कर अच्छा, भारत में भी चर्चा करनी चाहिए-** सैम पित्रोदा ने शिकागो से न्यूज एंजेसी को इंटरव्यू देते हुए कहा, अमेरिका में विरासत कर लगता है। इसके तहत अगर किसी व्यक्ति के पास 10 करोड़ डॉलर की संपत्ति है तो उसके मरने के बाद बच्चों को केवल 45 फीसदी संपत्ति दी जाती है, बाकी 55 फीसदी संपत्ति सरकार ले लेती है।उन्होंने आगे कहा कि यह एक दिलचस्प कानून है। यह कहता है कि आपने अपने जीवन में संपत्ति बनाई है। अब आप जा रहे हैं तो आपको अपनी संपत्ति जनता के लिए छोड़नी चाहिए। पूरी नहीं बल्कि आधी, जो मुझे अच्छा लगता है। लेकिन भारत में ऐसा नहीं होता है। यहां अगर किसी के पास 10 अरब रुपए की संपत्ति है। उसके मरने के बाद सारी संपत्ति बच्चों की हो जाती है। जनता को कुछ नहीं मिलता। मुझे लगता है कि लोगों को इस तरह के मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। मुझे नहीं पता कि इस चर्चा का क्या निष्कर्ष निकलेगा। लेकिन जब हम संपत्ति के पुनर्वितरण की बात करते हैं तो हम जनता के हित में नई नीतियों की बात करते हैं, ना कि सिर्फ अमीरों की।

छत्तीसगढ़ में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैम पित्रोदा के संपत्ति के बंटवारे वाले बयान का जिक्र करते हुए कहा, जब तक आप जीवित रहेंगे, तब तक कांग्रेस आपको ज्यादा टैक्स से मारेगी और जब जीवित नहीं रहेंगे तो आप पर विरासत कर का बोझ लाद देगी। उन्होंने कहा कि पूरी कांग्रेस को अपनी पैतृक संपत्ति मानकर जिन लोगों ने अपने बच्चों को दे दी, अब वो नहीं चाहते कि भार?तीय अपनी संपत्ति अपने बच्चों को दें।

मंदिर रोजगार पैदा नहीं करते हैं

जून 2023 में सैम पित्रोदा ने अमेरिका में एक कार्यक्रम में कहा, मंदिरों से भारत की बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा। कोई भी इन चीजों पर बात नहीं करता, लेकिन हर कोई राम, हनुमान और मंदिर की बात करता है। मैंने पहले भी कहा था कि मंदिर रोजगार पैदा नहीं करने जा रहे हैं। बता दें कि जब पित्रोदा ने ये बयान दिया उस समय कार्यक्रम में राहुल गांधी भी मौजूद थे।

पित्रोदा के इस बयान की भाजपा ने आलोचना की। साथ ही सैम पित्रोदा और राहुल गांधी को हिंदू विरोधी बताया। हालांकि, कांग्रेस ने पित्रोदा के इस बयान से खुद को अलग करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी पार्टी के रुख को नहीं दर्शाती।

बालाकोट एयरस्ट्राइक के सबूत

2019 लोकसभा चुनाव से पहले भी सैम पित्रोदा ने पुलवामा अटैक के बाद हुए बालाकोट एयरस्ट्राइक पर सवाल उठाए थे। पित्रोदा ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर इंडियन एयरफोर्स के हमले में 300 से अधिक आतंकियों के मारे जाने का सबूत मांगा। उन्होंने कहा था कि अगर इंडियन एयरफोर्स ने 300 लोगों को मारा तो ठीक है। मैं ये कहना चाहता हूं कि क?या आप और तथ?य देकर इसे साबित कर सकते है। पित्रोदा के बयान पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, विपक्ष हमारी सेनाओं का अपमान कर रहा है। देश की जनता उन्हें माफ नहीं करेगी। साथ ही प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए पूछा, क्या यह राष्ट्रीय हित से ऊपर हो सकता है? उन्होंने यह बयान भाजपा के उस आरोप के जवाब में दिया, जिसमें 84 के दंगों में राजीव गांधी की कथित भूमिका होने के बारे में कहा गया था।

1984 में जो हुआ तो हुआ

मई 2019 में हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के एक कार्यक्रम के दौरान सैम पित्रोदा ने 1984 के सिख विरोधी दंगे पर कहा, अब क्या है 84 का? आपने (नरेंद्र मोदी) पांच साल में क्या किया, उसकी बात कीजिए। 84 में जो हुआ तो हुआ, आपने क्या किया। आपको रोजगार देने के लिए वोट दिया गया था। आपको 200 स्मार्ट सिटी बनाने के लिए वोट दिया गया था, आपने वो भी नहीं किया। आपने कुछ नहीं किया, इसलिए आप यहां-वहां गप्प लगाते हैं।

लोकसभा चुनाव 2019 के छठे चरण के प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पित्रोदा के 84 में हुआ तो हुआ बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। हरियाणा के रोहतक में रैली के दौरान पीएम मोदी कई बार हुआ तो हुआ दोहराते हुए कहा, हम तीन शब्दों से उन लोगों के अहंकार को बहुत आसानी से समझ सकते हैं जो कांग्रेस चला रहे हैं। पीएम ने पित्रोदा को गांधी परिवार का करीबी और राजीव गांधी का मित्र बताया था। हालांकि, बाद में राहुल गांधी ने पित्रोदा के बयान की निंदा की और कहा कि पित्रोदा को माफी मांगनी चाहिए। बढ़ते विवाद को देखते हुए सैम पित्रोदा ने माफी मांग ली। उन्होंने कहा कि मैंने जो बयान दिया, उसे पूरी तरीके से तोड़ मरोड़कर पेश किया गया। मेरी हिंदी अच्छी नहीं है, इसे दूसरे संदर्भ में लिया गया।

- **संविधान बनाने में अंबेडकर से ज्यादा नेहरू का योगदान-** जनवरी 2024 में सैम पित्रोदा ने एक्स पर भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के पूर्व सहयोगी सुधींद्र कुलकर्णी का एक लेख शेयर किया था। इसमें कहा गया था कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने संविधान के निर्माण में अंबेडकर से अधिक योगदान दिया है।पोस्ट में लिखा, संविधान और इसकी प्रस्तावना में किसने अधिक योगदान दिया? नेहरू ने, अंबेडकर ने नहीं। आगे लिखा गया कि बाबासाहेब का दिया हुआ संविधान- डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के जनक हैं, यह हमारे देश के आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा मिथ्याकरण है। हालांकि बाद में पित्रोदा ने पोस्ट को डिलीट कर दिया, लेकिन एक बार फिर विवाद शुरू हो गया। भाजपा ने पित्रोदा पर राहुल गांधी की भाषा बोलने का आरोप लगाया। साथ ही कांग्रेस को दलित विरोधी पार्टी बताया। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर अपना 'दलित-विरोधी' चेहरा उजागर किया है।
- **मध्यम वर्ग को स्वार्थी नहीं होना चाहिए-** अप्रैल 2019 में सैम पित्रोदा ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा था कि मध्यम वर्ग को स्वार्थी नहीं होना चाहिए।

आखिर क्यों अमेरिका ने नागासाकी पर गिराया था परमाणु बम?

छह अगस्त, 1945 को जापान के हिरोशिमा पर पहला परमाणु बम गिराया गया। बताया गया कि परमाणु बम के धमाके के बाद हिरोशिमा में 13 वर्ग किलोमीटर के इलाके में तबाही मच गई। एक झटके में हजारों लोगों की मौत हो गई। इससे होने वाली नुकसान का जब तक पूरा अंदाजा लगाया जाता, उससे पहले ही जापान के एक दूसरे शहर नागासाकी पर भी अमेरिका ने परमाणु बम गिराया। नागासाकी पर नौ अगस्त, 1945 को परमाणु बम गिराया गया। हालांकि नागासाकी पर परमाणु हमला तय नहीं था। फिर ऐसा क्या हुआ जिसकी वजह से यह शहर निशाना बन गया?

आठ अगस्त, 1945 की रात बीत चुकी थी, अमेरिका के बमवर्षक बी-29 सुपरफोर्टेस बॉक्स पर एक बम लदा हुआ था। यह बम किसी भीमकाय तरबूज-सा था और वजन था 4050 किलो। बम का नाम विंस्टन चर्चिल के संदर्भ में फैट मैन रखा गया। इस दूसरे बम के निशाने पर था औद्योगिक नगर कोकुरा। यहां जापान की सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा गोला-बारूद बनाने वाली फैक्ट्रियां थीं। सुबह नौ बजकर पचास मिनट पर नीचे कोकुरा नगर नजर आने लगा। इस समय बी-29 विमान 31,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। बम इसी ऊंचाई से गिराया जाना था, लेकिन नगर के ऊपर बादलों का डेरा था। बी-29 फिर से घूम कर कोकुरा पर आ गया। लेकिन जब शहर पर बम गिराने की बारी आई तो फिर से शहर पर धुंए का कब्जा था और नीचे से विमान-भेदी तोपें आग उगल रहीं थीं।

बी-29 का ईंधन खतरनाक तरीके से घटता जा रहा था। विमान में सिर्फ इतना ही ईंधन बचा था कि वापस पहुंच सकें। इस अभियान के ग्रुप कैप्टन लियोनार्ड चेशर ने बाद में बताया, हमने सुबह नौ बजे उड़ान शुरू की। जब हम मुख्य निशाने पर पहुंचे तो वहां पर बादल थे। तभी हमें इसे छोड़ने का संदेश मिला और हम दूसरे लक्ष्य की ओर बढ़े जो कि नागासाकी था। चालक दल ने बम गिराने वाले स्वचालित उपकरण को चालू कर दिया और कुछ ही क्षण बाद भीमकाय बम तेजी से धरती की ओर बढ़ने लगा। 52 सेकेंड तक गिरते रहने के बाद बम पृथ्वी तल से 500 फुट की उंचाई पर फट गया। घड़ी में समय था 11 बजकर 2 मिनट। आग का एक भीमकाय गोला मशरुम की शक्ल में उठा। गोले का आकार लगातार बढ़ने लगा और तेजी से सारे शहर को निगलने लगा। नागासाकी के समुद्र तट पर तैरती नौकाओं और बंदरगाह में खड़ी तमाम नौकाओं में आग लग गई। आस पास के दायरे में मौजूद कोई भी व्यक्ति यह जान ही नहीं पाया कि आखिर हुआ क्या है, क्योंकि वो इसका आभास होने से पहले ही मर चुके थे। शहर के बाहर कुछ ब्रितानी युद्धबंदी खदानों मे काम कर रहे थे, उनमें से एक ने बताया, पूरा शहर निर्जन हो चुका था, सन्नाटा। हर तरफ लोगों की लाशें ही लाशें थी। हमें पता चल चुका था कि कुछ तो असाधारण घटा है। लोगों के चेहरे, हाथ-पैर गल रहे थे, हमने इससे पहले परमाणु बम के बारे में कभी नहीं सुना था। नागासाकी शहर के पहाड़ों से घिरे होने के कारण केवल 6.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में ही तबाही फैल पाई। बाद के अनुमानों में बताया गया कि हिरोशिमा में एक लाख 40 हजार लोगों की मौत हुई थी, जबकि नागासाकी में हुए धमाके में करीब 74 हजार लोगों की मौत हुई।

वैज्ञानिकों के लिए अनसुलझी पहेली बना हुआ है कैस्पियन सागर

कैस्पियन सागर विश्व का सबसे बड़ा सागर है। आज भले ही मानव चाँद की यात्रा कर चुका हो, लेकिन प्रकृति आज भी लोगों के लिए रहस्य और वैज्ञानिकों के लिए अनसुलझी पहेली बनी हुई है। दुनिया भर में मशहूर कई झीलें और सागर अपने विशालकाय आकार-प्रकार की वजह से किसी रहस्य से कम नहीं हैं। उन्हीं में एक है- कैस्पियन सागर। यह सागर अपने भीतर कई हैरतअंगेज दास्तान समेटे हुए है।

स्थिति तथा क्षेत्रफल

विश्व के सबसे बड़े इस सागर का वर्तमान क्षेत्रफल 1,43,000 वर्ग मील यानी 3,71,000 वर्ग किलोमीटर है। वैज्ञानिकों के अनुसार पर्यावरण असंतुलन के कहर से यह सागर भी अछूता नहीं रहा है और धीरे-धीरे सिकुड रहा है। वर्ष 1994-1950 के दशक में इसका क्षेत्रफल 1,69,000 यानी 4,38,000 वर्ग किलोमीटर था। ताजा आकड़ों के मुताबिक़, कैस्पियन सागर 750 मीटर यानी 1200 किलोमीटर लम्बा और 480 किलोमीटर चौड़ा है, जबकि 3000 फुट से ज्यादा गहरा है। भूवैज्ञानिकों के अनुसार किसी समय यह अराल सागर से जुड़ा हुआ था, जो एक खारा सागर है।

मुख्य नदियाँ

कैस्पियन सागर के पूर्व, उत्तर तथा पश्चिम में सोवियत संघ तथा दक्षिण में ईरान स्थित है। इसका पानी अन्य सागरों की अपेक्षा कम खारा है। कुछ भागों में इसकी गहराई बहुत अधिक और कुछ में बिल्कुल कम है। इसका तल अन्य सागरों की अपेक्षा नीचा है। प्राचीन काल में वंक्षु (आक्सस) नदी इसी में गिरती थी; अब इसमें बाल्गा, कूरा, यूराल आदि नदियाँ गिरती है। इसमें उपयोगी मछलियाँ पाई जाती है, अत- आस-पास मत्स्य उद्योग की प्रधानता है। नाविकों को यहाँ सागर यात्रा का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। अस्त्राखान, बाकू तथा अस्त्राबाद इसके मुख्य पत्तन है। इस सागर में संपूर्ण वर्ष नौपरिवहन कठिन तथा भयावह रहता है। सोवियत संघ ने कैस्पियन सागर में युद्धपोतों का एक बेड़ा रखा है और अपना नौसेना केंद्र क्रैसनोवोटस्क में स्थापित किया है। नदियों तथा नहरों के माध्यम से इसका सीधा जल यातायात संबंध, काला सागर, बाल्टिक सागर तथा श्वेत सागर से कर दिया गया है।

तटवर्ती देश

सागर के आस-पास का क्षेत्र आमतौर पर पर्वतीय है। लेकिन अपवाद के तौर पर बाल्गा नदी के मुहाने पर एक डेल्टा भी है। कैस्पियन का सबसे नमकीन या खारा भाग कारा-बोगज-गोल है। यहाँ के संकरे चैनल के जरिए कैस्पियन के मुख्य भाग से जुड़ी हुई खाड़ी है, जिसमें हमेशा पानी की बहुत ही शक्तिशाली लहरें बनती हैं। कैस्पियन का आकर्षण और विशालकाय क्षेत्रफल सिकंदर महान् और मार्को पोलो को अपने निकट खींच लाया था। यह कई देशों को जोड़ता है तो कई देशों की अर्थव्यवस्था का मेरूदंड भी है। यह पूर्व सोवियत गणराज्यों रूस, कज़ाकिस्तान, अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान से घिरा है तो यूरोप से एशिया पूर्व तक फैला हुआ है। इसके दक्षिण में ईरान है। कैस्पियन सागर के किनारे कुल पचास द्वीप हैं, जिसके किनारे प्रमुख व्यापारिक मार्ग हैं। इसके किनारे बाकू सबसे बड़ा पोर्ट सिटी है, जो अजरबैजान की राजधानी है। कैस्पियन सागर का पानी हल्का खारा है। यह समुद्र तट की ऊंचाई से 28 मीटर नीचे है। इसकी सुंदरता की तुलना ग्रीक के देवता अपोलो से की जाती है।

कैस्पियन के दावेदार

कैस्पियन सागर आज कई देशों के बीच विवाद का विषय भी बना हुआ है। इस सागर पर दावेदारी करने वाले प्रमुख देश हैं-

- रूस
- अज़रबैजान
- ईरान
- तुर्कमेनिस्तान
- कजाकिस्तान

कैस्पियन सागर पर कुछ देशों के अधिकार क्षेत्र को लेकर खड़े हुए विवाद को लेकर मॉस्को में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ था। कैस्पियन सागर ज़मीन से घिरा दुनिया का सबसे बड़ा सागर है और दस वर्ष पहले तक ये ईरान और सोवियत संघ के बीच बँटा हुआ था, लेकिन अब इस सागर के जल, तेल के बेशकीमती भंडार और भारी मांग वाली स्टर्जन मछलियों पर पाँच देश दावा कर रहे हैं।

कैस्पियन सागर का निर्माण

कैस्पियन सागर के आसपास के देश पांच देश हैं - रूस, ईरान, अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान और कजाकिस्तान। कैस्पियन सागर दुनिया का सबसे बड़ा अंतर्देशीय जल निकाय है, जिसका सतह क्षेत्र लगभग 392,600 वर्ग किलोमीटर है। हालाँकि, इसे दुनिया की सबसे बड़ी झील या पूर्ण समुद्र के रूप में भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि कैस्पियन सागर का निर्माण टेक्टोनिक गतिविधि के परिणामस्वरूप हुआ है।

- कैस्पियन सागर 5.5 मिलियन वर्ष पहले (अंतिम मियोसीन युग के दौरान) प्राचीन पैराथेथिस सागर का हिस्सा था और टेक्टोनिक उत्थान और समुद्र के स्तर में गिरावट के परिणामस्वरूप भूमि से घिरा हुआ हो गया।
- इस प्रकार, कैस्पियन सागर का समुद्री तल महाद्वीपीय ग्रेनाइट के बजाय समुद्री बेसाल्ट से बना है।
- प्लियोसीन के दौरान, कैस्पियन सागर एक अपेक्षाकृत छोटी एंडोरहिक झील थी, लेकिन प्लियोसीन-प्लीस्टोसीन संक्रमण के समय इसका सतह क्षेत्र पांच गुना बढ़ गया।
- हालाँकि, समुद्र के स्तर और जलवायु में परिवर्तन के कारण समय के साथ कैस्पियन सागर का आकार और आकार काफी बदल गया है।
- चूँकि कैस्पियन सागर में कोई बहिर्प्रवाह नहीं है, इसलिए इसमें प्रवेश करने वाला कोई भी पानी या तो जमीन द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है या वाष्पित हो जाता है, जिससे पानी खारा हो जाता है।
- कैस्पियन सागर का पानी न तो पूरी तरह से मीठा है और न ही पूरी तरह से खारा है, जिससे यह खारा जल निकाय बन जाता है।
- ईरानी तट समुद्र के उत्तरी भाग की तुलना में अधिक खारा है।
- इसकी औसत लवणता महासागरों की औसत लवणता का एक-तिहाई है।

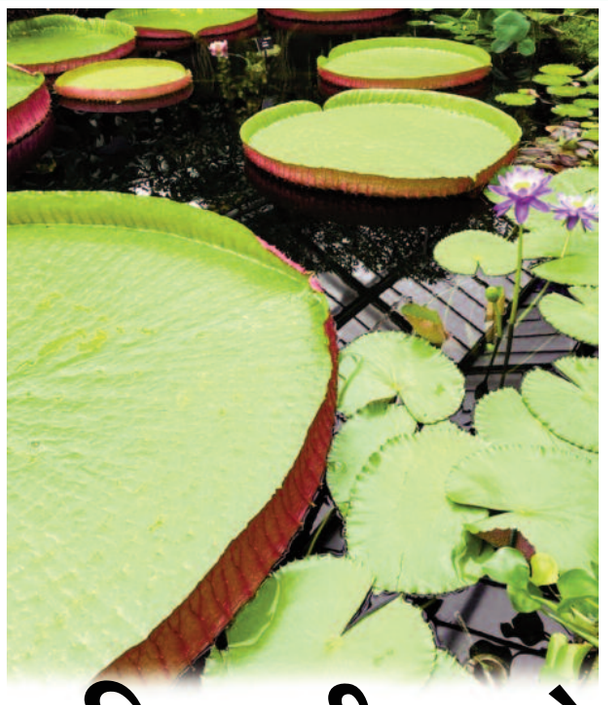

दुनिया की सबसे बड़ी वॉटर लिली विक्टोरिया एमाजोनिका

विक्टोरिया एमाजोनिका नाम के इस पौधे के बीजों का मखाने की तरह खाने में उपयोग किया जाता है। इस पौधे को 1801 में ब्राजील की अमेजन नदी में पहली बार देखा गया।

इस फूल की पत्तियां पूरी 6 मीटर चौड़ी होती हैं। पहली रात को तो इसका फूल सफेद होता है लेकिन बाद में धीरे-धीरे इसका रंग गुलाबी हो जाता है। दरअसल यह एक बेहद सुंदर फूल है जो हर 14 साल में एक बार खिलता है। इसके नाम के पीछे भी बड़ी दिलचस्प कहानी है. क्वीन विक्टोरिया को इंप्रेस करने के लिए उनके मालियों में होड़ लगी रहती है। एक माली को जब इस अजीबोगरीब फूल का पता चला, तो उन्होंने इसे विक्टोरिया का नाम दे डाला।

तीन मीटर से अधिक व्यास की पत्ती वाला यह पौधा जहां एक नजर में अपनी ओर आकर्षित कर लेता है, वहीं इसकी पत्ती के वृहद होने का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि इस पर 30-30 किलो के चार बच्चे एक साथ बैठ सकते हैं। इसके पत्ते की गोलाई साढ़े तीन मीटर होती है। वैज्ञानिकों ने इसे गार्डन के अजूबा श्रेणी में रखा है। विक्टोरिया एमाजोनिका नाम के इस पौधे के बीजों का मखाने की तरह खाने में उपयोग किया जाता है। इसमें प्रोटीन के साथ आयरन, जिंक, मिनरल काफी मात्रा में पाया जाता है। देश में अभी तक यह कोलकाता के बॉटेनिकल गार्डन में संरक्षित है।

पहली बार अमेजन नदी में देखा गया यह पौधा

इस पौधे को 1801 में ब्राजील की अमेजन नदी में पहली बार देखा गया। अमेजन नदी जैव विविधता में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है। पानी में उगने वाले इस पौधे को मखाने का चचेरा भाई भी कहा जाता है। अप्रैल व मई के महीने में इसके बीज को उगने के लिए डाला जाता है। गर्मी खत्म होने के साथ बीज अंकुरित होने लगते है। इसका फूल खिलने का भी अंदाज बिलकुल अलग है। सर्दी के महीने में पहली रात में इसका फूल सफेद रंग का होता है। दूसरी रात में यह गुलाबी हो जाता है। तीसरी रात में यह पानी में वापस समा जाता है और यहीं पर उसका फल तैयार होता है। एक पौधे से पांच सौ से अधिक बीज तैयार होते हैं। ये बीज पानी में ही गिर जाते हैं और यहीं से उन्हें गोताखोरों के द्वारा निकाला जाता है।

1851 में इस पर पहली बार खिला था फूल

बॉटनिकल गार्डन के वैज्ञानिक बताते हैं कि यह एक विशेष प्रकार का पौधा है। इसकी पत्ती की अपनी विशेषता है। यह जहां आकार में बड़ी होती है वहीं इस पत्ती की डंडी भी साढ़े सात मीटर होती है। 1851 में पहली बार इस पर फूल खिला था। जिसे इंग्लैड की महारानी विक्योरिया को भेंट किया गया था। तभी से इसका नाम विक्टोरिया एमाजोनिका पड़ा। करीब सौ वर्ष पहले इसे भारत में कोलकाता के बॉटेनिकल गार्डन में लाया गया था। इसकी पत्ती का व्यास अधिक होने के कारण इसकी खेती नहीं की जाती है, क्योंकि यह पानी में जगह अधिक घेरती है। इसके बीज को मखाने की तरह ही खाया जाता है।

कैस्पि लोगों के नाम पर मिला है कैस्पियन सागर का नाम

कैस्पियन सागर को इसका नाम कैस्पि लोगों के नाम पर मिला जो दक्षिण काकेशस में रहते थे। हालाँकि, फारसियों और यूनानियों द्वारा समुद्र को हिरकेनियन महासागर के रूप में जाना जाता था। यूपीएससी परीक्षा के लिए कैस्पियन सागर के बारे में कुछ प्रमुख तथ्य यहां दिए गए हैं;

- कैस्पियन बेसिन में तेल और गैस भी प्रचुर मात्रा में हैं।
- इस क्षेत्र में तेल की खोज सबसे पहले 1873 में शुरू हुई थी।
- कैस्पियन सागर पांच पड़ोसी देशों के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग के रूप में कार्य करता है।
- बाकू (अज़रबैजान) कैस्पियन सागर पर सबसे बड़ा बंदरगाह और अबशेरोन प्रायद्वीप के दक्षिणी तट पर सबसे बड़ा राजधानी शहर है।
- नौशहर, ईरान, कैस्पियन के किनारे एक और महत्वपूर्ण शहर है।
- ऑर्गुजा एडा कैस्पियन सागर में सबसे बड़ा द्वीप है, साथ ही तुर्कमेनिस्तान में भी सबसे बड़ा द्वीप है।
- पश्चिमी कैस्पियन सागर तट पूर्वी की तुलना में अधिक विकसित है।
- अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा 13 देशों (भारत सहित, और तुर्कमेनिस्तान को छोड़कर चार कैस्पियन देशों) को जोड़ने वाला एक मल्टी-मॉडल परिवहन गलियारा है, जिसे सदस्य राज्यों के बीच परिवहन सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 2000 में स्थापित किया गया था।
- आईएनएसटीसी हिंद महासागर और फारस की खाड़ी को ईरान के माध्यम से कैस्पियन सागर और फिर रूस के माध्यम से सेंट पीटर्सबर्ग और उत्तरी यूरोप से जोड़ता है।
- कैस्पियन सागर की सीमा से लगे देश तेल और गैस जैसे खनिज संसाधनों पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह उनके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 10% और कुल निर्यात का 40% है।
- कैस्पियन सागर की कानूनी स्थिति कई वर्षों से पांच सीमावर्ती देशों के बीच बहस का विषय रही है।
- कैस्पियन सागर को कई वर्षों से समुद्र के बजाय झील के रूप में वर्गीकृत किया गया है, और इस प्रकार कोई अंतरराष्ट्रीय कानून लागू नहीं होता है (समुद्र संयुक्त राष्ट्र के समुद्री कानून द्वारा शासित होते हैं)।
- हालाँकि, 12 2018 को, पांच देशों ने कैस्पियन सागर की कानूनी स्थिति पर कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए, जिसने समुद्र को एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के रूप में स्थापित किया और इसकी कानूनी स्थिति से संबंधित कुछ बकाया मुद्दों का समाधान किया।

संक्षिप्त समाचार

एफटीए भागीदारों को 14.48 प्रतिशत बढ़ा भारत का निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले देशों को निर्यात 2018-19 से 2023-24 के बीच यानी छह साल में 14.48 फीसदी बढ़कर 122.72 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों को 107.20 अरब डॉलर का निर्यात किया था। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, छह साल की इस अवधि में एफटीए भागीदारी वाले देशों से भारत का आयात 37.97 फीसदी बढ़कर 187.92 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों से 136.20 अरब डॉलर का माल आयात किया था। यह वृद्धि भारत की वैश्विक व्यापार गतिशीलता पर एफटीए के महत्वपूर्ण और विविध प्रभाव को दर्शाती है। भारत का वैश्विक व्यापार में 1.8 फीसदी हिस्सा है। यह निर्यात में दुनियाभर में 17वें स्थान पर है। आयात के मोर्चे पर भारत वैश्विक व्यापार में 2.8 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 8वें स्थान पर है।2023-24 में भारत का निर्यात 3.11 फीसदी घटकर 437.1 अरब डॉलर रहा।आयात भी 5.4 फीसदी गिरकर 677.2 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 में भारत ने यूएई को 35.63 अरब डॉलर का निर्यात किया। यह आंकड़ा 2018-19 के 30.13 अरब डॉलर से 18.25 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में यूएई से भारत का आयात 29.79 अरब डॉलर से 61.21 फीसदी बढ़कर 48.02 अरब डॉलर पहुंच गया। दोनों देशों के बीच एफटीए मई 2022 में लागू हुआ था। इसी प्रकार, 2018-19 से 2023-24 के बीच जापान, ऑस्ट्रेलिया, 10 देशों वाले दक्षिणपूर्व एशियाई गुट आसियान और दक्षिण कोरिया के साथ भी एफटीए के बाद निर्यात-आयात में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

मिनी रत्न कंपनी को यूरोप से मिला बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। मिनी रत्न कंपनी कोचीन शिपयार्ड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कोचीन शिपयार्ड के शेयर मंगलवार को 8 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 1294.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल एक बड़ा ऑर्डर मिलने की वजह से आया है। कोचीन शिपयार्ड को यह ऑर्डर एक यूरोपियन क्लाइंट से हाइब्रिड सर्विस ऑपरेशन वेसेल्स के लिए मिला है। कंपनी ने इस ऑर्डर को लॉर्ज वैल्यू कैटेगरी में रखा है। कंपनी के मुताबिक, लॉर्ज ऑर्डर 500 से 1000 करोड़ रुपये की रेंज में होते हैं। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के शेयरों में पिछले 6 महीने में जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयरों में पिछले 6 महीने में निवेशकों का पैसा दोगुना से ज्यादा हो गया है। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के शेयर 15 नवंबर 2023 को 549.05 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 14 मई 2024 को 1294.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 6 महीने में मिनी रत्न कंपनी कोचीन शिपयार्ड के शेयरों में 135 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई है। वहीं, इस साल अब तक कोचीन शिपयार्ड के शेयर 90 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को 681.53 रुपये पर थे। कोचीन शिपयार्ड के शेयर 14 मई 2024 को 1294.05 रुपये पर पहुंच गए हैं।

हल्दीराम पर ब्लैकस्टोन सहित दिग्गज कंपनियों की नजर, हजारों करोड़ रुपये की होगी डील !

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे चर्चित कंपनियों में से एक हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में मालिकाना हक खरीदने के लिए दुनिया की दिग्गज कंपनियों की निगाह है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट इक्विटी फंड ब्लैकस्टोन अबु धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और जीआईसी सिंगापुर ने मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदने के लिए पिछले हफ्ते कंपनी को प्रस्ताव भेजा था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड की वैल्यूएशन 8 बिलियन से 8.5 बिलियन डॉलर (66,400 करोड़ रुपये से 70,500 करोड़ रुपये) तक आंकी गई है। बता दें, यहां हल्दीराम के दिल्ली और नागपुर बिजनेस में हिस्सेदारी खरीदने की बात हो रही है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार ब्लैकस्टोन और उनके सहयोगियों के अलावा बेन कैपिटल की निगाह भी हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड पर है। बेन कैपिटल ने हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड से कई बार को लेकर बात भी की है। लेकिन अभी तक बात नहीं बन पाई।

रिपोर्ट के अनुसार ब्लैकस्टोन और उनके सहयोगी मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में 74 प्रतिशत से 76 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदना चाहते हैं। लेकिन ब्लैकस्टोन के सहयोगी अबुधाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और जीआईसी की हिस्सेदारी बहुत अधिक नहीं रहेगा। बता दें, अगर यह डील सफल रही तो ब्लैकस्टोन की भारत में यह सबसे हिस्सेदारी की खरीद होगी।

87 साल पुरानी स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीद के मामले में अभी तक कुछ आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। वहीं, स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड ने भी पूरे मामले में बयान जारी नहीं किया है। इस पूरी डील की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि हल्दीराम के नागपुर और दिल्ली बिजनेस का सफलता पूर्वक मर्जर हो जाए। इस मर्जर को सीसीआई ने अप्रैल में अप्रूव कर दिया था। बता दें, ब्लैकस्टोन इस डील को लेकर कितना उत्साहित इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि फंड कंपनी ने कनाडा और एशिया के अपने सहयोगियों से भी इसपर बात की है।

कैसे होगा मर्जर के बाद की स्थिति

हल्दीराम परिवार मौजूदा समय में 3 हिस्सों में बंटा हुआ है। मौजूदा समय में नागपुर बिजनेस (हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड) और दिल्ली बिजनेस (हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड) के मर्जर की बात हो रही है। दोनों कंपनियों के विलय के हल्दीराम स्नैक्स फूड्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से एक नई कंपनी अस्तित्व में आएगी। इस विलय के बाद दिल्ली के मनोहर अग्रवाल और मधु सुदन अग्रवाल की कंपनी में हिस्सेदारी 55 प्रतिशत होगी। जबकि नागपुर के कमलकिशन अग्रवाल की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत होगी। बता दें, इस मर्जर से हल्दीराम के पूर्वोत्तर में बिजनेस दे रही कंपनी दूर है।

हुंदै ने नेपाल में वेन्यू का उत्पादन शुरू करने के लिए लक्ष्मी समूह के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। हुंदै मोटर इंडिया ने लक्ष्मी समूह के सहयोग से नेपाल में अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी वेन्यू को स्थानीय स्तर 'असेंबल करना शुरू कर दिया है। 'असेंबल से तात्पर्य वाहन के निर्मित कलपुर्जों को जोड़ने से है। यह संयंत्र नेपाल में पहली मोटर वाहन 'असेंबली सुविधा है। इसकी वार्षिक स्थापित क्षमता 5,000 इकाई है।

हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनसू किम ने बयान में कहा, ''हुंदै वेन्यू संयंत्र में स्थानीय स्तर पर 'असेंबल किया गया पहला मॉडल होगा। मैं इस उपलब्धि के लिए नेपाल के लोगों को हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल और नेपाल सरकार के सुविधा स्थापित करने में समर्थन की कंपनी आभारी है। किम ने कहा, ''स्थानीय स्तर पर वाहन 'असेंबल करने के अनुकूल परिवेश विकसित करने के लिए हम नेपाल सरकार से और अधिक उत्साहजनक नीतियों व प्रोत्साहनों की उम्मीद करते हैं... हुंदै ने 'असेंबल संयंत्र के लिए नेपाल स्थित लक्ष्मी समूह के साथ साझेदारी की है। वाहन विनिर्माता के अनुसार, लक्ष्मी समूह एचएमसी कोरिया और हुंदै मोटर इंडिया के उत्पादों तथा प्रौद्योगिकी पर निरंतर सहयोग व समर्थन के साथ नेपाल में कार का विनिर्माण व बिक्री करेगी।

87000 रुपए के पेमेंट पर मिला 1 रुपए का कैशबैक, सोशल मीडिया पर यूजर्स ने उड़ाया मजाक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में यूपीआई और डिजिटल ट्रांजेक्शन एप ने लोगों के पेमेंट के तौर तरीकों में बड़ा बदलाव किया है। एक के बाद एक कई एप डिजिटल पेमेंट सेक्टर में उतरे। इन सभी ने शुरुआत में ग्राहकों को लुभाने के लिए ज्यादा से ज्यादा कैशबैक और ऑफर्स की झड़ी लगा दी थी। कुछ ऐसा ही हुआ क्रेड एप का इस्तेमाल करने वाले एक यूजर के साथ। उन्होंने 87000 रुपए का क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट क्रेड के जरिए किया। इसके बदले में उन्हें कंपनी से सिर्फ 1 रुपए का कैशबैक मिला है। उन्होंने इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया जिसके बाद कई यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रया देते हुए ऐसे ऑफर्स का बना मजाक बना दिया। बेंगलुरु स्थित क्रेड को क्रेडिट कार्ड पेमेंट का सबसे बड़ा थर्ड पार्टी एप माना जाता है। कंपनी के देशभर में 1.5 करोड़ एक्टिव कस्टमर हैं। इसके अलावा यह देश का चौथा सबसे बड़ा यूपीआई एप भी है। एक आईटी कंपनी में मैनेजर गुरजोत अहलूवालिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्होंने 87000 रुपए

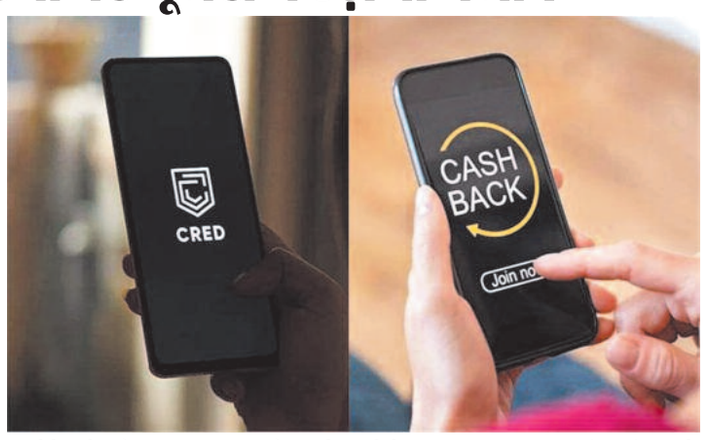

का पेमेंट क्रेड के जरिए किया। इसके बदले में उन्हें 1 रुपए का महा कैशबैक मिला है। उन्होंने लिखा कि इससे अच्छा तो मैं बैंक के पोर्टल से ही पेमेंट कर देता। अब समय आ गया है कि हम अपना डेटा क्रेड जैसी कंपनियों को न दें। हमें सीधा बैंक को ही भुगतान कर देना चाहिए। इस पोस्ट पर कई यूजर अपनी-अपनी कहानियां लेकर आ गए। एक यूजर ने लिखा कि मैंने 1.5 साल पहले ही ऐसा कर लिया था। ऑफर्स सिर्फ शुरू में ही मिलते हैं। इसके बाद ऐसे एप अपना पैसा बचाना शुरू कर देते हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा कि मैंने एक फिनटेक कंपनी में काम करने वाले अपने दोस्त से पूछा कि आखिर क्यों लोग क्रेड जैसे एप का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने बताया कि क्रेड आपको बिल पेमेंट करना याद दिलाता है। साथ ही थोड़ा कैशबैक भी मिल जाता है।

जैसे-जैसे चुनावी चरण समाप्त होंगे, बाजार का उतार-चढ़ाव कम होगा, विदेश मंत्री ने जताया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बारे में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को भरोसा जताया कि चुनाव नतीजों के बाद बाजार स्थिर हो जाएंगे। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह स्पष्ट है कि चुनाव कहां जा रहे हैं, लोग सटीक चुनाव संख्याओं पर बहस कर सकते हैं, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि बाजार के बाद दौर कम और कम अस्थिर होगा।

विदेशी मंत्री एस जयशंकर एनएसई के एक सेमिनार इंडियाएन कैपिटल मार्केट्स-विकसित भारत के लिए रोड मैप में बोल रहे थे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, शेयर बाजार के निवेशकों के बीच मौजूदा अनिश्चितता भारत में चल रहे संसदीय चुनावों के कारण है। पिछले सप्ताह से बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जयशंकर ने चुनाव परिणामों

के बाद निवेश को और मजबूत करने की बात कहकर निजी निवेश के लिए विश्वास दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे निश्चित रूप से अधिक विदेशी निवेश आने की संभावना दिख रही है, लेकिन अभी निवेशक चार जून के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भविष्य की व्यापार प्राथमिकताओं पर भी प्रकाश डाला, उन्होंने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को प्राथमिकता देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता के बारे में बताया। उन्होंने इस तरह के समझौते की जटिलताओं को स्वीकार करते हुए कहा, यूरोपीय संघ के साथ एक एफटीए सबसे कठिन एफटीए है, सबसे जटिल एफटीए है क्योंकि एफटीए में बहुत सारे गैर-व्यापारिक मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद यह है कि अगर हमारी बातचीत में सबकुछ ठीक होता है, तो यह निश्चित रूप से हमारी व्यापार प्राथमिकताओं में से एक होगा।

डीएलएफ की वित्त वर्ष 2024-25 में बिक्री बुकिंग दो प्रतिशत घटकर 14,778 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर दो प्रतिशत घटकर 14,778 करोड़ रुपए रह गई। इसकी मुख्य वजह जनवरी-मार्च तिमाही में नरमी रही, जिसमें मजबूत आवास मांग के बावजूद कोई बड़ी परियोजना पेश नहीं की गई। वित्त वर्ष 2023-24 में बिक्री बुकिंग 15,058 करोड़ रुपए थी। निवेशकों की प्रस्तुति के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में डीएलएफ की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर घटकर 1,462 करोड़ रुपये रह गई। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में यह 8,458 करोड़ रुपए थी। डीएलएफ ने

वित्त वर्ष 2024-25 में मुख्य रूप से गुरुग्राम, मुंबई, गोवा और चंडीगढ़ ट्राई-सिटी में 1.16 करोड़ वर्ग फुट के नए उत्पाद पेश करने की योजना बनाई है।

इनकी अनुमानित बिक्री क्षमता करीब 36,000 करोड़ रुपए है, जिनमें 33,000 करोड़ रुपए से अधिक लक्जरी हाउसिंग खंड की है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी ने 9,870 करोड़ रुपए के मूल्य का 59 लाख वर्ग फुट क्षेत्र पेश किया था।

5200 रुपये तक जा सकते हैं हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर से जुड़ी कंपनी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों ने मंगलवार को 52 हफ्ते का नया हाई बनाया है। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयर मंगलवार को 3 पर्सेंट की तेजी के साथ 4064.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस डिफेंस कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल सकती है। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयर 5000 रुपये के पार पहुंच सकते हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1486.23 रुपये है।

विदेशी ब्रोकरेज हाउस यूबीएस का कहना है कि हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर 5200 रुपये तक जा सकते हैं। यूबीएस ने इस

साल जनवरी में 3600 रुपये के प्राइस टारगेट के साथ कंपनी के शेयरों का कवरेज शुरू किया था। ब्रोकरेज हाउस ने अब हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयरों का टारगेट प्राइस रिवाइज्ड किया है। रिवाइज्ड टारगेट प्राइस के मुताबिक, कंपनी के शेयर सोमवार को क्लोजिंग लेवल्स से 32 पर्सेंट और चढ़ सकते हैं। यूबीएस का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 तक हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की ऑर्डर बुक तीन गुना हो जाएगी। वहीं, इस अवधि में कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस का रेवेन्यू 25 पर्सेंट के हिसाब से बढ़ेगा। कंपनी के ओवरऑल रेवेन्यू में मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस की हिस्सेदारी आधी है।

हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों में पिछले 4 साल में तूफानी तेजी आई है। पिछले 4 साल में कंपनी के शेयर 1450 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयर 15 मई 2020 को 261.75 रुपये पर थे। डिफेंस कंपनी के शेयर 14 मई 2024 को 4064.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले एक साल में हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स के शेयरों में 170 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 15 मई 2023 को 1512.08 रुपये पर थे, जो कि अब 4000 रुपये के पार पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले 6 महीने में डिफेंस कंपनी के शेयर 95 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 2089.85 रुपये से बढ़कर 4064.10 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

आम चुनावों के बाद टैरिफ बढ़ाने की तैयारी में टेलिकॉम कंपनियां

आपके मोबाइल बिल में हो सकता है 25 फीसदी तक इजाफा

टेलिकॉम कंपनियों के लिए एआरपीयू में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल फोन यूजर्स को आम चुनावों के बाद जोर का झटका लग सकता है। उनके बिल में करीब 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। टेलिकॉम कंपनियां हाल के वर्षों में चौथी बार टैरिफ बढ़ाने की तैयारी में हैं। 2019 से 2023 के बीच इन कंपनियों ने तीन बार टैरिफ में बढ़ोतरी की थी। इससे उनके प्रति यूजर एवरेज रेवेन्यू में तेजी आएगी। ब्रोकरेज फर्म एक्सिस कैपिटल की एक रिपोर्ट के मुताबिक टेलिकॉम कंपनियां जल्दी ही टैरिफ में उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर सकती हैं। इन कंपनियों ने 5जी पर भारी निवेश किया है और अब उन्हें अपना मुनाफा बढ़ाने की जरूरत है। इससे शहरी परिवारों के लिए टेलिकॉम पर पर ग्राहकों का खर्च कुल व्यय के 3.2 प्रतिशत से बढ़कर 3.6 प्रतिशत हो जाएगा, जबकि ग्रामीण ग्राहकों के लिए यह 5.2 प्रतिशत से बढ़कर 5.9 प्रतिशत हो जाएगा।

एक्सिस कैपिटल ने अनुमान लगाया है कि टैरिफ में लगभग 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी से टेलिकॉम कंपनियों के लिए एआरपीयू में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। भारती एयरटेल के लिए यह 29 रुपये और जियो के लिए 26 रुपये होगी। देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी जियो ने मार्च तिमाही के लिए 181.7 रुपये का एआरपीयू दर्ज किया। भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के लिए अक्टूबर-दिसंबर 2023 की अवधि के लिए यह क्रमशः 208 रुपये और 145 रुपये रहा था। भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने अब तक मार्च तिमाही के आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

किसे होगा सबसे ज्यादा फायदा

डेलॉयट के साउथ एशिया में टीएमटी इंडस्ट्री लीडर पीयूष वैश ने कहा कि टेलिकॉम ऑपरेटर टैरिफ बढ़ाकर 5जी में अपने पूंजीगत निवेश के मॉनीटाइजेशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक एआरपीयू में 10-15 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। यह प्रति ग्राहक लगभग 100 रुपये होगी। इसके लिए कंपनियां 4जी/5जी टैरिफ में बढ़ोतरी करेंगी और कुछ कम मूल्य वाले पैक को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करेंगी। वैश ने कहा कि इस बढ़ोतरी से ग्राहकों की संख्या में गिरावट आने की आशंका नहीं है। उन्होंने कहा, जब तक उन्हें हाई स्पीड कनेक्टिविटी मिलती रहेगी, उपभोक्ता दूरसंचार सेवाओं के लिए भुगतान करने को तैयार रहेंगे।

विश्लेषकों का अनुमान है कि वायरलेस पैक की कीमत में वृद्धि से भारती एयरटेल और जियो को सबसे अधिक लाभ होगा। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन दोनों कंपनियों ने सितंबर 2019 और सितंबर 2023 के बीच अपने एआरपीयू में क्रमशः 58 प्रतिशत और 33 प्रतिशत की वृद्धि की है, जबकि पिछले तीन टैरिफ बढ़ोतरी में दरों में 14-102 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी। इस अवधि के दौरान वीआई ने एआरपीयू में 33 प्रतिशत की वृद्धि देखी, जबकि ओवरऑल वायरलेस रेवेन्यू में 7 प्रतिशत की गिरावट आई। मुंबई एक एक ब्रोकरेज एनालिस्ट ने बताया कि वोडाफोन के ग्राहकों की संख्या में लगातार कमी आई है जिससे उसने टैरिफ बढ़ोतरी और लो वैल्यू पैक से ग्राहकों के अपग्रेडेशन का फायदा गंवा दिया है। तीनों बार की टैरिफ बढ़ोतरी के बावजूद कंपनी का वायरलेस रेवेन्यू सितंबर 2019 से नीचे बना हुआ है।

अनिल अंबानी की कंपनी के शेयरों में तेजी, 1 रुपये से 25 रुपये के पार पहुंचे शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में तूफानी तेजी है। रिलायंस पावर के शेयर मंगलवार को 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 25.63 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर सोमवार को 24.41 रुपये पर बंद हुए थे। रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले कुछ साल में जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले 4 साल में 1 रुपये से बढ़कर 25 रुपये के पार पहुंच गए हैं। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 34.35 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 11.06 रुपये है।

अपने हाई लेवल से तेज गिरावट के बाद रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले 4 साल में रॉकेट सी तेजी आई है। रिलायंस पावर के शेयर 27 मार्च 2020 को 1.13 रुपये पर थे। अनिल अंबानी की इस कंपनी के शेयर 14 मई 2024 को 25.63 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 4 साल में रिलायंस पावर के शेयरों में 2168 पर्सेंट का जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। वहीं, पिछले 3 साल में रिलायंस पावर के शेयरों में 275 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। रिलायंस पावर के शेयर 14 मई 2021 को 6.82 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 14 मई 2024 को

25.63 रुपये पर पहुंच गए हैं। रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले एक साल में भी अच्छी तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 121 पर्सेंट चढ़ गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर 15 मई 2023 को 11.60 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 14 मई 2024 को 25.63 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 2 महीने में रिलायंस पावर के शेयरों में 25 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 13 मार्च 2024 को 20.38 रुपये पर थे, जो कि अब 25.63 रुपये पर पहुंच गए हैं। रिलायंस पावर ने पिछले दिनों ही अपना 45 मेगावॉट का विंड पावर प्रोजेक्ट जेएसडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड को 132.39 करोड़ रुपये में बेचा है। रिलायंस पावर लगातार अपना कर्ज घटाने की कोशिश में जुटी है।

संक्षिप्त समाचार

निकहत जरीन ने एलोर्डा कप में शानदार शुरुआत की

अस्ताना (कजाकिस्तान)। भारत की मौजूदा विश्व चैंपियन निखत जरीन (52 किग्रा) ने सोमवार को एलोर्डा कप 2024 के शुरुआती दिन कजाकिस्तान की राखिम्बेर्डी झानसाया के खिलाफ 5-0 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। मीनाक्षी (48 किग्रा) ने भी कजाकिस्तान की गैसीमोवा रोक्साना पर 4-1 से जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाई। इसके विपरीत, अनामिका ने 50 किग्रा वर्ग के मुकाबले के पहले दौर में रेफरी स्टॉप्स द कॉन्टेस्ट (आरएससी) की जीत के साथ झुमाबायेवा अरैलीम को हराया।

इस बीच, इश्मीत सिंह (75 किग्रा) और सोनिया (54 किग्रा) क्रमश : कजाकिस्तान के अर्मानुली आर्मत और चीन के चांग युआन के खिलाफ 0-5 से हारकर बाहर हो गए। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा), संजय (80 किग्रा) और गौरव चौहान (92+) तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ मंगलवार को एक्शन में होंगे। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए 21 सदस्यीय टीम भेजी है, जिसमें कजाकिस्तान, चीन, भारत, जापान और उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

टी20 विश्व कप के लिए नीदरलैंड्स की टीम का ऐलान

स्कॉट एडवर्ड्स करेंगे कप्तानी

अम्स्टेलवीन, एजेंसी। नीदरलैंड्स ने टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें विकेटकीपर-बल्लेबाज स्कॉट एडवर्ड्स 1 जून से वेस्टइंडीज और यूएसए में शुरू होने वाले मेगा इवेंट में टीम का नेतृत्व करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी सहयोगी

देश ने लगातार तीन विश्व कप संस्करणों में भाग लिया। नीदरलैंड्स ने 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप और पिछले साल वनडे विश्व कप में खेला था। मुख्य कोच रेयान कुक ने कहा, पिछले दो विश्व कप में हमने सराहनीय प्रदर्शन किया है और हम टूर्नामेंट के अगले दौर में पहुंचने के लिए आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेरिका में दो आधिकारिक अभ्यास मैच खेलने के बाद ग्रुप चरण के दौरान नीदरलैंड्स का सामना दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल से होगा।

नीदरलैंड्स की टीमः

स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान/विकेटकीपर), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, डेनियल डोरम, फ्रेड क्लासेन, काइल क्लेन, लोगान वैन बीक, मैक्स ओडोड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट, तेजा निदामानुरु, ? टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंग्मा, वेस्ले बर्रेसी। ट्रेवल रिजर्व-काईल क्लेन

टी -20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की जर्सी लॉन्च

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया ने अपनी नई जर्सी लॉन्च कर दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह और कप्तान रोहित शर्मा ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नई जर्सी का अनावरण किया। भारत के आधिकारिक किट पार्टनर एडिडास ने पहले 1 जून से यूएसए और कैरेबियन में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम की जर्सी का खुलासा किया। इस कार्यक्रम का एक वीडियो बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट किया है। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए बीसीसीआई ने लिखा कि अब हमारी टीम का नए रंगों में स्वागत करने का समय आ गया है। रोहित शर्मा, जय शाह और आधिकारिक किट पार्टनर एडिडास टीम इंडिया की टी20 जर्सी पेश करते हुए। इस वीडियो में टीम इंडिया की प्रैक्टिस जर्सी भी नजर आ रही है, जो ब्लू कलर की है। इसके साथ ही इस विश्व कप के लिए टीम इंडिया की ट्रैवल किट भी सामने आई है, जो व्हाइट कलर की है, जिसमें रोहित शर्मा नजर आ रहे हैं। 30 अप्रैल को, बीसीसीआई ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारत अपने अभियान की शुरुआत 5 जून को नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम-

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रिजर्व- शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद, आवेश खान

शॉटपुट

आभा ने शॉटपुट में बनाया राष्ट्रीय कीर्तिमान

भुवनेश्वर, एजेंसी। बावजूद इसके वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई। ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग मार्क 18.80 मीटर है। हालांकि उनके पास 30 जून तक क्वालिफाई करने का मौका है। महाराष्ट्र की आभा खटुआ ने राष्ट्रीय फेडरेशन कप में 18.41 मीटर गोल फेंक शॉटपुट का नया राष्ट्रीय कीर्तिमान रच दिया।

उन्होंने 18.06 मीटर का अपना और मनप्रीत कौर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा। उन्होंने पांचवें प्रयास में यह दूरी नापी। बावजूद इसके वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई। ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग मार्क 18.80 मीटर है। हालांकि उनके पास 30 जून तक क्वालिफाई करने का मौका है।

बेडमिंटन

थाईलैंड ओपन की शुरुआत

● सात्विक-चिराग करेंगे भारतीय चुनौती की अगुआई

बैंकॉक , एजेंसी। सात्विक और चिराग की जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और टेन वी कियोंग की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ करेगी तो उनकी नजरें अपने प्रदर्शन में सुधार पर टिकी होंगी।

सात्विकसाई रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष डबल्स जोड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक की दावेदार भारत की इस शीर्ष वरीय जोड़ी को थॉमस कप में इंडोनेशिया और चीन के खिलाड़ियों की सर्विस का सामना करने में थोड़ी मुश्किल हुई थी। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके खिलाड़ियों ने अपने कौशल को निखारने पर काम किया है और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में उन्हें अपने नए शॉट और बदलाव को परखने का शानदार मौका मिलेगा।

मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ शुरू करेगी अभियान - सात्विक और चिराग की जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत नूर मोहम्मद अजरिन अयूब अजरिन और टेन वी कियोंग की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ करेगी तो उनकी नजरें अपने प्रदर्शन में सुधार पर टिकी होंगी।

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता भारत के शीर्ष सिंगल्स खिलाड़ी एचएस प्रणय को मौजूदा सत्र में स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने के बाद लय हासिल करनी होगी। इंडोनेशिया के एंथोनी गिनटिंग के खिलाफ जीत से प्रणय का आत्मविश्वास बढ़ा होगा लेकिन चीन के शी युकी के खिलाफ हार से वह परेशान होंगे क्योंकि उन्हें करीबी मुकाबले जीतने की जरूरत है।

किरण जॉर्ज और सतीश कुमार करूणाकरण भी सिंगल्स वर्ग में चुनौती पेश कर रहे हैं, जबकि लक्ष्य सेन और पीवी सिंधू पिछले हफ्ते टूर्नामेंट के ड्रॉ की घोषणा से पहले प्रतियोगिता से हट गए। किरण को पहले दौर में चीन के ऑस्ट्रेलिया ओपन विजेता वेंग होंग यैंग से भिड़ना है, जबकि सतीश अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे।

टी20 विश्व कप **हरमनप्रीत ने की भविष्यवाणी**

भारत सहित ये टीमें पहुंचेंगी सेमीफाइनल में

ढाका, एजेंसी। कप्तान हरमनप्रीत कौर को भरोसा है कि भारतीय महिला टीम इस साल के टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली संभावित टीमों में से एक होगी। टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होना है और हरमनप्रीत का मानना है कि परिस्थितियों से परिचित होने से भारतीय टीम को टूर्नामेंट जीतने में मदद मिलेगी।

टूर्नामेंट के नौवें सत्र के लिए भारत को छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, 2016 का चैंपियन वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड शामिल हैं।

सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीमों के बारे में भविष्यवाणी करने के लिए कहे जाने पर हरमनप्रीत ने कहा, 'भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और उम्मीद है कि ये चारों सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं। भारत ने हाल ही में सिलहट में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में बांग्लादेश को 5-0 से हरा दिया था। हरमनप्रीत ने यहां कार्यक्रम की घोषणा के लिए आयोजित समारोह के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, ''मुझे लगता है कि वह ऑस्ट्रेलिया होगा (जिसका मैं सामना करने के लिए उत्सुक हूं) क्योंकि वे बहुत प्रतिस्पर्धी हैं। भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई प्रभुत्व को चुनौती दी है लेकिन इस टीम का वैश्विक प्रतियोगिताओं में हरमनप्रीत की टीम पर दबदबा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने 2020 में महिला टी20 विश्व कप फाइनल के साथ-साथ 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भी भारत को हराया। ऑस्ट्रेलिया ने 2023 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में भी भारत को हराया था। हरमनप्रीत ने कहा, 'अगर हम उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिलेगा और मैं वास्तव में उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हूं। हरमनप्रीत का मानना है कि मेजबान टीम के खिलाफ हाल ही में खेली गई पांच मैचों की श्रृंखला में भारत की सफलता से उन्हें परिस्थितियों से अधिक परिचित होने का मौका मिला। उन्होंने कहा, 'हां, यह कुछ हद तक भारत जैसा ही है और उम्मीद है कि इन परिस्थितियों में हमें अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए। भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ समय से कड़ी प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली है और यह हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

श्यामनिखिल को मिला सब्र का फल

बने भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर
12 वर्षों तक किया था इंतजार

चेस

नई दिल्ली, एजेंसी। श्यामनिखिल को लंबे समय से प्रतीक्षित जीएम नॉर्म पूरा करने के लिए सिर्फ एक जीत और आठ ड्रॉ की जरूरत थी, जो उन्होंने दुबई में खेले गये टूर्नामेंट में हासिल किया। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 2012 में दो ग्रैंडमास्टर नॉर्म के साथ आवश्यक 2500 ईएलओ रेटिंग अंक हासिल कर लिए थे जो जीएम बनने के लिए न्यूनतम आवश्यकता है।

भारत के शतरंज खिलाड़ी पी श्यामनिखिल को आखिरकार सब्र का फल मिला और वह भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर बन गए। आठ साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू करने वाले श्यामनिखिल को तीसरे नॉर्म के साथ इस उपलब्धि के लिए 12 साल का इंतजार करना पड़ा। हालांकि उनका यह इंतजार दुबई पुलिस मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में समाप्त हुआ जहां उन्होंने अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर (जीएम) नॉर्म हासिल किया।

तीसरा नॉर्म हासिल करने में लगाया लंबा समय - श्यामनिखिल को लंबे समय से प्रतीक्षित जीएम नॉर्म पूरा करने के लिए सिर्फ एक जीत और आठ ड्रॉ की जरूरत

थी, जो उन्होंने दुबई में खेले गये टूर्नामेंट में हासिल किया। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 2012 में दो ग्रैंडमास्टर नॉर्म के साथ आवश्यक 2500 ईएलओ रेटिंग अंक हासिल कर लिए थे जो जीएम बनने के लिए न्यूनतम आवश्यकता है। उन्हें हालांकि तीसरे नॉर्म को पूरा करने के लिए 12 साल तक इंतजार करना पड़ा। श्यामनिखिल ने मुंबई मेयर्स कप 2011 में अपना पहला जीएम नॉर्म हासिल किया था। उन्होंने इसके कुछ समय के बाद 19 साल की उम्र में इंडियन चैंपियनशिप के दौरान दूसरा नॉर्म हासिल किया और फिर 2012 की शुरुआत में रेटिंग की आवश्यकता पूरी की। वह 2012 में दुबई ओपन में अपना अंतिम नॉर्म हासिल करने से चूक गए थे। वह इसके बाद अब तक कई मौकों का फायदा उठाने में विफल रहे।

अब अधिक आजादी से खेल सकता हूं

श्यामनिखिल ने जीएम उपलब्धि हासिल करने के बाद कहा, मैंने आठ साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। मेरे माता-पिता ने मुझे इस खेल को सिखाया है लेकिन मैं तीन साल तक कोई टूर्नामेंट नहीं खेल सका था। अंडर-13 राज्य चैंपियनशिप जीतने के बाद मेरे लिए अवसर खुल गए क्योंकि मैं एशियाई और आयु वर्ग विश्व चैंपियनशिप खेल सकता था। मैंने 2017 में ही यूरोप में टूर्नामेंट खेले थे, तब तक मैं वियतनाम या यूएई में खेलने की कोशिश कर रहा था और फाइनल नॉर्म हासिल करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन ये जगहें इतनी आसान नहीं हैं क्योंकि टूर्नामेंट बहुत मजबूत हैं।

स्लोवोनिया बधिर टेनिस ओपन

स्लोवोनिया बधिर टेनिस ओपन में पृथ्वी शेखर ने जीता खिताब, भारत का नाम किया रोशन

नई दिल्ली, एजेंसी। स्लोवोनिया बधिर टेनिस ओपन में पृथ्वी शेखर ने खिताब जीत लिया है। सोमवार को उन्होंने पुरुष एकल वर्ग में खिताब जीतकर भारत का नाम रोशन किया। स्लोवोनिया बधिर टेनिस ओपन में पृथ्वी शेखर ने खिताब जीत लिया है। सोमवार को उन्होंने पुरुष एकल वर्ग में खिताब जीतकर भारत का नाम रोशन किया।

राहुल द्रविड़ की हो सकती है भारतीय टीम से छुट्टी...

हेड कोच के लिए बीसीसीआई ने मांगे आवेदन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को रोहित शर्मा की कप्तानी में अगले महीने टी20 वर्ल्ड कप 2024 खेलना है. उसके बाद भारतीय टीम में एक बड़ा बदलाव हो सकता है. हेड कोच राहुल द्रविड़ की छुट्टी हो सकती है. उनकी जगह नए कोच आ सकते हैं. इसके लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) प्रक्रिया भी शुरू कर दी है. बीसीसीआई ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी. साथ ही भारतीय बोर्ड ने नए कोच के लिए आवेदन भी मंगाए हैं. बता दें कि फिलहाल राहुल द्रविड़ ही भारतीय टीम के कोच पद को संभाल रहे हैं.

आवेदन के लिए 27 मई आखिरी तारीख- बीसीसीआई ने द्रविड़ को वनडे वर्ल्ड कप 2023 तक के लिए कोच नियुक्त किया था. मगर उसके बाद भारतीय बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 तक के लिए द्रविड़ का कार्यकाल बढ़ा दिया था. यह वर्ल्ड कप 1 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा. मगर इससे पहले ही बीसीसीआई ने नए कोच की प्रक्रिया शुरू कर दी है. उन्होंने आवेदन के लिए 27 मई आखिरी तारीख (शाम 6 बजे तक) निर्धारित की है. हालांकि बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने पहले ही साफ कर दिया है कि राहुल द्रविड़ यदि अपना कार्यकाल बढ़ाना चाहते हैं तो इस पद के लिए दोबारा आवेदन कर सकते हैं.

अगले वर्ल्ड कप तक रहेगा नए कोच का कार्यकाल

हाल ही में मुंबई में बीसीसीआई मुख्यालय में जय शाह ने कहा था, हम अगले कुछ दिनों में आवेदन मंगाएंगे, राहुल द्रविड़ का कार्यकाल जून में खत्म हो रहा है. अगर वह दोबारा आवेदन करना चाहते हैं, तो कर सकते हैं. बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग कोच जैसे कोचिंग स्टाफ का फैसला नए कोच के परामर्श के बाद किया जाएगा. बता दें कि नए हेड कोच का कार्यकाल अगल 3 साल यानी वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए रहेगा. यह बात भी खुद जय शाह ने क्लियर की थी. उन्होंने कहा था कि नए मुख्य कोच को 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक कार्यभार संभालने की पेशकश की जाएगी.

ओलिंपिक में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

खिलाड़ी के परिवार की हार्ट रेट होगी मॉनिटर

पेरिस । ओलिंपिक में केवल ढाई महीने का समय बचा है। इस बार इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी खेलों की सुरक्षा से लेकर मनोरंजन तक में एआई का इस्तेमाल करेगी। इसके तहत खिलाड़ियों के परिवार के भावों को मॉनिटर किया जाएगा। वहीं, रियल टाइम एनालिसिस से जज की मदद की जाएगी। 1924 में पेरिस में हुए ओलिंपिक की तस्वीरों को रंगीन करने की योजना भी है।

पैरेंट्स का रिएक्शन लाइव दिखाने की तैयारी- एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रॉडकास्टर एनबीसी यूनिवर्सल ने ओलिंपिक एथलीट्स के माता-पिता को हार्ट रेट मॉनिटर देने की योजना बनाई है, ताकि वे टूर्नामेंट के दौरान उनके रिएक्शन लाइव दिखा सकें।

एआई लैस सीसीटीवी कैमरों से होगी सुरक्षा- गेम्स के दौरान संदिग्ध घटनाओं को मॉनिटर करने के लिए सर्विलांस में एआई लैस कैमरों की मदद ली जाएगी। अगर खेलों में हथियार का इस्तेमाल या ग्राउंड में बिना अनुमति घुसने जैसी घटना रिकॉर्ड होती है तो इसके बाद तुरंत सुरक्षा टीम को अलर्ट चला जाएगा।

रियल टाइम वीडियो एनालिसिस से होंगे निर्णय- एआई की मदद से महज 10 सेकंड के भीतर वीडियो का एनालिसिस कर निर्णय दिए जा सकेंगे।

सुनील पाल को

सुनील ग्रोवर की परफॉर्मेंस से आती है घिन

कॉमेडियन सुनील पाल और कपिल शर्मा की पुरानी जान-पहचान है। दोनों कुछ मौकों पर साथ काम कर चुके हैं और सुनील पाल एक वक्त पर कॉमेडी की दुनिया में उतना बड़ा नाम थे, जितना आज कपिल शर्मा को माना जाता है। सुनील पाल ने कपिल शर्मा शो की जितनी तारीफ की है, उतना ही वो नेटफ्लिक्स पर आए द ग्रेट इंडियन कपिल शो की खिलाफत करते नजर आए हैं। पिछले दिनों ही उन्होंने अपनी इंस्टा पोस्ट में कपिल के नए शो को वल्गर बताया था और अब एक इंटरव्यू में उन्होंने सुनील ग्रोवर को घेरा है। सुनील ग्रोवर और कपिल शर्मा की जोड़ी कपिल शर्मा शो की जान रही है। गुत्थी, डॉक्टर मशहूर गुलाटी और रिंकू भाभी जैसे किरदार करके उन्होंने कपिल के शो की टीआरपी आसमान पर पहुंचा दी थी। अब द ग्रेट इंडियन कपिल शो में वह इंजीनियर चुंबक मित्तल का रोल कर रहे हैं जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। हालांकि बीच-बीच में वो कई अलग तरह के कैरेक्टर करके भी दर्शकों को हंसाते रहते हैं। सुनील पाल ने टाइम्स नाऊ के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें सुनील की परफॉर्मेंस से घिन आती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सुनील पाल ने बताया, सुनील ग्रोवर शो में औरत की तरह एक्ट करते हैं और जाकर लोगों की गोद में बैठ जाते हैं। घिन आती है। वो औरतों के कपड़े पहनकर वल्गर बातें करते हैं। अच्छा नहीं लगता है। यह बहुत भद्दा और चीप लगता है। महिलाएं उतनी डेस्परेट नहीं होती हैं जैसा वो शो में दिखाते हैं। कॉमेडी करो ना, ये सब क्यों करना? सुनील पाल ने कपिल के शो की लेंथ को लेकर भी बात की, क्योंकि कपिल शर्मा शो की तुलना में कपिल के नए शो का रनटाइम ज्यादा है। सुनील पाल ने इस बारे में कहा, लोग इस बारे में बहुत शिकायत कर रहे हैं। नेटफ्लिक्स पर आमतौर पर बहुत ज्यादा वल्गर और एडल्ट कॉन्टेंट होता है। मुझे नहीं पता कि उन्होंने कपिल शर्मा को यह शो करने के लिए कैसे राजी कर लिया। वो अपनी जगह ठीक है लेकिन उसके साथ जो कलाकार काम कर रहे हैं वो बहुत आम से हैं। बावजूद इसके कि उन्होंने इस शो के लिए 40 राइटर्स को रखा है, वो इसमें कुछ नया और यूनिक नहीं ला पा रहे हैं।

चुनौतीपूर्ण किरदारों को निभाना ज्यादा पसंद करती हूं: सैयामी खेर

● एक्ट्रेस सैयामी खेर अपनी अपकमिंग फिल्म अग्नि की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने साझा किया है कि उन्हें ऐसे किरदार निभाना पसंद है जो उन्हें चुनौती दे और उन्हें उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकाले।

अग्नि में उन्होंने एक फायर फाइटर का किरदार निभाया है। एक्ट्रेस ने कहा कि अब तक मैंने जो काम किया है उसमें मजबूत किरदार निभाने के जो अवसर मुझे मिले हैं, उसके लिए मैं अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं। उन भूमिकाओं को निभाने की मेरी क्षमता के लिए पहचाना जाना बेहद संतुष्टिदायक है, जो मुझे कंफर्ट जोन से बाहर निकालता है। मैं हमेशा ऐसी भूमिकाओं की ओर आकर्षित होती हूं, जिसमें सभी भावनाएं हो। ये भूमिकाएं बदले में मुझे काफी कुछ सिखाती हैं। मेरी कोशिश हमेशा किरदार में खुद को खो देने की रही है। उन्होंने कहा कि एक अभिनेता के रूप में मेरी यात्रा निरंतर सीखने, विकास की रही है, और मैं खुद को चुनौती देने और लोगों के जीवन को प्रेरित करने के हर अवसर के लिए आभारी हूं। अभिनय एक बहुत सशक्त माध्यम है, इसलिए जब लोग वापस आते हैं और कहते हैं कि आपकी फिल्म ने मुझे प्रेरित किया, मुझे सिखाया, तो मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक बड़ी सफलता है।

आदिशक्ति वर्कशॉप ने मुझे गहरी समझ दीः अपूर्वा अरोड़ा

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज फैमिली आज कल में नजर आने वाली अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ऑरोविले में आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेने के बाद रविवार को मुंबई लौट आईं। एक्ट्रेस ने वर्कशाप में अपनी दिनचर्या के बारे में बात की और कहा कि इससे उन्हें एक कलाकार के रूप में खुद के बारे में गहरी समझ मिली है।

अभिनेत्री ने आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेने की इच्छा मन में रखी थी। हालांकि उनका व्यस्त कार्यक्रम और अपने काम के प्रति प्रतिबद्धता हमेशा उनकी योजनाओं में बाधा बनती थी। इस बार अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह वर्कशॉप के लिए समय निकालने में सफल रहीं। अपने अनुभव पर बात करते हुए अपूर्वा ने कहा कि यह बेहद समृद्ध और परिवर्तनकारी था, जिससे उन्हें अभिनय और जीवन पर एक नया दृष्टिकोण मिला।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अपूर्वा ने बताया, मैं वर्षों से आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेना चाहती थी, लेकिन मेरी कार्य प्रतिबद्धताओं ने मुझे कभी ऐसा करने की अनुमति नहीं दी।

इस बार मैंने इसे प्राथमिकता दी और मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा किया। वर्कशॉप ने न केवल मेरे अभिनय कौशल को बढ़ाया है, बल्कि कलाकार के रूप में मुझे गहरी समझ भी दी है। यह वास्तव में जीवन बदलने वाला अनुभव था। उन्होंने ऑरोविले में रहने के दौरान की अपनी दिनचर्या भी शेयर की, साथ ही अपनी सीखने की प्रक्रिया के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि मैंने कई अलग-अलग तरह की कक्षाएं लीं, जिनमें केरल का मिझावु ड्रम बजाना सीखना, पानी के भीतर सांस लेने के व्यायाम और कलरीपायट्टु सीखने के साथ चरित्र निर्माण में सहायता के लिए विभिन्न उपकरण सीखने पर ध्यान केंद्रित किया। हम सुबह 7 बजे रिपोर्ट करते थे। कक्षाएं सुबह 9 बजे तक चलती हैं, कभी-कभी देर तक भी चलती थीं। बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक होते थे, लेकिन वह ज्यादातर काम करने और अगली कक्षा के लिए तैयारी करने में व्यतीत होता था। अपूर्वा अगली बार रोहन सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म अनरियल में नजर आएंगी।

अल्लू के खिलाफ दर्ज हुआ केस

दोस्त के लिए प्रचार करना पड़ा भारी

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म पुष्पा 2 की वजह से चर्चा में बने हुए हैं। अल्लू अर्जुन की मूवी पुष्पा ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा धमला मचाया था कि सभी लोग दंग रह गए थे। अब लोगों ये मानना है कि पुष्पा 2 भी बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई करने वाली है। इस फिल्म के लिए लोल काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। इस बीच सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को लेकर एक खबर सामने आई है, जिसमें ये बताया गया है कि वो कानूनी पचड़े में फंस गए थे। उनके खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर दिया है। नांघाल सीट से अल्लू अर्जुन के दोस्त और वाईएसआरसीपी विधायक शिल्पा रवि उम्मीदवार हैं। अल्लू अर्जुन अपने दोस्त को सपोर्ट करने पहुंचे थे लेकिन उनके आने के बाद विधायक के घर के बाहर हजारों लोग जमा हो गए। अल्लू अर्जुन की एक झलक पाने के लिए ये लोग बेताब थे। आंध्र प्रदेश में चुनावी माहौल के कारण आचार संहिता लागू है। इस लिए अल्लू अर्जुन के खिलाफ पुलिस को एक्शन लेना पड़ रहा है।

अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 आने वाले 15 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म में साउथ से लेकर बॉलीवुड तक धमाल मचाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगी। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मालूम हो कि रश्मिका मंदाना को लेकर ये खबर सामने आई है कि वो सलमान खान की फिल्म सिकंदर में धमाल मचाने वाली हैं। इस बात की जानकारी रश्मिका ने दी है।

भंसाली की भांजी होने के कारण नहीं मिला रोल, देने पड़े थे 16 ऑडिशन

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे दर्शकों की ओर से मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। यह एक पीरियड ड्रामा सीरीज है, जिसमें कई कलाकारों ने काम किया है। भंसाली की हर एक फिल्म चर्चा में रहती हैं। हीरामंडी- द डायमंड बाजार से उन्होंने वेब सीरीज में डेब्यू किया है। सीरीज में भंसाली की भांजी शर्मिन सेगल के अभिनय की खूब आलोचना कर रहे हैं। अब अभिनेत्री ने ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है। संजय लीला भंसाली की हीरामंडी के ओटीटी पर रिलीज होने के बाद से बॉलीवुड अभिनेत्री शर्मिन सहगल को भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दर्शकों ने शो में अन्य अभिनेत्रियों के बराबर नहीं होने के लिए उनकी आलोचना की। अब शर्मिन ने खुलासा किया है कि हीरामंडी में आलमजेब की भूमिका पाने के लिए उन्हें 16 बार ऑडिशन देना पड़ा था। सोशल मीडिया पर लोगों ने शर्मिन पर नेपोटिज्म का टैग लगाया और कहा कि यह किरदार उन्हें भंसाली की भांजी होने की वजह से मिला है। हालांकि, अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें अपने मामा से किसी भी प्रकार की मेहरबानी या छूट नहीं मिली, और यह भूमिका पाने के लिए उन्हें बाकी सभी लोगों की तरह ही कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी। शर्मिन ने अपने हालिया इंटरव्यू में खुलासा किया कि उन्हें आलमजेब के रूप में मुहर लगाने से पहले एक साल तक तैयारी करनी पड़ी और 16 ऑडिशन देने पड़े थे। बता दें कि अभिनेत्री को उनके सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इतना ट्रोल किया गया कि उन्होंने अपने पोस्ट के कमेंट सेक्शन को ही डिसेबल कर दिया था।

संजीदा शेख ने हीरामंडी के लिए नहीं दिया था ऑडिशन

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। ये सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। दर्शकों की तरफ से इस सीरीज को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। यह एक पीरियड ड्रामा सीरीज है, जिसमें कई कलाकारों ने काम किया है। सीरीज में टीवी अभिनेत्री संजीदा शेख भी अहम भूमिका में दिखाई दी हैं। उन्होंने वहीदा के किरदार को बखूबी निभाया है। संजीदा ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने सीरीज में अपने किरदार के लिए ऑडिशन नहीं दिया था। संजीदा शेख ने बताया कि उन्हें पता था कि संजय लीला भंसाली हीरामंडी नाम का शो बना रहे हैं। इसके लिए उनकी उनके साथ मीटिंग भी हुई थी। अभिनेत्री ने कहा, यह 10 मिनट की एक छोटी मीटिंग थी। सर मुझसे 10-15 साल पहले मिल चुके थे। मैंने सोचा था कि उन्हें ये याद नहीं होगा। मगर उन्हें याद था। उन्होंने मुझेसे कहा कि आप बेहतर दिख रहे हैं। पहले से अधिक फ्रेश और खुश दिख रही हो। इसके बाद उन्होंने मुझसे इस मुलाकात के बारे में किसी को न बताने के लिए कहा।

उन्होंने बताया कि वह इस उम्मीद से घर वापस गई थीं कि यह भूमिका उन्हें मिलेगी। संजीदा ने बताया, कोई ऑडिशन नहीं था। सर ने ऑडिशन नहीं लिया। उन्होंने मीटिंग के तीन-चार महीने बाद सिर्फ लुक टेस्ट के लिए बुलाया था। अभिनेत्री ने कहा कि जब वह लुक टेस्ट के लिए गईं, तो टीम ने अपना काम शुरू कर दिया, क्योंकि किरदार के चेहरे पर चोट का निशान था। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग आउटफिट ट्राई किए।

संजीदा ने कहा कि संजय लीला भंसाली खुद लुक टेस्ट ले रहे थे। उनसे अपने किरदार के लिए कई चीजें करने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा, मैं सब कुछ कर रही थी और अचानक उन्होंने कहा कि ये है मेरी वहीदा। सीरीज में संजीदा शेख के किरदार को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। हीरामंडी 1940 के दशक की आजादी की लड़ाई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हीरामंडी- द डायमंड बाजार 1 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है।

- साभार एजेंसी

सिंगर सुचित्रा का दावा

शादी में रह कर भी किसी तीसरे को डेट कर रहे थे रजनीकांत के दामाद-बेटी

दोनों के थे एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर

तमिल सुपरस्टार धनुष और रजनीकांत की बेटी सौंदर्या ने अपनी राहें अलग कर ली हैं। कपल ने 2022 में अपनी 18 साल की शादी खत्म करके अलग होने का फैसला किया, और तलाक की अर्जी दी। इससे दोनों के परिवार के साथ-साथ फैंस को भी झटका लगा था। दोनों तलाक क्यों ले रहे हैं इसकी कोई खास वजह सामने नहीं आई थी लेकिन अब सिंगर सुचित्रा ने चौंकाने वाला दावा किया है।

सुचित्रा का दावा है कि धनुष और ऐश्वर्या ने शादी के दौरान एक-दूसरे को धोखा दिया। शादीशुदा होते हुए भी दोनों किसी तीसरे शख्स को डेट कर रहे हैं। तमिल सुपरस्टार धनुष और रजनीकांत की बेटी सौंदर्या ने अपनी राहें अलग कर ली हैं। कपल ने 2022 में अपनी 18 साल की शादी खत्म करके अलग होने का फैसला किया, और तलाक की अर्जी दी। इससे दोनों के परिवार के साथ-साथ फैंस को भी झटका लगा था। दोनों तलाक क्यों ले रहे हैं इसकी कोई खास वजह सामने नहीं आई थी लेकिन अब सिंगर सुचित्रा ने चौंकाने वाला दावा किया है। सुचित्रा का दावा है कि धनुष और ऐश्वर्या ने शादी के दौरान एक-दूसरे को धोखा दिया। शादीशुदा होते हुए भी दोनों किसी तीसरे शख्स को डेट कर रहे हैं। जी हां, सौंदर्या और धनुष दोनों का ही एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर था।

सिंगर सुचित्रा ने बातचीत में ऐश्वर्या और धनुष को लेकर कहा-ऐश्वर्या, धनुष पर उन्हें धोखा देने का आरोप लगा रही हैं लेकिन उन्होंने भी पूरी शादी के दौरान यही किया है। यह डबल स्टैंडर्ड नहीं है? ऐश्वर्या ने धनुष को धोखा दिया है और धनुष ने ऐश्वर्या को धोखा दिया है। वो ऐसे कपल हैं, जो सिस्टमैटिक तरीके से एक-दूसरे को धोखा दे रहे हैं। सुचित्रा से जब पूछा गया कि वह किस आधार पर धनुष और ऐश्वर्या पर ऐसा आरोप लगा रही हैं तो वह बोलीं- उनके दोनों के छोटे-मोटे फ्लिंग रहे हैं।

दोनों (धनुष-ऐश्वर्या) ने बार में बैठकर उस व्यक्ति के साथ ड्रिंक की है जिसे वो डेट कर रहे हैं। क्या शादीशुदा होकर डेट पर जाना नॉर्मल है? सुचित्रा ने ऐश्वर्या को खराब मां बताया और कहा कि धनुष ही पिता का फर्ज निभा रहे हैं। सुचित्रा के इन दावों ने वाकई चौंका दिया है। अब देखना यह होगा कि इन पर ऐश्वर्या या धनुष क्या कहेंगे।